दैनिक
समाज जागरण
राष्ट्रीय संस्करण
RNI: UPHIN/2021/84200
नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित
वर्ष: 4 अंक: 271 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 10 जुलाई 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

शरद पवार-शिंदे मुलाकात पर बढ़ी सियासी हलचल, संजय राउत ने उठाए सवाल

'गद्दारों को सम्मान' वाली टिप्पणी से महाविकास अघाड़ी में बढ़ी बयानबाजी

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) प्रमुख शरद पवार और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मुलाकात को लेकर नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विधानसभा परिसर में शरद पवार के एकनाथ शिंदे के कार्यालय पहुंचने पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सांसद संजय राउत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यह कदम "गद्दारों को सम्मान देने" जैसा है।

संजय राउत ने कहा कि जिन एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र की राजनीति में "गद्दारी" की शुरूआत की, उनके कार्यालय में जाकर मिलना उचित नहीं था। उनका कहना था कि यदि किसी सरकारी समिति की बैठक के सिलसिले में मुलाकात करनी भी थी तो किसी अन्य स्थान पर भी मुलाकात हो सकती थी।

राउत के बयान के बाद शरद पवार गुट ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह एक औपचारिक और प्रशासनिक बैठक थी,

भारत तेजी से दुनिया की शीर्ष-3 अर्थव्यवस्थाओं की ओर, 30 हजार प्रवासी भारतीयों के बीच बोले प्रधानमंत्री

ऑपरेशन सिंदूर की गूंज दुनिया ने सुनी

मेलबर्न से पीएम मोदी का दुनिया को संदेश : भारत की रक्षा शक्ति पर बढ़ा वैश्विक भरोसा, आतंक के खिलाफ कार्रवाई की क्षमता का दिया उदाहरण

सबसे बड़ी बात

"ऑपरेशन सिंदूर के दौरान धमाके आतंकियों के अड्डों पर हो रहे थे, लेकिन उनकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही थी। भारत के डिफेंस प्लेटफॉर्म की क्षमता और विश्वसनीयता आज पूरी दुनिया देख रही है।" – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

समाज जागरण

ब्यूरो मेलबर्न/नई दिल्ली: ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित मार्वल स्टेडियम में आयोजित 'मेलबर्न मीट्स मोदी' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत, रक्षा क्षमता और भारत-ऑस्ट्रेलिया की मजबूत होती रणनीतिक साझेदारी का उल्लेख किया। करीब 30 हजार से अधिक प्रवासी भारतीयों की मौजूदगी वाले इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया भारत को नई शक्ति, नई तकनीक और नए विश्वास के साथ देख रही है।

डिजिटल इंडिया बना नई पहचान

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में 5जी नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है और इसकी पहुंच लगभग 90 प्रतिशत आबादी तक हो चुकी है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया, वैक्सीन मैत्री और वैश्विक संकटों के दौरान भारत द्वारा निभाई गई मानवीय भूमिका का भी उल्लेख किया।

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को मिली नई उड़ान

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, व्यापार, निवेश और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि टाटा समूह ऑस्ट्रेलियाई रॉकेट के जरिए उपग्रह प्रक्षेपण की दिशा में कार्य कर रहा है, जो तकनीकी सहयोग का नया अध्याय है।

प्रवासी भारतीयों को बताया सबसे बड़ी ताकत

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेलबर्न के कई इलाकों को लोग "लिटिल इंडिया" और "मिनी इंडिया" के नाम से जानते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों को मजबूत बनाने का सबसे बड़ा श्रेय प्रवासी भारतीयों को जाता है।

भारत की बढ़ती ताकत पर दुनिया की नजर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में सक्षम है और देश की रक्षा क्षमता पर दुनिया का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय रक्षा प्लेटफॉर्म अब केवल देश की सुरक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर विश्वसनीयता का प्रतीक बन चुके हैं।

उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। चंद्रयान मिशन की सफलता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर इतिहास रचा है और अब गगनयान मिशन तथा भारतीय स्पेस स्टेशन की दिशा में तेजी से कार्य चल रहा है।

समाज जागरण विश्लेषण

मेलबर्न में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद नहीं था, बल्कि यह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का संदेश भी था। रक्षा क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता, अंतरिक्ष उपलब्धियां और आर्थिक विकास को एक साथ प्रस्तुत कर प्रधानमंत्री ने यह संकेत दिया कि भारत आने वाले वर्षों में वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में और प्रभावशाली भूमिका निभाने की तैयारी कर रहा है।

खबर एक नजर में

30,000+ प्रवासी भारतीय कार्यक्रम में शामिल

ऑपरेशन सिंदूर
आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई का उल्लेख

टॉप-3 लक्ष्य
दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर भारत

5G विस्तार
देश के लगभग 90% हिस्से तक पहुंच

स्पेस मिशन
चंद्रयान के बाद गगनयान और भारतीय स्पेस स्टेशन की तैयारी

भारत-ऑस्ट्रेलिया
रणनीतिक, तकनीकी और आर्थिक साझेदारी को नई मजबूती

60 किमी दूर लक्ष्य पर सटीक वार, डीआरडीओ ने लंबी दूरी के 'पिनाका' रॉकेट का सफल परीक्षण

ओडिशा के चांदीपुर में उड़ान परीक्षण सफल, भारतीय सेना के मौजूदा पिनाका लॉन्चर से किया गया प्रक्षेपण; रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी बधाई

समाज जागरण नई दिल्ली/चांदीपुर (ओडिशा): भारत ने स्वदेशी रक्षा तकनीक के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए लंबी दूरी के निर्देशित रॉकेट (एलआरजीआर) पिनाका का सफल उड़ान परीक्षण किया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 8 जुलाई, 2026 को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में इस अत्याधुनिक रॉकेट का सफल परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान रॉकेट ने 60 किलोमीटर की न्यूनतम मारक क्षमता के साथ निर्धारित लक्ष्य को पूरी सटीकता से भेदते हुए अपनी क्षमता का सफल प्रदर्शन किया।

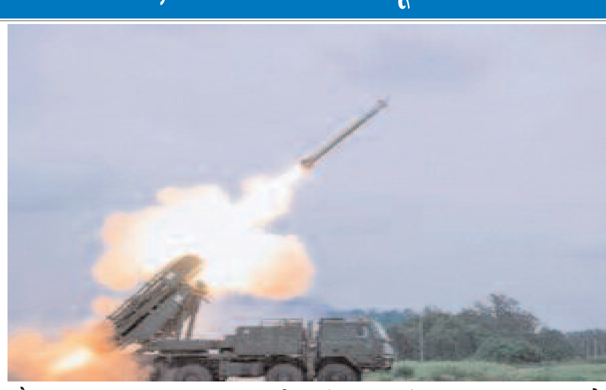

लक्ष्य पर अचूक निशाना

डीआरडीओ के अनुसार, एलआरजीआर पिनाका ने परीक्षण के दौरान तय उड़ान पथ का पूरी सटीकता से पालन किया और निर्धारित लक्ष्य को सफलतापूर्वक नष्ट किया। रेंज में तैनात सभी आधुनिक ट्रैकिंग और निगरानी प्रणालियों ने उड़ान के प्रत्येक चरण की सफलतापूर्वक निगरानी की।

स्वदेशी तकनीक की बड़ी सफलता

लंबी दूरी के निर्देशित पिनाका रॉकेट का डिजाइन और विकास डीआरडीओ की आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (ARDE), पुणे ने उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला के सहयोग से किया है। इसके विकास में रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (DRDL) तथा अनुसंधान केंद्र इमारत (RCI) का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सेना के मौजूदा लॉन्चर से सफल प्रक्षेपण

इस परीक्षण की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि रॉकेट को भारतीय सेना में पहले से सेवा में मौजूद पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर से ही दागा गया। इससे यह साबित हुआ कि सेना बिना किसी बड़े तकनीकी बदलाव के एक ही लॉन्चर से अलग-अलग दूरी तक मार करने वाले पिनाका रॉकेटों का उपयोग कर सकती है।

रक्षा मंत्री ने दी बधाई

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता पर डीआरडीओ, भारतीय सेना और रक्षा उद्योग से जुड़े सभी वैज्ञानिकों एवं इंजीनियरों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि भारत की स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता को और मजबूत करेगी तथा आत्मनिर्भर भारत अभियान को नई गति देगी।

डीआरडीओ अध्यक्ष ने की सराहना

रक्षा सचिव एवं डीआरडीओ के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने परीक्षण की निगरानी की और इस सफलता में योगदान देने वाले सभी वैज्ञानिकों, इंजीनियरों तथा तकनीकी टीमों की सराहना की। उन्होंने इसे भारत की रक्षा अनुसंधान क्षमता के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

समाज जागरण विश्लेषण

एलआरजीआर पिनाका का सफल परीक्षण भारत की स्वदेशी रॉकेट प्रणाली को नई मजबूती देने वाला कदम माना जा रहा है। यह प्रणाली भारतीय सेना की मारक क्षमता, सटीकता और परिचालन लचीलापन बढ़ाएगी। मौजूदा पिनाका लॉन्चर से ही लंबी दूरी के निर्देशित रॉकेट का सफल प्रक्षेपण इस प्रणाली को युद्धक्षेत्र में अधिक प्रभावी और लागत-प्रभावी बनाता है।

भारत-रूस ने आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने पर जताई सहमति

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारत-रूस आतंकवाद निरोधक संयुक्त कार्य समूह की 14वीं बैठक में दोनों देशों ने सीमा पार आतंकवाद, आतंकवाद के वित्तपोषण और नई तकनीकों के आतंकी दुरुपयोग के खिलाफ सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज और रूस के उप विदेश मंत्री दिमित्री ल्यूबिंस्की ने की। दोनों देशों ने आतंकवाद के सभी स्वरूपों की कड़ी निंदा करते हुए संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स, एससीओ और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर समन्वय मजबूत करने का संकल्प दोहराया। साथ ही अगली बैठक रूस में आयोजित करने पर भी सहमति बनी।

E85 पेट्रोल होगा E20 से 20 रुपये सस्ता, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी का बड़ा ऐलान

समाज जागरण

नई दिल्ली। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि सरकार जल्द ही e85 ईंधन को व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि e85 की कीमत e20 पेट्रोल से करीब 20 रुपये प्रति लीटर कम होगी। इसके आधार पर इसकी संभावित कीमत 80 से 85 रुपये प्रति लीटर हो सकती है।

मंत्री ने कहा कि सरकार का दीर्घकालिक लक्ष्य पेट्रोल में 85 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण तक पहुंचना है। हालांकि, e85 का उपयोग केवल फ्लेक्स-फ्यूल इंजन वाली गाड़ियों में ही संभव होगा। फिलहाल यह ईंधन सीमित स्थानों पर उपलब्ध है, लेकिन भविष्य में इसे व्यापक स्तर पर लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है।

देश के ईवी बाजार में यूपी की 18% हिस्सेदारी

योगी सरकार का लक्ष्य- जल्द 30% तक पहुंचे प्रदेश, ईवी सब्सिडी आवेदनों में 241% की रिकॉर्ड बढ़ोतरी

समाज जागरण

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में तेजी से उभर रहा है। प्रदेश की हिस्सेदारी अब देश में बिकने वाले कुल इलेक्ट्रिक वाहनों में 18 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिसे अगले दो वर्षों में 30 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में ईवी सब्सिडी के लिए 47,514 आवेदन स्वीकृत हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 241 प्रतिशत अधिक हैं। अब तक प्रदेश में 86,489 ईवी सब्सिडी आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं, जिनमें 43 हजार से अधिक लाभार्थियों को भुगतान भी किया जा चुका है।

प्रदेश में ईवी को बढ़ावा देने के लिए 2,316 चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं। सरकार एक्सप्रेसवे, प्रमुख शहरों, रेलवे स्टेशन और पर्यटन स्थलों पर पीपीपी मॉडल के तहत नए चार्जिंग स्टेशन विकसित कर रही है।

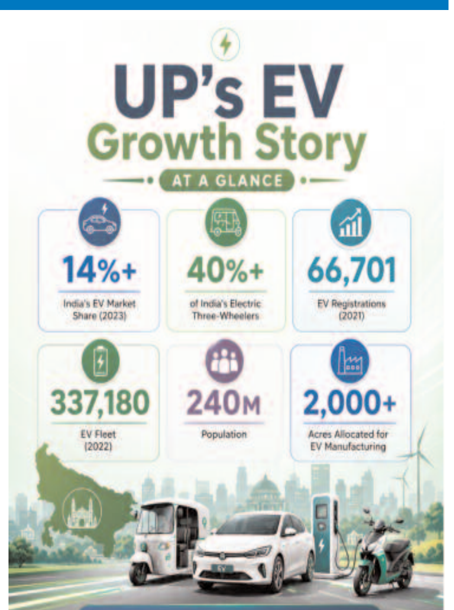

विस्तृत समाचार पृष्ठ-3 पर

राम मंदिर दान राशि मामला: शेयर बाजार तक पहुंची जांच, 30 बैंक खाते फ्रीज

मनी ट्रेल खंगाल रही पुलिस, चोरी की रकम रिश्तेदारों के खातों से निवेश किए जाने का संदेह

समाज जागरण नई दिल्ली/अयोध्या: अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर की दान राशि में कथित गड़बड़ी की जांच अब नए मोड़ पर पहुंच गई है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि कथित रूप से चोरी की गई दान राशि का एक हिस्सा शेयर बाजार और अन्य वित्तीय साधनों में निवेश किया गया। मामले की जांच आगे बढ़ने के साथ ही पुलिस मनी ट्रेल की गहन पड़ताल कर रही है और अब तक आरोपियों से जुड़े करीब 30 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है।

जांच से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ के दौरान एक आरोपी ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि दान राशि का कुछ हिस्सा निवेश के लिए इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि धन किन-किन खातों से होकर गुजरा और किस प्रकार शेयर बाजार या अन्य निवेश माध्यमों तक पहुंचा।

रिश्तेदारों के खातों का इस्तेमाल किए जाने का संदेह

प्रारंभिक जांच में एजेंसियों को संदेह है कि रकम को सीधे निवेश करने के बजाय पहले आरोपियों ने अपने रिश्तेदारों और करीबी लोगों के बैंक खातों में ट्रांसफर किया। इसके बाद अलग-अलग खातों के जरिए निवेश किया गया, ताकि धन के वास्तविक स्रोत को छिपाया जा सके। इसी आधार पर पुलिस ने संबंधित लोगों के करीब 30 बैंक खातों को फ्रीज कर उनके लेनदेन का बारीकी से परीक्षण शुरू किया है।

हर लेनदेन की हो रही जांच

जांच एजेंसियां बैंक खातों के स्टेटमेंट, ऑनलाइन ट्रांजैक्शन, निवेश रिकॉर्ड और अन्य वित्तीय दस्तावेजों की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाया जा रहा है कि कथित दान राशि का कितना हिस्सा निवेश किया गया और उससे किसी प्रकार का आर्थिक लाभ अर्जित किया गया या नहीं।

जांच जारी, आधिकारिक पुष्टि का इंतजार

फिलहाल जांच जारी है और एजेंसियों ने मामले में विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम और धन के प्रवाह की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी। मामले में आगे और लोगों से पूछताछ तथा वित्तीय दस्तावेजों की जांच की संभावना भी जताई जा रही है।

बांकीपुर उपचुनाव: भाजपा के अभेद्य किले में प्रशांत किशोर की अग्निपरीक्षा

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

बिहार की राजनीति में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव अब केवल एक सीट का चुनाव नहीं रह गया है। यह मुकाबला तीन बड़े राजनीतिक संदेशों की लड़ाई बन चुका है। एक तरफ भाजपा अपने तीन दशक पुराने गढ़ को बचाने की चुनौती से जूझ रही है, दूसरी तरफ राष्ट्रीय जनता दल अपने परंपरागत वोट बैंक को एकजुट रखने की कोशिश में है, जबकि जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पहली बार चुनाव मैदान में उतरकर अपनी पूरी राजनीतिक विश्वसनीयता दांव पर लगा चुके हैं। यही वजह है कि राजधानी पटना की यह सीट पूरे बिहार की सबसे चर्चित चुनावी रणभूमि बन गई है। हालिया घटनाक्रम ने मुकाबले को और रोचक बना दिया है।

जन सुराज के वरिष्ठ नेता रितेश रंजन उर्फ बिट्टू सिंह ने पार्टी छोड़कर एनडीए प्रत्याशी के समर्थन का ऐलान कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि प्रशांत किशोर चुनावी रणनीतिकार तो हो सकते हैं, लेकिन राजनीतिक दल चलाने की क्षमता उनमें नहीं दिखती। इसी बीच प्रशांत किशोर ने अपने नामांकन कार्यक्रम में भी बदलाव करते हुए अब 13 जुलाई को नामांकन करने का फैसला किया है। पार्टी अध्यक्ष मनोज भारती ने कार्यकताओं के लिए नया सर्कुलर जारी कर पूरी ताकत के साथ नामांकन कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है। दूसरी ओर राजद ने रेखा गुप्ता को उम्मीदवार बनाया, लेकिन उम्मीदवार घोषित होने के साथ ही पार्टी के भीतर असंतोष खुलकर सामने आने लगा। पहले सांसद सुरेंद्र यादव ने सार्वजनिक रूप से कहा कि वह रेखा गुप्ता को नहीं जानते, फिर वरिष्ठ नेता भाई वीरेंद्र ने भी उम्मीदवार चयन पर सवाल उठा दिए। इतना ही नहीं, तेज प्रताप यादव की जनशक्ति जनता दल ने वीणा मानवी को मैदान में उतारकर महागठबंधन के वोटों में संभावित सेंध का संकेत दे दिया। कांग्रेस भी उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया से असहज दिखाई दे रही है। इन घटनाओं ने विपक्षी एकजुटता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बांकीपुर का चुनावी इतिहास भाजपा के पक्ष में बेहद मजबूत रहा है। वर्तमान स्वरूप में 2010 के परिसीमन के बाद से यह सीट लगातार भाजपा के पास रही है, जबकि यदि पुराने पटना पश्चिम क्षेत्र को जोड़ दिया जाए तो 1995 से यहां भाजपा का दबदबा कायम है। नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा चार बार और उनके पुत्र नितिन नवीन लगातार पांच बार विधायक रहे। 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के नितिन नवीन को 98,299 वोट मिले थे, जबकि राजद की रेखा गुप्ता को लगभग 46 हजार और जन सुराज की उम्मीदवार वंदना कुमारी को केवल 7,717 वोट मिले थे। यानी भाजपा और जन सुराज के बीच करीब 90 हजार वोटों का अंतर था। यही आंकड़ा बताता है कि प्रशांत किशोर के सामने चुनौती कितनी कठिन है। फिर भी प्रशांत किशोर ने सुरक्षित सीट चुनने के बजाय भाजपा के सबसे मजबूत किले में उतरने का फैसला किया। उनका तर्क है कि यह चुनाव केवल जीत-हार का नहीं बल्कि बिहार की राजनीति की दिशा बदलने का प्रयास है। चुनावी रणनीतिकार के रूप में नरेंद्र मोदी से लेकर कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों के लिए रणनीति बनाने वाले प्रशांत किशोर अब पहली बार खुद जनता से वोट मांग रहे हैं। पिछले कई महीनों से उन्होंने बांकीपुर में अलग तरह का चुनाव अभियान तैयार किया है। सुबह पार्कों में युवा टीम लोगों से संवाद करती है, दिन में महिला कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर महंगाई, शिक्षा और सुरक्षा जैसे मुद्दे उठाती हैं, जबकि शाम को नुक्कड़ सभाओं, चौपाल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए भाजपा और राजद दोनों पर हमला बोला जाता है। सोशल मीडिया से लेकर मोहल्ला स्तर तक जन सुराज ने हाईटेक और जमीनी प्रचार का मिश्रित मॉडल तैयार किया है।

लेकिन चुनाव केवल अभियान से नहीं जीते जाते। बांकीपुर का सामाजिक समीकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस विधानसभा क्षेत्र में लगभग चार लाख मतदाता हैं। इनमें कायस्थ मतदाता निर्णायक माने जाते हैं, जिनकी संख्या लगभग 14 प्रतिशत बताई जाती है। भाजपा ने इसी समीकरण को ध्यान में रखते हुए अभिषेक कुमार को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा वैश्य, सवर्ण, शहरी मध्यम वर्ग और भाजपा का पारंपरिक संगठनात्मक नेटवर्क भी इस सीट पर मजबूत माना जाता है। दूसरी ओर मुस्लिम मतदाता लगभग 8 से 10 प्रतिशत माने जाते हैं और उनका बड़ा हिस्सा भाजपा विरोधी मतदान करता रहा है। ऐसे में यदि विपक्ष बंटता है तो मुस्लिम वोटों का बड़ा हिस्सा राजद की ओर जाने की संभावना अधिक मानी जा रही है, क्योंकि राजद लगातार यह नैरेटिव बनाने की कोशिश कर रहा है कि भाजपा को वास्तविक चुनौती वही दे सकता है।

प्रशांत किशोर की सबसे बड़ी उम्मीद युवा मतदाता हैं। पेपर लीक, बेरोजगारी, पलायन, खराब शहरी व्यवस्था, जलजमाव, ट्रैफिक और शिक्षा जैसे मुद्दों को उन्होंने लगातार चुनावी बहस का केंद्र बनाया है। बांकीपुर शहरी सीट है और यहां पढ़े-लिखे तथा नौकरीपेशा मतदाताओं की संख्या ग्रामीण सीटों की तुलना में अधिक है। यही कारण है कि जन सुराज जातीय राजनीति से हटकर 'गुड गवर्नेंस' और शहरी विकास का एजेंडा सामने रख रही है। लेकिन बिहार की चुनावी राजनीति का अनुभव बताता है कि अंतिम समय में जातीय ध्रुवीकरण अक्सर स्थानीय मुद्दों पर भारी पड़ता है।

इस चुनाव में भाजपा की रणनीति भी बदली हुई नजर आ रही है। पार्टी ने केवल उम्मीदवार घोषित कर चुनाव नहीं छोड़ा है, बल्कि संगठन के बड़े नेताओं को बांकीपुर में सक्रिय कर दिया है। नितिन नवीन स्वयं क्षेत्र में लगातार मौजूद हैं और पार्टी बूथ स्तर तक नेटवर्क मजबूत करने में जुटी है। भाजपा इस चुनाव को अपनी संगठनात्मक ताकत और शहरी वोट बैंक की परीक्षा मान रही है। दूसरी तरफ राजद इसे भाजपा के खिलाफ विपक्षी आधार बचाने की लड़ाई के रूप में देख रहा है। जबकि जन सुराज के लिए यह अस्तित्व और भविष्य दोनों का सवाल बन चुका है। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि 2025 के विधानसभा चुनाव में जन सुराज ने 238 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन पार्टी का कुल मत प्रतिशत लगभग 2.44 प्रतिशत ही रहा। ऐसे में प्रशांत किशोर के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि क्या वे कुछ महीनों के भीतर अपने संगठन को इतनी मजबूती दे पाए हैं कि भाजपा और राजद जैसे स्थापित दलों को सीधी चुनौती दे सकें। यदि जन सुराज का वोट शेयर कई गुना बढ़ता है, भले जीत न मिले, तब भी प्रशांत किशोर इसे अपनी राजनीतिक सफलता बताएंगे।

लेकिन यदि प्रदर्शन पिछले चुनाव जैसा रहा तो बिहार की वैकल्पिक राजनीति का उनका दावा गंभीर सवालों के घेरे में आ जाएगा। बांकीपुर उपचुनाव का परिणाम चाहे जो भी हो, इतना तय है कि यह चुनाव केवल एक विधायक चुनने तक सीमित नहीं रहेगा। भाजपा के लिए यह अपने अभेद्य किले की रक्षा की परीक्षा है। राजद के लिए यह विपक्षी नेतृत्व बचाने की चुनौती है। और प्रशांत किशोर के लिए यह रणनीतिकार से जननेता बनने की सबसे कठिन अग्निपरीक्षा है। बिहार की राजनीति में अक्सर कहा जाता है कि चुनाव केवल आंकड़ों से नहीं, माहौल से भी जीते जाते हैं। लेकिन बांकीपुर में इस बार आंकड़े भाजपा के साथ हैं, संगठन भाजपा के साथ है, जबकि माहौल बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी प्रशांत किशोर ने खुद अपने कंधों पर उठा ली है। अब 30 जुलाई का मतदान ही बताएगा कि बांकीपुर की जनता अनुभव, संगठन और परंपरा के साथ जाती है या फिर बदलाव के नए प्रयोग पर भरोसा करती है।

भारतीय वायुसेना की बढ़ती ताकत

महेन्द्र तिवारी

भारतीय वायुसेना को लेकर हाल ही में सामने आई विश्व स्तर की रैंकिंग ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता, संचालन क्षमता, प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और रणनीतिक तैयारी से जीते जाते हैं। वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट यानी WDMMA द्वारा जारी नवीनतम ग्लोबल एयर पावर रैंकिंग में भारत को चीन से ऊपर स्थान दिया गया है। यह उपलब्धि केवल एक रैंकिंग भर नहीं है, बल्कि पिछले कई वर्षों से भारतीय वायुसेना द्वारा किए जा रहे आधुनिकीकरण, बेहतर प्रशिक्षण, तकनीकी उन्नयन और परिचालन क्षमता में निरंतर सुधार की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता भी है। WDMMA ने 103 देशों की 129 सैन्य वायु इकाइयों तथा लगभग 48,082 सैन्य विमानों का अध्ययन करके यह मूल्यांकन तैयार किया है। इसमें केवल विमानों की संख्या नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक युद्ध क्षमता, रखरखाव, उपलब्धता, तकनीकी स्तर, प्रशिक्षण, हथियार प्रणाली, लॉजिस्टिक सहायता और भविष्य की क्षमता जैसे अनेक पहलुओं को शामिल किया गया है।

रैंकिंग में अमेरिका की वायुसेना पहले स्थान पर है और उसके बाद अमेरिकी नौसेना तथा रूस की वायुसेना का स्थान आता है। इसके बाद अमेरिकी सेना और मरीन कॉर्प्स की विमानन शाखाएं हैं। भारतीय वायुसेना छठे स्थान पर है जबकि चीन की वायुसेना सातवें स्थान पर है। पहली नजर में यह परिणाम कई लोगों को चौंकाने वाला लग सकता है क्योंकि चीन के पास भारत की तुलना में कहीं अधिक संख्या में सैन्य विमान हैं। फिर भी भारत को आगे रखा गया है। इसका कारण यह है कि आधुनिक सैन्य मूल्यांकन में केवल संख्या निर्णायक नहीं होती। किसी भी वायुसेना की वास्तविक ताकत इस बात से तय होती है कि वह अपने विमानों का कितनी प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकती है, उसके पायलट कितने प्रशिक्षित हैं, उसकी युद्धक रणनीति कितनी मजबूत है और वह किसी भी संकट की स्थिति में कितनी तेजी से प्रतिक्रिया देने में सक्षम है।

भारतीय वायुसेना की सबसे बड़ी विशेषता उसका व्यापक परिचालन अनुभव है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने अनेक युद्धों, सीमित सैन्य अभियानों, आतंकवाद विरोधी अभियानों तथा मानवीय राहत कार्यों में अपनी वायु शक्ति का सफल उपयोग किया है। चाहे 1971 का युद्ध हो, कारगिल संघर्ष हो या हाल के वर्षों में सीमा पर उत्पन्न तनावपूर्ण परिस्थितियां, भारतीय वायुसेना ने समय पर, सटीक और प्रभावी कार्रवाई करके अपनी क्षमता का परिचय दिया है। इस लंबे अनुभव ने उसे केवल तकनीकी रूप से ही नहीं बल्कि रणनीतिक रूप से भी अधिक परिपक्व बनाया है।

भारत ने पिछले एक दशक में वायुसेना के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। आधुनिक लड़ाकू विमान, लंबी दूरी की मिसाइलें, उन्नत रडार, नेटवर्क आधारित युद्ध प्रणाली, स्वदेशी तकनीकों का बढ़ता उपयोग और निगरानी क्षमता में उल्लेखनीय सुधार ने भारतीय वायुसेना को नई शक्ति प्रदान की है। फ्रांस से प्राप्त राफेल लड़ाकू विमानों ने भारतीय वायुसेना की मारक क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। इनके साथ आधुनिक मिसाइल प्रणालियां और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली भी जुड़ी हुई हैं, जिससे किसी भी संभावित संघर्ष में भारत की प्रतिक्रिया क्षमता पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हुई है। साथ ही तेजस जैसे स्वदेशी लड़ाकू विमान भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारत की भौगोलिक स्थिति भी उसकी वायु रणनीति को विशेष महत्व देती है। एक ओर पाकिस्तान की सीमा है तो दूसरी ओर चीन जैसी बड़ी सैन्य शक्ति। उत्तर में ऊंचे पर्वतीय क्षेत्र, पश्चिम में रेगिस्तान, पूर्वोत्तर के कठिन पर्वतीय इलाके और दक्षिण में विशाल समुद्री क्षेत्र भारतीय वायुसेना के सामने विविध प्रकार की चुनौतियां प्रस्तुत करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में किसी भी वायुसेना को बहुआयामी क्षमता विकसित करनी पड़ती है। भारतीय वायुसेना ने इन सभी परिस्थितियों के अनुरूप प्रशिक्षण और संसाधनों का विकास किया है। यही कारण है कि उसकी परिचालन क्षमता को विश्व स्तर पर सराहा जा रहा है।

चीन के पास विमानों की संख्या अधिक होने के बावजूद भारत का आगे आना यह भी दशार्ता है कि आधुनिक युद्ध में गुणवत्ता का महत्व लगातार बढ़ रहा है। किसी देश के पास हजारों विमान होने से वह स्वतः सबसे शक्तिशाली नहीं बन जाता। यदि उन विमानों का रखरखाव, प्रशिक्षण, तकनीकी उन्नयन और युद्ध के समय उनका समन्वित उपयोग प्रभावी नहीं है तो संख्या का लाभ सीमित हो जाता है। हउद्दटअ का मूल्यांकन इसी व्यापक दृष्टिकोण पर आधारित है। इसी कारण भारतीय वायुसेना को उसके वास्तविक परिचालन प्रदर्शन और समग्र युद्ध क्षमता के आधार पर बेहतर स्थान मिला है।

हालांकि यह उपलब्धि महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत के सामने कई चुनौतियां भी मौजूद हैं। भारतीय वायुसेना लंबे समय से अपने स्वीकृत लड़ाकू स्क्वाड्रनों की संख्या से कम स्क्वाड्रनों के साथ कार्य कर रही है। पुराने लड़ाकू विमानों को चरणबद्ध तरीके से सेवा से हटाया जा रहा है और उनकी जगह नए विमानों की आवश्यकता लगातार बनी हुई है। आने वाले वर्षों में तेजस के नए संस्करण, उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान कार्यक्रम और पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान परियोजना जैसे कार्यक्रमों की सफलता भारत की वायु शक्ति को और अधिक मजबूत बनाएगी।

भविष्य के युद्धों का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। अब केवल लड़ाकू विमान ही निर्णायक नहीं होंगे बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानव रहित विमान, स्वार्म ड्रोन, साइबर युद्ध, अंतरिक्ष आधारित निगरानी, नेटवर्क आधारित कमान प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध जैसी तकनीकें भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। भारत इन क्षेत्रों में भी तेजी से निवेश कर रहा है। रक्षा अनुसंधान संस्थानों और निजी उद्योगों की भागीदारी बढ़ने से देश की रक्षा उत्पादन क्षमता में सुधार हो रहा है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत रक्षा उपकरणों का स्वदेशी निर्माण भविष्य में भारत की सामरिक स्वतंत्रता को और मजबूत करेगा।

भारतीय वायुसेना केवल युद्ध लड़ने वाली संस्था नहीं है। प्राकृतिक आपदाओं, बाढ़, भूकंप, महामारी और अन्य संकटों के समय भी उसने हजारों लोगों की जान बचाई है। राहत सामग्री पहुंचाना, दूरदराज के क्षेत्रों से नागरिकों को निकालना, विदेशों से भारतीयों की सुरक्षित वापसी और मानवीय सहायता पहुंचाना उसके नियमित कार्यों का हिस्सा बन चुका है। इस कारण भारतीय वायुसेना की छवि केवल एक सैन्य शक्ति की नहीं बल्कि राष्ट्रीय सेवा के विश्वसनीय संगठन की भी है।

आज दुनिया में सैन्य शक्ति का अर्थ केवल आक्रमण की क्षमता नहीं बल्कि प्रभावी प्रतिरोध की क्षमता भी है। मजबूत वायुसेना किसी भी देश के लिए सुरक्षा कवच का कार्य करती है। यदि किसी देश की वायु शक्ति सक्षम होती है तो संभावित विरोधी भी आक्रामक कदम उठाने से पहले कई बार सोचने को विवश होता है। भारत की बढ़ती वायु शक्ति इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह क्षेत्रीय स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों को मजबूत करती है।

भारत की उपलब्धि का एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इससे देश के रक्षा उद्योग और वैज्ञानिक समुदाय का मनोबल बढ़ेगा। स्वदेशी तकनीकों के विकास, अनुसंधान और नवाचार को नई गति मिलेगी। इससे रोजगार, औद्योगिक विकास और तकनीकी आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिलेगा। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल सैन्य आवश्यकता नहीं बल्कि आर्थिक और रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी भी वैश्विक रैंकिंग को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। विभिन्न संस्थाएं अलग-अलग मानकों के आधार पर मूल्यांकन करती हैं और उनके निष्कर्ष भी अलग हो सकते हैं। फिर भी यदि किसी प्रतिष्ठित संस्था द्वारा भारत की वायु शक्ति को चीन से बेहतर आंका गया है तो यह भारतीय वायुसेना की पेशेवर क्षमता, अनुशासन, प्रशिक्षण और तकनीकी दक्षता का महत्वपूर्ण संकेत अवश्य है।

यह उपलब्धि संतोष का विषय है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य मानने के बजाय आगे की तैयारी का आधार बनाया जाना चाहिए।

आने वाले वर्षों में भारत को अपने लड़ाकू विमान बेड़े का विस्तार, आधुनिक मिसाइल प्रणालियों का समावेश, स्वदेशी विमान निर्माण, ड्रोन तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली और अंतरिक्ष आधारित सैन्य क्षमताओं पर निरंतर निवेश करना होगा। यदि यह गति बनी रहती है तो भारतीय वायुसेना न केवल एशिया बल्कि विश्व की सबसे प्रभावशाली वायु सेनाओं में और मजबूत स्थान प्राप्त कर सकती है। वर्तमान रैंकिंग यह संदेश देती है कि आधुनिक युद्ध की दुनिया में केवल संसाधनों का आकार नहीं बल्कि उनकी गुणवत्ता, तैयारी, रणनीतिक सोच और निरंतर नवाचार ही किसी राष्ट्र को वास्तविक शक्ति प्रदान करते हैं। भारत ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं और यही उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

शांति के नाम पर निदोर्षों का खून और पानी एक साथ नहीं बहेगा

मृत्युंजय दीक्षित

जम्मू कश्मीर के पहलगाम हमले के जब से भारत ने पाकिस्तान के साथ सिन्धु जल समझौता रद्द किया है तभी से पाकिस्तान लगातर पूरी दुनिया के समक्ष पीड़ित देश होने का नाटक कर रहा है और हाथ पांव मार रहा है कि किसी तरह दबाव में आकर भारत सिंधु जल समझौता बहाल कर दे ।इसके साथ ही उसके पूर्व विदेश मंत्री और पीपीपी नेता विलावल भुटटो भारत को परमाणु युद्ध की धमकियां भी देने लग गए गये है। भारत के कड़े तेवरों के कारण सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान की बैचेनी अब काफी व्यग्र हो उठी है। इस्लामाबाद में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित किया गया जिसमें पाकिस्तानी मंत्रियों और सांसदों ने भारत को धमकी देने का प्रयास किया। पाक उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि सिंधु जलसंधि सिर्फ पानी बांटने का समझौता नहीं अपितु दक्षिण एशिया में शांति, स्थिरता और सहयोग की मजबूत नींव है।

वहीं दूसरी ओर संयुक्तराष्ट्र महासभा की बैठकों में भारत एक माह में ही चार बार पाकिस्तान को आईना दिख चुका है। बिलावल ने धमकी देते हुए बयान दिया कि अगर पाकिस्तान के पानी को रोकने का प्रयास हुआ तो यह पाकिस्तान के अस्तित्व पर हमला माना जाएगा और यह परमाणु प्रतिक्रिया जैसी स्थिति पैदा कर सकता है। आज पाकिस्तान सिंधु जल के लिए तरस रहा है और उसका असर वहां की आम जनजीवन पर दिखलाई भी पड़ने लग गया है । इतना होने पर भी पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज आने को तैयार नहीं है। वह लगातार भारत के विरुद्ध आतंकवादी गतिविधियों को चला रहा है और आतंकियों को संरक्षण दे रहा है।अतः हमारे रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने भी पाकिस्तान को स्पष्ट सन्देश दे दिया है कि अब वह सिंधु जल समझौता पूरी तरह से भूल जाए क्योंकि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता।

निकल पड़े शांतिदूत - इस बीच एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम यह हुआ है कि भारत और पाकिस्तान की तथाकथित 116 बुद्धिजीवी हस्तियों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर शांतिवार्त पुनः शुरू करने की वकालत की है जिसे भारत सरकार ने स्पष्ट रूप से ठुकरा दिया है और एक बार फिर बता दिया है कि अब खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता, नही बह सकता।

सेंटर फार पीस एंड प्रोगेस के अध्यक्ष ओ पी शाह की तरफ से 116 प्रमुख हस्तियों ने हस्ताक्षर किए हैं जिसमें 60भारत व 56 पाकिस्तान से है। अब इन हस्तियो में जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का नाम भी जुड़ गया है ।इस प्रकार ब्याह संख्या 117 हो गई है ।आज भारत की जिन 61 हस्तियों ने इस पत्र में हस्ताक्षर किए हैं उनमें अधिकतर वही लोग शामिल हैं जिन्होंने भारत पर हुए अब तक के किसी भी आतंकवादी हमले की ना तो निंदा की और न पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर की सदा से ही पाकिस्तान के प्रति ही संवेदनाएं रही हैं , उन्हें पाकिस्तान के प्रति प्रेम रहा है ,उनके बयान पाकिस्तानी मीडिया में छाए रहते है। जम्मू कश्मीर से धारा 370 का पटाक्षेप होने के बाद से महबूबा मुफ़्ती सईद और फारुख अब्दुल्ला परिवार पाकिस्तान प्रेम मेंअत्यंत छटपटा रहा है। राजद सांसद मनोज झा जिनकी भारत में कोई राजनैतिक हैसियत नहीं है ऐसे ही पाकिस्तान प्रेमी 61 लोगों की सूची देखने के बाद इन सभी की मंशा एकदम स्पष्ट हो रही है कि ये लोग वास्तव में शांति के नकली नायक बनकर भारतीयों और दुनिया के तमाम लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचना चाह रहे हैं और अपनी उपस्थिति का एहसास बिल्कुल उसी तरह कराना चाह रहे हैं और जिस प्रकार अमेरिका -ईरान युद्ध के दौरान पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर और शाहबाज शरीफ अमेरिकी गुलाम या कठपुतली बनकर या फिर मध्यस्थता बनकर शांति का ढिंढोरा पीट रहा था।

यह अत्यंत दुर्भाग्य की बात है शांति का ढिंढोरा पीटने वाले यह लोग 1970 से लेकर अब पहलगाम तक जितने भी आतंकी हमले हुए उन्हें भूल चुके हैं . भारत ने पाकिस्तान को शांति वार्ता करने के कई अवसर दिए और बारंबार दिए। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी तो बस लेकर पाकिस्तान गए थे उसके बाद भारत को कारगिल का युद्ध लड़ना पड गया.

पाकिस्तान भारत के खिलाफ न केवल आतंकवाद की समस्या ही पैदा कर रहा है अपितु भारत में शांति भंग करने व विकास कार्यों में बाधा पहुँचाने के लिए हर प्रकार की घृणित व विकृत साजिशों को लगातार अंजाम दे रहा है ।बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आ-ईएसआई ही साजिशें रच रही थी।

आज जिन लोगों ने भारत और पाकिस्तान के साथ शांतिवार्ता शुरू करने की जो वकालत की है वे लोग तब कहाँ चले गए थे जब बांग्लादेश में हिंदुओं का कत्ले-आम हो रहा था, हिन्दू बहिन -बेटियों पर क्रूर और शर्मनाक अत्याचार किये जा रहे थे. इन लोगो ने अपना पत्र ऐसे समय में लिखा है जब पाकिस्तान पाक अधिकृत कश्मीर में अपना दमनचक्र चला रहा है . पूरा पीओजेके पाकिस्तान के वर्चस्व से स्वतन्त्र होना चाह रहा है. अतः इन हस्तियो को ऐसे समय में पीओजेके के आंदोलनकारियों के समर्थन में आना चाहिए था और पाकिस्तान से कहना चाहिए था वह पाक अधिकृत कश्मीर को पूरी तरह से स्वतंत्र करें और बलूचिस्तान को भी आजादी दे। किंतु इन लोगोंह्न ने ऐसा कोई मुदद‌ा अपने पत्र में नहीं उठाया है जिससे इन लोगों की मंशा पर संदेह उत्पन्न होना स्वाभाविक ही है। सबसे बडा दुर्भाग्य यह है कि इन लोगों ने अपने पत्र के माध्यम से पुलवामा में 40 जवानों की शहादत से लेकर पहलगाम हमलों की घटना की निंदा तक नहीं की और उसे इतनी आसानी से भूल गए। वास्तविकता यह है कि आज जो लोग पत्र लिख रहे हैं उनके लिए पाकिस्तान से गोश्त आना -जाना बंद हो गया है यह सभी लोग इसीलिए पाकिस्तान से वार्ता की वकालत करने लग गए हैं। इन्हें न भारत देश से कोई प्रेम है और न भारत की जनता से, ये राजनैतिक और आर्थिक स्वार्थ के लिए नाटक कर रहे हैं .

भारत तो हमेशा से ही वार्ता की वकालत करता रहा है और आज भी कर रहा है । वह कई बार हर मंच पर स्पष्ट भी कर चुका है कि अब पाकिस्तान के साथ वार्ता केवल आतंकवाद पर ही होगी बिना किसी मध्यस्थ के होगी और पाकिस्तान को पाक अधिकृत कश्मीर तत्काल प्रभाव से खाली करना ही होगा।

ताजा घटनाक्रम में , भारत के विरुद्ध षड्यंत्रों में शामिल रहने वाला चीन भी अब सिन्धु जल संधि के मुद्दे को लेकर पाकिस्तान के समर्थन में खड़ा होने का प्रयास कर रहा है। देश को अपने वर्त्तमान नेतृत्व, रणनीति कारकों और सेना पर विश्वास रखना चाहिए कि वे इन षड़यंत्रकारी पड़ोसीदेशों के षड़यंत्र को कभी सफल नहीं होने देंगे तथा भारत को एक सशक्त और सबल राष्ट्र के रूप में स्थापित करेंगे ।

पल-पल बदलते निर्णय...!

पल-पल बदलते "फैसलों" का,
कैसा यह संसार,
कभी शांति की बातें होतीं, कभी
छिड़ता संहार।

कभी युद्ध-विराम चर्चा, कभी
धमकियों का शोर,
कभी हाथ मिलाने की बातें,
कभी खुलें नए छोर।

होर्मुज हो या सीमाएँ, सभी पे हैं
छाया धुंधलका,
राजनीति की शतरंज में, उलझे
हर इक पल का।

तेल,सोना या हो शेयर बाजार,
सबकी साँसें थाम,
दो देशों की टकराहट से, काँपे
जग के सारे धाम।

जन-जन चाहे एक ही सपना,
शांति का हो राज,
नफरत की हर आग बुझे, प्रेम
बने सदा आवाज।

सत्ता आए या सत्ता जाए,
इतिहास यहीं बतलाए,
स्थायी केवल शांति होती, जो
मानवता अपनाए।

आओ मिलकर प्रण यह लें, युद्ध
न फिर दोहराएँ,
विकास, प्रेम व भाईचारे से नवद
भविष्य सजाएँ।
(संदर्भ - ट्रम्प के पल-पल
बदलते निर्णय)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार

दैनिक समाज जागरण में खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज में।

ईवी क्रांति की राह पर उत्तर प्रदेश, देश के बाजार में 18% हिस्सेदारी

241% बढ़े सब्सिडी आवेदन, 2,316 चार्जिंग स्टेशन स्थापित; सरकार का लक्ष्य अगले दो वर्षों में 30% हिस्सेदारी हासिल करना

समाज जागरण लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र में देश के सबसे तेजी से आगे बढ़ते राज्यों में शामिल हो गया है। प्रदेश सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं गतिशीलता नीति-2022 के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में ईवी सब्सिडी के लिए 47,514 आवेदन स्वीकृत हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 241 प्रतिशत अधिक हैं।

परिवहन विभाग के अनुसार अब तक 86,489 इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सब्सिडी आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें 43 हजार से अधिक लाभार्थियों को राशि का भुगतान भी किया जा चुका है। सबसे अधिक मांग इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की रही है। अब तक 61,417 इलेक्ट्रिक दोपहिया, 24,959 चारपहिया, 104 ई-गुड्स कैरियर और 9 ई-बसों के लिए आवेदन स्वीकृत किए गए हैं।

देश के ईवी बाजार में 18% हिस्सेदारी

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देशभर में बिकने वाले कुल इलेक्ट्रिक वाहनों में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत हो चुकी है। राज्य सरकार का अनुमान है कि नई 440 करोड़ रुपये की सब्सिडी योजना और चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार से अगले दो वर्षों में यह आंकड़ा 25 से 30 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

सब्सिडी प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन

प्रदेश सरकार ने ईवी सब्सिडी वितरण प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया है। upevsubsidy.in पोर्टल के माध्यम से आवेदन, सत्यापन और भुगतान की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन संचालित की जा रही है। स्वीकृति मिलने के बाद सब्सिडी की राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है। प्रदेश सरकार का मानना है कि सब्सिडी, मजबूत चार्जिंग नेटवर्क और निवेश-अनुकूल नीति के दम पर उत्तर प्रदेश आने वाले वर्षों में देश का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन बाजार बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार

प्रदेश में वर्तमान में 15 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हैं। इनके लिए अब तक 2,316 चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें 540 फास्ट चार्जर और 1,776 स्लो चार्जर शामिल हैं। सरकार यमुना एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे सहित प्रमुख शहरों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और पर्यटन स्थलों पर नए चार्जिंग स्टेशन विकसित कर रही है।

एक नजर में

18% : देश के ईवी बाजार में यूपी की हिस्सेदारी
30% : अगले दो वर्षों का लक्ष्य
241% : सब्सिडी आवेदनों में वृद्धि
86,489 : स्वीकृत सब्सिडी आवेदन
2,316 : स्थापित चार्जिंग स्टेशन
15 लाख+ : प्रदेश में पंजीकृत इलेक्ट्रिक वाहन

निषादराज बोट सब्सिडी योजना के लिए 24 जुलाई तक होंगे ऑनलाइन आवेदन

मत्स्य विभाग ने दोबारा खोला पोर्टल, पात्र मत्स्य पालकों से योजना का लाभ उठाने की अपील

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा, 9 जुलाई। जनपद गौतमबुद्धनगर के मत्स्य पालकों के लिए राहत भरी खबर है। शासन के निर्देश पर मत्स्य विभाग ने निषादराज बोट सब्सिडी योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन पोर्टल एक बार फिर खोल दिया है। अब इच्छुक एवं पात्र मत्स्य पालक 9 जुलाई से 24 जुलाई 2026 तक विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

सहायक निदेशक मत्स्य, गौतमबुद्धनगर ने बताया कि राज्य सेक्टर के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना तथा सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम स्थापना योजना के लिए पूर्व में 8 जून से 28 जून 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे। अब अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने के उद्देश्य से निषादराज बोट सब्सिडी योजना के लिए आवेदन की अवधि बढ़ाई गई है।

उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक मछुआरा समुदाय को आधुनिक नाव उपलब्ध कराने में आर्थिक सहायता प्रदान करना है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो और मत्स्य व्यवसाय को बढ़ावा मिल सके। विभाग का प्रयास है कि कोई भी पात्र मत्स्य पालक योजना के लाभ से वंचित न रहे।

मत्स्य विभाग ने सभी पात्र मत्स्य पालकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है। आवेदन से संबंधित विस्तृत जानकारी विभागीय कार्यालय एवं पोर्टल पर उपलब्ध है।

सहायक निदेशक ने कहा कि समय सीमा समाप्त होने के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा, इसलिए इच्छुक लाभार्थी अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना शीघ्र आवेदन करें।

ओ लेवल और सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए आवेदन की तिथि बढ़ी

समाज जागरण संवाददाता

20 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी नीलिट से मान्यता प्राप्त संस्थाएं, पिछड़ा वर्ग के युवाओं को मिलेगा निःशुल्क प्रशिक्षण

नोएडा, 9 जुलाई। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित ओ लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के तहत आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब इच्छुक संस्थाएं 20 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी लवेश कुमार सिसौदिया ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत सरकार की अधिकृत संस्था नीलिट (राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान) से मान्यता प्राप्त संस्थाओं के माध्यम से अन्य पिछड़ा वर्ग के युवक-युवतियों को ओ लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पहले आवेदन की अंतिम तिथि 10 जुलाई निर्धारित की गई थी, जिसे संशोधित कर अब 20 जुलाई कर दिया गया है, ताकि अधिक से अधिक संस्थाएं योजना में भाग ले सकें।

इच्छुक संस्थाएं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश की वेबसाइट तथा विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर सकती हैं। आवेदन प्रक्रिया, पात्रता, दिशा-निर्देश एवं समय-सारणी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को कंप्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ना है। उन्होंने पात्र संस्थाओं से निर्धारित समय के भीतर आवेदन करने की अपील की है।

स्थानीय समिति के पुनर्गठन के लिए बाह्य सदस्यों से मांगे आवेदन

कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न मामलों की सुनवाई करेगी समिति, 15 दिन में करें आवेदन

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा, 9 जुलाई। महिलाओं के कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की शिकायतों के प्रभावी निस्तारण और सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद गौतमबुद्धनगर में गठित स्थानीय समिति के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन ने समिति में तीन बाह्य सदस्य नामित किए जाने के लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं।

जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर ने बताया कि महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम-2013 के तहत गठित स्थानीय समिति में कम से कम एक महिला सदस्य का होना अनिवार्य है। समिति का उद्देश्य कार्यस्थलों पर महिलाओं की शिकायतों की निष्पक्ष सुनवाई कर उन्हें न्याय दिलाना तथा सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना है।

उन्होंने बताया कि ऐसे सामाजिक कार्यकर्ता आवेदन कर सकते हैं, जिन्हें महिलाओं के सशक्तिकरण एवं विशेष रूप से कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम के क्षेत्र में कम से कम पांच वर्ष का अनुभव हो। इसके अलावा श्रम, रोजगार, सिविल अथवा दांडिक विधि से संबंधित अनुभव रखने वाले पात्र व्यक्ति भी आवेदन के लिए योग्य होंगे। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने अनुभव एवं कार्यों का विस्तृत विवरण निर्धारित आवेदन पत्र के साथ संलग्न कर 15 दिन के भीतर जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय, पुरानी कोर्ट परिसर, फेस-2, नोएडा में जमा करना होगा।

जिला प्रशासन ने कहा है कि समिति के गठन का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना तथा कार्यस्थलों पर सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करना है।

जिला पंचायत गौतमबुद्धनगर को मिला ISO 9001:2015 प्रमाणन

गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली में उत्कृष्ट कार्य के लिए मिली मान्यता, जनसेवाओं की गुणवत्ता होगी और बेहतर

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा, 9 जुलाई। जनपद गौतमबुद्धनगर की जिला पंचायत ने प्रशासनिक गुणवत्ता और पारदर्शी कार्यप्रणाली के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए आईएसओ 9001:2015 (क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम) प्रमाणन प्राप्त किया है। इस उपलब्धि को जिला पंचायत की बेहतर कार्यशैली, जवाबदेही और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण माना जा रहा है।

अपर मुख्य जिला पंचायत अधिकारी प्रियंका चतुर्वेदी ने बताया कि यह प्रमाणन जिला पंचायत द्वारा गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू करने, ग्रामीण विकास योजनाओं के सफल क्रियान्वयन, आधारभूत संरचनाओं के विकास एवं अनुरक्षण, स्थानीय राजस्व प्रबंधन तथा सार्वजनिक परिसंपत्तियों के सुव्यवस्थित संचालन के आधार पर प्रदान किया गया है।

उन्होंने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, समयबद्ध कार्य निष्पादन और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था ने जिला पंचायत को यह सम्मान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि आईएसओ प्रमाणन मिलने से जिला पंचायत की कार्यप्रणाली और अधिक व्यवस्थित होगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों और जनसेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा। इससे नागरिकों को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने में भी सहायता मिलेगी।

जिला पंचायत प्रशासन ने इस उपलब्धि को पूरी टीम की मेहनत का परिणाम बताते हुए कहा कि भविष्य में भी जनहित सर्वोपरि रखते हुए गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य किए जाएंगे, ताकि ग्रामीण विकास के क्षेत्र में गौतमबुद्धनगर नई मिसाल कायम कर सके।

RWA और AOA के साथ जिलाधिकारी की बैठक, जनसुविधाओं को बेहतर बनाने पर मंथन

प्रशासन और नागरिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय, समस्याओं के समयबद्ध समाधान का भरोसा

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा, 9 जुलाई। जनसामान्य को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन एवं अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन की समस्याओं के प्रभावी समाधान के उद्देश्य से गुरुवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन सहित नोएडा और ग्रेटर नोएडा की विभिन्न आरडब्ल्यूए एवं एओए के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यालय, सूरजपुर के कार्यदिवसों के पुनर्निर्धारण, नागरिक सुविधाओं में सुधार, संस्थाओं से जुड़े मामलों के समयबद्ध निस्तारण तथा प्रशासन और नागरिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय जैसे विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

आरडब्ल्यूए और एओए प्रतिनिधियों ने जलापूर्ति, स्वच्छता, सार्वजनिक सुविधाओं, प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सरलता तथा विभिन्न विभागों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने के संबंध में अपने सुझाव जिलाधिकारी के समक्ष रखे। पदाधिकारियों ने जनहित के मुद्दों पर नियमित संवाद बनाए रखने और समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए समन्वय तंत्र को और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

जिलाधिकारी ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि आरडब्ल्यूए और एओए स्थानीय स्तर पर प्रशासन और नागरिकों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करते हैं। स्थानीय समस्याओं की पहचान और उनके समाधान में इन संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि प्रशासन जनसहभागिता की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है और बैठक में प्राप्त सभी सुझावों का नियमानुसार परीक्षण कर जनहित में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिक सुविधाओं से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अरुण कुमार, प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक डीआरडीए नेहा सिंह, नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी तथा फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार भाटी सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जेवर सड़क हादसे में तीन मजदूरों की मौत, स्कॉर्पियो चालक गिरफ्तार

समाज जागरण संवाददाता

जेवर, 9 जुलाई। जेवर थाना क्षेत्र में जेवर-खुर्जा मार्ग पर नीमका गांव के सामने हुए सड़क हादसे में तीन प्रवासी मजदूरों की मौत के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से हादसे में प्रयुक्त स्कॉर्पियो कार भी बरामद कर ली गई है।

पुलिस के अनुसार 8 जुलाई की रात अज्ञात स्कॉर्पियो ने सड़क किनारे पैदल जा रहे करन (22), विश्वजीत (24) और मिथुन (25) निवासी अररिया (बिहार) को टक्कर मार दी थी। तीनों धान की रोपाई के लिए क्षेत्र में आए थे और मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम गठित की गई। गुरुवार को मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर आरोपी दीपांशु निवासी दस्तमपुर, जेवर को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया।

फेस-2 में भीषण सड़क हादसा, दो की मौत, पांच घायल

स्कॉर्पियो की टक्कर से लोडर और बाइक हुई दुर्घटनाग्रस्त

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा, 9 जुलाई। थाना फेस-2 क्षेत्र में गुरुवार को हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सब्जियों से भरे लोडर में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बगल से गुजर रही मोटरसाइकिल भी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में लोडर पर बैठे दीपक (16) निवासी बदायूं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल राजवीर (50) निवासी संभल ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। अन्य घायलों में चालक अशोक कुमार, आकाश, शंकर और बाइक सवार अभिषेक राय शामिल हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। दोनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उद्योगों की समस्याओं के समाधान को लेकर जिलाधिकारी ने की अहम बैठक

बिजली, पानी, सड़क, ड्रेनेज और जीएसटी संबंधी मुद्दों पर विभागों को दिए समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा, 9 जुलाई। जनपद गौतमबुद्धनगर के औद्योगिक विकास और निवेश को गति देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़ी आधारभूत सुविधाओं, निवेश वातावरण तथा उद्यमियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने अनियोजित विद्युत कटौती, जलापूर्ति एवं जल कनेक्शन संबंधी समस्याएं, जलापूर्ति बिलों का निस्तारण, जलभराव, ड्रेनेज व्यवस्था, क्षतिग्रस्त सड़कों के पुनर्निर्माण तथा जीएसटी एवं सीजीएसटी नोटिसों से जुड़ी व्यावहारिक कठिनाइयों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागों के साथ नियमित समन्वय बैठकों की आवश्यकता भी बताई।

जिलाधिकारी ने सभी बिंदुओं पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कहा कि जनपद में उद्योगों के लिए बेहतर और निवेश-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण कर समस्याओं का चिन्हांकन करें और उनके समयबद्ध एवं स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान होने से औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलेगी, निवेश बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सभी लंबित मामलों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अरुण कुमार, प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक डीआरडीए नेहा सिंह, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी, इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित उपाध्याय तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप उद्योगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर गौतमबुद्धनगर को निवेश और औद्योगिक विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

पहली बारिश में डूबा सेक्टर-48 का बी-ब्लॉक, आठ साल से जलनिकासी नहीं

निवासियों ने नोएडा प्राधिकरण पर लगाया लापरवाही का आरोप

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा, 9 जुलाई। मानसून की पहली तेज बारिश ने एक बार फिर नोएडा सेक्टर-48 के बी-ब्लॉक की बदहाल व्यवस्था उजागर कर दी। बारिश के बाद पूरा इलाका जलमग्न हो गया और सड़कें स्विमिंग पूल जैसी नजर आने लगीं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले आठ वर्षों से जलनिकासी की समस्या बनी हुई है। कई बार नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका।

क्षेत्र में नालियों और ड्रेनेज की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी जमीन में रिसने के भरोसे छोड़ दिया जाता है, जिससे लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है।

निवासियों ने प्राधिकरण से जल्द प्रभावी जलनिकासी व्यवस्था विकसित करने की मांग की है।

दादरी में बारिश से मकान का हिस्सा गिरा, बड़ा हादसा टला

समाज जागरण संवाददाता

दादरी, 9 जुलाई। लगातार हो रही बारिश के बीच दादरी थाना क्षेत्र में एक मकान की दीवार और उसका बड़ा हिस्सा भरभराकर गिर गया। देखते ही देखते मकान का हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। राहत की बात यह रही कि घटना के समय मकान के उस हिस्से में कोई मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई।

हालांकि परिवार को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा है। लगातार बारिश के कारण जर्जर भवनों को लेकर लोगों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसे मकानों का सर्वे कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

याकूबपुर में जलभराव से फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

संदीप गर्ग / समाज जागरण

नोएडा, 9 जुलाई। मानसून की पहली ही बारिश ने नोएडा के फेस-2 स्थित याकूबपुर गांव में जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। गांव की गलियां और सड़कें पानी में डूब गईं, जिससे ग्रामीणों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया। जलभराव के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है, वहीं गंदा पानी जमा होने से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी मंडराने लगा है। लगातार बनी इस समस्या से नाराज ग्रामीणों ने नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है। गुरुवार को ग्रामीणों ने गांव में एकत्र होकर जलभराव की समस्या पर गहरा रोष व्यक्त किया। किसान नेता आनंद सरपंच ने आरोप लगाया कि गांव के पानी की निकासी का मुख्य मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो चुका है। नालियों में जमा कूड़ा-करकट और लंबे समय से सफाई न होने के कारण बरसात का पानी गांव से बाहर नहीं निकल पा रहा है, जिससे पूरा याकूबपुर जलमग्न हो गया है। उन्होंने बताया कि गांव के पानी की निकासी का मुख्य रास्ता सेक्टर-83 स्थित होजरी कॉम्प्लेक्स के पास से होकर गुजरता है। आरोप है कि यहां स्थित बी-16, बी-21, बी-22, बी-23, बी-24, बी-25 और बी-26 नंबर की फैक्ट्रियों ने नालियों और नालों के ऊपर अवैध रूप से पक्के रैंप बना लिए हैं। इन रैंपों का उपयोग वाहन पार्किंग के लिए किया जा रहा है, जिसके चलते सफाई कर्मी नालियों की सफाई नहीं कर पा रहे हैं और जल निकासी पूरी तरह बाधित हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि औद्योगिक इकाइयों की लापरवाही और प्राधिकरण की अनदेखी का खामियाजा गांव के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। जगह-जगह घुटनों तक पानी भरा होने से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गंदे पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और डेंगू, मलेरिया तथा अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। किसान नेता आनंद सरपंच ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि नोएडा प्राधिकरण ने शीघ्र मौके का निरीक्षण कर अवैध रैंप नहीं हटाए और जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं कराई, तो ग्रामीण बड़े स्तर पर आंदोलन और प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे।

फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज में बढ़ी डायलिसिस सुविधा, 5 नई मशीनों का लोकार्पण

अब 25 मशीनों से होगा किडनी मरीजों का इलाज, आगरा-दिल्ली जाने से मिलेगी राहत

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। किडनी रोगियों के लिए राहत भरी खबर है। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, फिरोजाबाद में डायलिसिस की सुविधा का विस्तार करते हुए पांच नई अत्याधुनिक मशीनें शुरू की गई हैं। गुरुवार को मेडिकल कॉलेज परिसर स्थित डायलिसिस विभाग में मुख्य अतिथि सदर विधायक मनीष असीजा ने मशीनों का लोकार्पण किया।

मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. (प्रो.) योगेश कुमार गोयल के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार बेहतर किया जा रहा है। नई मशीनों के शामिल होने के बाद डायलिसिस विभाग में कुल मशीनों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है।

मेडिकल कॉलेज प्रशासन के अनुसार, नई मशीनों के लगने से अब अधिक संख्या में किडनी मरीजों को समय पर डायलिसिस की सुविधा मिल सकेगी। गरीब और जरूरतमंद मरीजों को इलाज के लिए आगरा, दिल्ली जैसे बड़े शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। 25 मशीनों की क्षमता से स्थानीय और ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। मेडिकल कॉलेज में मरीजों को निःशुल्क डायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से जिले के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलने की उम्मीद बढ़ी है।

सर्विस रोड में गहरे गड्ढे होने से यातायात रहा बाधित

- आरोंज की पुलिया से लेकर सुभाष तिराहा कट तक रहा जाम
- घंटों की मशक्कत के बाद वाहन चालकों ने दो किलो मीटर की दुरी की तय

समाज जागरण

शिकोहाबाद। गांव आरोंज के समीप एनएचएआई द्वारा बनाए जा रहे अंडर पास के चलते सर्विस रोड से होकर वाहनों को गुजारा जा रहा है। बारिश के चलते सर्विस रोड पर पानी भरने से गड्ढे हो गये हैं। जिससे चालक वाहनों को उससे निकलने में बड़ी सावधानी बरत रहे हैं। इस लिए यहां लंबी लाइन लग गई। सुबह से लेकर देर शाम तक लगे जाम से लोग कराह उठे। वाहनों में बैठी सवारियों का बुरा हाल था। वहीं अपने कार्य से जाने वाले लोग भी जाम फंस कर घंटों लेट हो गए। जाम की समस्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा, लेकिन गड्ढों की बजह से वाहनों की स्पीड तेज नहीं हो सकी। जिसकी बजह से पूरे दिन जाम रह।

अंडर पास निर्माण को लेकर बनाई गई अस्स्थाई सर्विस लेन में पानी भर जाने से गड्ढे हो गये। जिसके चलते एक ट्रक भी खबराब हो गया। जिससे गुरुवार सुबह से ही जाम लग गया। जाम की सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया। इसके बाद दोपहर 12 बजे पुनः जाम लग गया। जिसे बड़े और छोटे वाहनों को लंबी लंबी लाइन शिकोहाबाद से आगरा जाने वाले वाहनों की लग गई। लोग घंटों जाम में फंसने के बाद दो किलो मीटर के सफर को तीन से चार घंटे में पूरा किया। जिससे सवारी वाहनों में बैठी सवारियों को काफी परेशान होना पड़ा। घंटों वाहन में बैठे ही इंतजार करना पड़ा। सर्विस रोड में गड्ढे की बजह से पूरे दिन यातायात और थाना पुलिस जाम को खुलवाने में लगी रही। जल्दी किसी काम से जाने वाले लोग भी इस जाम में फंस कर समय से नहीं पहुंचे। इससे उन्हें काफी समय के साथ अर्थ का भी नुकसान हुआ।

32 वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के प्रोजेक्ट प्रदर्शन के लिए कराएं रजिस्ट्रेशन:- अश्वनी जैन।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। भारत सरकार के उपक्रम राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद श्रीमती मुदिता पाण्डेय के निर्देशन एवं जिला समन्यवक अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में 32 वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस- 2026 के विद्यालय स्तरीय एवं जनपद स्तरीय प्रोजेक्ट प्रदर्शन के कार्यक्रम सम्पन्न किए जाएंगे।

अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन का मुख्य विषय साइंस एंड इनोवेशन फॉर सस्टैंबिलिटी है। इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन में कोई मॉडल नहीं बनना है। इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन में 10 वर्ष से 17 वर्ष तक के बच्चे प्रतिभाग करते हैं। प्रतिभागियों को अपना रजिस्ट्रेशन निर्गत लिंक https://n-csc.in/ भरना होगा। इससे सम्बंधित उपविषय एवं संबंधित परियोजनाओं, विषय से संबंधित यूट्यूब वीडियो आदि सामग्री जनपद के सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य समूह एवं अन्य समूह पर भी प्रेषित की जा चुकी है। उन्होंने जनपद के समस्त विद्यालय के प्रधानाचार्यों से अपील की है कि वे अपने विद्यालय के अधिक से अधिक प्रतिभागियों को इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन में रजिस्ट्रेशन एवं प्रतिभाग कराकर उनकी शोध की प्रवृत्ति में वृद्धि करने में सहयोग करें।

भागवत कथा में बड़ा हादसा: श्रद्धालुओं पर पलटी डीजे लदी डीसीएम, साथ दर्शक गंभीर घायल

समाज जागरण

बबराला थाना क्षेत्र के गांव कैल में भागवत कथा के दौरान गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। रोड किनारे कथा सुन रहे श्रद्धालुओं के पास से गुजर रही तेज रफ्तार डीजे लदी डीसीएम अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में सात दर्शक गंभीर रूप से घायल हो गए।

बबराला थाना क्षेत्र के गांव कैल में गुरुवार को भागवत कथा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। रोड किनारे चल रही श्रीमद्भागवत कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु बैठे हुए थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से गुजर रही डीजे से लदी डीसीएम अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई और कथा स्थल के पास बैठे श्रद्धालुओं की ओर जा गिरी।

हादसे में कथा सुन रही साथ कथा दर्शक गंभीर रूप से घायल हो गईं।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत सातों घायलों को वाहन की मदद से बबराला के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

वही कथा सुन रहे सात कथा जिनमें इमलेश पुत्री ऋषिपाल,खुशबू पुत्री रामस्वरूप, पूजा पुत्री नरेश शर्मा, विमलेश पुत्री रूपकिशोर, प्रियंका पुत्री आसाराम,

प्रियांशु पुत्र रामनाथ सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई. और घटना की जानकारी जुटाई। हादसे के कारण कुछ देर तक मौके पर लोगों की भीड़ लगी रही। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जनपद की सीमा पर भाजपा प्रदेश महामंत्री का भाजपा कार्यकताओं ने किया भव्य स्वागत

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री रामप्रताप सिंह चौहान के जनपद फिरोजाबाद के आगमन पर जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह के नेतृत्व में जगह .जगह भव्य स्वागत किया गया। मण्डल नगला खंगर में प्रथम आगमन पर भाजपा कार्यकताओं ने उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया।

स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व मण्डल अध्यक्ष शिवजीत (बीरु) धाकरे ने किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री उदय प्रताप सिंह, डॉ. अमित गुप्ता जिला प्रवक्ता / मीडिया प्रभारी , जिला उपाध्यक्ष राजीव यादव, जिला उपाध्यक्ष ठा राघवेंद्र सिंह पूर्व चेयरमैन , विपिन शिवहरे , विजय तोमर, डॉ. विश्वनाथ सिंह, अंकुर दुबे, सर्वेश तोमर, बलवीर तोमर, संजय बैस, किशन बैस, दीपू सिकरवार, उमेश बघेल, अर्पित (कुक्कू) राठौर, अखिलेश गौतम, प्रभास पांडेय, सुनील राजावत, अरविंद चौहान, राहुल चौहान, नरेन्द्र सिंह धाकरे, राहुल परिहार, शिवप्रताप बैस, रामकिशन मिश्रा, शेखर धाकरे, सुमित राठौर, माधव शर्मा, उदयवीर बघेल, पिंटू धाकरे, सौरभ धाकरे, बलराम बैस, आलोक कुमार, अमन बघेल, अनमोल कठेरिया, सहित जिला एवं मण्डल पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता तथा सम्मानित क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री रामप्रताप सिंह चौहान का पुष्पमालाओं एवं अंगवस्त्र पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर संगठन की मजबूती, कार्यकर्ता आधारित कार्यशैली एवं आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकताओं के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

महिला फांसी पर झूली, मौत शव पोस्टमार्टम को भेजा

समाज जागरण पबांसा

कैला देवी थाना क्षेत्र के गांव में बुधवार शाम एक महिला ने घर में गमछा से फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंचे बहजोई थाना क्षेत्र के कुंवरपुर गांव निवासी मायके के पक्ष के लोगों ने पुलिस को सूचना दी जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा पोस्टमार्टमको भेज दिया है।

थाना क्षेत्र के लधनपुर गांव निवासी राकेश की 22 वर्षीय पत्नी पुष्पा गुरुवार शाम घर पर थी जबकि परिवार के अन्य सदस्य खेत पर गए हुए थे।जब वह वापस लौटे तो पुष्पा फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। जहां आनन फानन में नीचे उतारा इसके बाद में मायके के पक्ष को लोगों को सूचना दी जहां मौके पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी।सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम को भेज दिया ।एसएसआई रोशन सिंह ने बताया कि महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अभी तहरीर नहीं दी गई है।

मारपीट के मामले में कार्रवाई न होने पर महिला ने एसपी से लगाई गुहार

समाज जागरण

संभल। असमोली थाना क्षेत्र के गांव ओवरी निवासी एक महिला ने मारपीट के मामले में कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक संभल से न्याय की गुहार लगाई है।

गांव ओवरी निवासी अफरोज पत्नी इकरार सलमानी ने एसपी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 7 जुलाई 2026 को उन्होंने असमोली थाने में अपनी सास अमीना पत्नी महबूब, जेठानी शबनम पत्नी इकबाल, दौरानी नाजुक पत्नी जर्रार तथा सलीम पुत्र महबूब निवासी गांव ओवरी के विरुद्ध गाली-गलौज, घर में घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की तहरीर दी थी। आरोप है कि शिकायत के बावजूद पुलिस ने न तो उनका चिकित्सीय परीक्षण कराया और न ही मुकदमा दर्ज किया।

पीड़िता का आरोप है कि पुलिस द्वारा उस पर समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा है। वहीं आरोपी पक्ष लगातार धमकी दे रहा है, जिससे उसे जान-माल का खतरा बना हुआ है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने, कानूनी कार्रवाई करने तथा सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

पहाड़ों में बारिश से गंगा का जलस्तर बढ़ा, खादर क्षेत्र में बाढ़ का खतरा, प्रशासन अलर्ट

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर । पहाड़ों के साथ-साथ मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के चलते गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है। जलीलपुर क्षेत्र में गंगा का बहाव तेज हो गया है, जिससे खादर क्षेत्र के गांवों में बाढ़ की आशंका गहराने लगी है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन सभी बाढ़ चौकियों को अलर्ट कर दिया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

प्रशासन की ओर से खानपुर खादर, बसंतपुर, पाडला, बलिया नंगली में स्थायी बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं, जबकि गांव धींवरपुरा में एक अस्थायी बाढ़ चौकी बनाई गई है। इन चौकियों पर कानूनगो, लेखपाल और अमीन की तैनाती कर दी गई है। नायब तहसीलदार ओमकार सिंह को क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया है, जो लगातार हालात की निगरानी कर रहे हैं।

एसडीएम नितिन तेवतिया ने बताया कि गंगा के जलस्तर पर प्रशासन की लगातार नजर बनी हुई है। यदि जलस्तर में और वृद्धि होती है तो प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने की पूरी तैयारी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि खादर क्षेत्र में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

लगातार बारिश के कारण गंगा नदी दोनों किनारों तक लबालब भरकर समानांतर रूप से बह रही है। नदी के तेज बहाव और बढ़ते जलस्तर ने खादर क्षेत्र के गांव रायपुर खादर, जलालपुर, सीकरी, सलेमपुर, नारनौर सहित कई गांवों के ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि अगले कुछ दिनों तक बारिश जारी रही और पहाड़ों से अधिक पानी छोड़ा गया, तो क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

ग्रामीण करतार सिंह, उदल सिंह, बिंदे सिंह और किशोरी सिंह ने बताया कि इस समय हस्तिनापुर क्षेत्र में तटबंध निर्माण का कार्य चल रहा है। उनका कहना है कि यदि गंगा में पानी का दबाव और बढ़ता है तो जलीलपुर क्षेत्र के खादर के गांवों में बाढ़ का खतरा अधिक हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से समय रहते आवश्यक सुरक्षा और राहत व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

फिलहाल प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और बाढ़ की संभावित स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। वहीं, खादर क्षेत्र के ग्रामीण लगातार गंगा के बढ़ते जलस्तर पर नजर बनाए हुए हैं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन से समय पर सहायता मिलने की उम्मीद कर रहे हैं।

मंडावर-बालावाली मुख्य मार्ग पर सडक का एक हिस्सा टूटे हुए का मरम्मत कार्य शुरू

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर मंडावर। बुधवार की रात को हुई भारी बारिश के कारण मंडावर-बालावाली मुख्य मार्ग पर खीरनी गांव के सामने सड़क का एक हिस्सा टूट गया था। जिससे आवागमन प्रभावित हो गया था,और स्थानीय लोगों तथा वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सड़क के टूटने से दोनों तरफ यातायात बाधित हो गया था। लोग वैकल्पिक रास्तों का उपयोग कर रहे थे, लेकिन मुख्य मार्ग बंद होने से काफी असुविधा हो रही थी। स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि सड़क का निर्माण इतना घटिया है कि साल की पहली ही बारिश में सड़क की यह हालत हो गई। उन्होंने प्रशासन से तत्काल मरम्मत कार्य शुरू करने की मांग की। जब गुरुवार को सोशल मीडिया पर सड़क टूटने की खबर वायरल हुई तो प्रशासन द्वारा जेसीबी बुलाकर टुटी हुई सड़क का मरम्मत कार्य शुरू कराया।

गुलदार ने कटिया को बनाया निवाला :ग्रामीणों में दहशत

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर मंडावर। बुधवार की रात को मंडावर के गांव दयालवाला में एक गुलदार ने राम सिंह पुत्र हीरा सिंह की बंधी हुई कटिया पर हमला कर अपना शिकार बना लिया।

कटिया घर के घेर (बाड़े) में बंधी हुई थी, जिस पर गुलदार ने अचानक हमला कर दिया और उसे मारकर ले गया।

पहले भी हुई घटना इससे मात्र दो-तीन दिन पहले मीरापुर खादर क्षेत्र में भी गुलदार ने एक कुत्ते को अपना शिकार बनाया था। उसकी सूचना वन विभाग को दे दी गई थी।

स्थानीय लोग अब गुलदार के आतंक से काफी चिंतित हैं। ग्रामीण वन विभाग के अधिकारियों से पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने की मांग कर रहे हैं।

तालाब में डुबा व्यक्ति तलाश जारी

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर मडावर। गुरुवार की सुबह दुकान पर सामान लेने जाते समय एक व्यक्ति गांव के ही घर के पास वाले तालाब में किसी कारणवश फिसलने से डुब गया जिसमे ग्रामीणों और परिजनों ने इसकी सूचना मंडावर

पुलिस को दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोर की मदद से व्यक्ति की तलाश में जुट गई। थाना क्षेत्र के गांव गोपालपुर निवासी अशोक कुमार पुत्र शेर सिंह उम्र 48 वर्षीय गुरुवार की सुबह आठ बजे के करीब अपने घर से गांव में ही एक परचून की दुकान से कुछ सामान लेने के लिए जा रहा था। बारिश अधिक होने से गांव के पास तालाब का पानी भी सड़क पर आ गया जिसमें सड़कें भी पानी में डुबी हुईं थी। किसी कारणवश फिसलने से वह डुब गया ग्रामीणों और परिजनों को जब इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने मंडावर पुलिस को सूचना दी मोके पर मंडावर थाना प्रभारी विपिन कुमार पुलिस टीम के साथ वहा पहुंचे ओर स्थानीय गोताखोर की मदद से व्यक्ति की तलाश की जा रही है। वही समाचार लिखे जाने तक पुलिस डुबे व्यक्ति की तलाश में जुटी हुई थी। वही अशोक कुमार बिजनौर तहसील में एक चतुर्थ श्रेणी में कर्मचारी के पद पर कार्यरत हैं और उसके तीन बेटे और एक बेटी है।

गाजियाबाद में ट्रक परिचालक की संदिग्ध मौत, शव ट्रांसपोर्ट कंपनी के बाहर रखकर किया प्रदर्शन

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर शेरकोट गाजियाबाद में ट्रक परिचालक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद बुधवार को शव शेरकोट पहुंचते ही परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा। परिजनों ने ट्रांसपोर्टर पर लापरवाही और घटना की जानकारी समय पर नहीं देने का आरोप लगाते हुए शव को ट्रांसपोर्ट कंपनी के बाहर रखकर प्रदर्शन किया। कई घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। इसके बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

मोहल्ला अचारजान निवासी 45 वर्षीय बिशना सैनी नगर के एक ट्रांसपोर्ट व्यवसायी के यहां ट्रक परिचालक के रूप में कार्यरत थे। परिजनों के अनुसार सोमवार रात वह ट्रक से माल लेकर गाजियाबाद गए थे। मंगलवार शाम उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर परिजन गाजियाबाद पहुंचे, जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद बृहस्पतिवार को शव शेरकोट लाया गया।

शव के नगर पहुंचते ही परिजनों और मोहल्ले के लोगों ने ट्रांसपोर्ट कंपनी के बाहर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप था कि घटना की जानकारी उन्हें कई घंटे बाद दी गई। उनका कहना था कि यदि समय रहते सूचना मिल जाती तो शायद वह मौके पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी ले सकते थे। उन्होंने मौत के कारणों पर भी सवाल उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया। काफी देर तक चली वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने अपने-अपने पक्ष रखे। गणमान्य लोगों के मौजूदगी में दोपहर बाद आपसी सहमति से समझौता हो गया।

समझौते के बाद परिजनों ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया और शव को स्थानीय श्मशान घाट ले जाकर अंतिम संस्कार कर दिया। पूरे घटनाक्रम के दौरान ट्रांसपोर्ट कंपनी के बाहर लोगों की भीड़ लगी रही और पुलिस स्थिति पर नजर बनाए रही।

भारी वर्षा से क्षतिग्रस्त मार्ग पर भारी वाहनों के आवागमन पर रोक, वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील

समाज जागरण बिजनौरब्यूरो : शमीम सिद्दीकी

लगातार हो रही वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुए बालावाली-किरतपुर-नहटौर-चांदपुर-थीना मार्ग के बालावाली-मण्डावर खंड पर भारी वाहनों के आवागमन पर जिला प्रशासन ने अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जनपदवासियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया है।

जिलाधिकारी ने बताया कि लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड, बिजनौर) की रिपोर्ट के अनुसार मार्ग के किमी-6 (ग्राम खिरनी के निकट) लगातार हो रही भारी वर्षा के चलते सड़क के दोनों ओर भूमि स्तर में अंतर होने से वर्षा का पानी सड़क के ऊपर से बह रहा है। इससे सड़क के शोल्डर एवं पेवमेंट सतह का गंभीर कटाव हो गया है, जिसके कारण भारी वाहनों का आवागमन जोखिमपूर्ण हो गया है और दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है।

उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त मार्ग की मरम्मत एवं पुनर्स्थापन का कार्य युद्धस्तर पर कराया जा रहा है।

कार्यालय नगर निगम फिरोजाबाद

पत्रांक : 395 /पी०डब्ल्यू०डी०/ई-निविदा सूचना/2026-27 दिनांक : 09/07/2026

-: ई-निविदा सूचना :-

नगर निगम फिरोजाबाद द्वारा राज्य वित्त आयोग/ निगम निधि/नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (N-CAP) के अन्तर्गत कुल 12 कार्यों हेतु अर्ह ठेकेदारों से उनकी श्रेणी के अनुसार कार्यो की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। आंमत्रित कार्यों हेतु फर्म द्वारा उनकी श्रेणी अनुसार प्रतिभाग किया जायेगा। इन कार्यों की निविदा डबल बिड पद्धति के अन्तर्गत है। ई-निविदा के माध्यम से अधिकृत बेबसाइट www.etender.up.nic.in पोर्टल पर ई-निविदा निम्नांनुसार आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	ई-निविदा संख्या	कार्य की संख्या	विवरण	तिथि व समय
1.	ई-निविदा सूचना (राज्य वित्त आयोग/निगम निधि)	07	ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि / समय ई-निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि / समय तकनीकी निविदा खोले जाने की तिथि/समय	13-07-2026 13-07-2026 24-07-2026 03:00 PM 24-07-2026 04:00 PM
2.	पुनः ई-निविदा सूचना 02/निर्माण/2026-27 (नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (N-CAP)	05		
	कुल	12		

नोटः-शेष नियम व शर्ते www.etender.up.nic.in पोर्टल पर देखी जा सकेगी।

अधिशासी अभियन्ता
नगर निगम, फिरोजाबाद।

आज रटौल में लगेगा आम महोत्सव, 150 वैरायटी के आम होंगे प्रदर्शित

जिलाधिकारी करेंगी उद्घाटन, किसान लगाएंगे स्टाल, देश- विदेश में प्रसिद्ध है रटौल का आम

समाज जागरण

चांदीनगर। रटौल में आज निगार फार्म हाऊस पर भव्य आम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव का उद्घाटन जिलाधिकारी अस्मिता लाल करेंगी। जिला प्रशासन बागपत और नगर पंचायत रटौल के सौजन्य से होने वाले इस महोत्सव में लगभग 150 वैरायटी के आम प्रदर्शित किए जाएंगे। इसमें रटौल आम के साथ-साथ मकसूद, चौसा, गुलाब जामुन, दशहरी, डीगा, नूरजहां, हाथी झूल, लंगड़ा, अंजीर जाना, करेला, जामुन जैसी किस्में शामिल होंगी। नगर पंचायत अध्यक्ष हाजी मुंतजिर ने बताया कि महोत्सव में विधायक योगेश धामा सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। रटौल से आम उत्पादक हबीब खान, इमरान, फैज

महमूद, अब्दुल कलाम सहित करीब 50 किसान अपना स्टाल लगाएंगे। ईओ आस्था पाठक ने बताया कि नगर पंचायत द्वारा किसानों को आमंत्रित किया गया है। जिला उद्यान अधिकारी निधि ने कहा कि रटौल सहित अन्य स्थानों के किसानों को स्टाल लगाने के लिए बुलाया गया है। रटौल का आम देश ही नहीं विदेशों में भी निर्यात किया जाता है और विश्व में अपनी अलग पहचान रखता है। महोत्सव के जरिए किसानों को अपने उत्पाद दिखाने और बाजार उपलब्ध कराने का मंच मिलेगा।

जागौश गांव में यमुना पर बन रही 1600 मीटर लंबी मजबूत ठोकर , 20 दिन में पूरा होने की उम्मीद

जेसीबी, डंपर और सैकड़ों मजदूर जुटे; बारिश से कार्य प्रभावित, किसानों ने समय पर काम पूरा करने की मांग की

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत तहसील क्षेत्र के जागौश गांव में यमुना नदी पर कटान रोकने के लिए पत्थर और जाल से भरी मजबूत ठोकर लगाई जा रही है। सिंचाई विभाग के अनुसार यह 1600 मीटर लंबी ठोकर यमुना किनारे बनाई जाएगी और इसका संपूर्ण कार्य लगभग 20 दिन में पूरा होने की संभावना है। सिंचाई विभाग के अवर अभियंता अनिल कुमार निमेष और बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारी

रजनीश कुमार ने बताया कि ठोकर लगाने का कार्य तेजी से चल रहा है। भारी संख्या में मजदूरों के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली, डंपर और जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं। यमुना की तेज धार से गांव का लगभग 200 वर्ष पुराना टीला कटान की जद में आ गया था, जिसे जेसीबी से मिट्टी भरकर मजबूत किया जा रहा है और उसके ऊपर पत्थर डालकर ठोकर बनाई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बारिश के कारण यमुना में पानी आना शुरू हो गया है, जिससे पिछले 2 दिनों से ठोकर लगाने का कार्य प्रभावित हुआ है। यदि नदी में और पानी आया तो कार्य रुक सकता है। गांव के किसान अनिल मुखिया, सुरेश शर्मा, सत्यदेव शर्मा और ओम दत्त शर्मा ने कहा कि नदी में पानी बढ़ने पर कटान फिर

शुरू हो जाएगा। उन्होंने मांग की कि सिंचाई विभाग के अधिकारी दिन-रात मेहनत कर मजदूरों के साथ मिलकर इस कार्य को जल्द पूरा कराएं, क्योंकि बारिश के कारण अक्सर ठेकेदार काम रोक देते हैं।

वरुण लुहारी हत्याकांड में बड़ा एक्शन टेंट कारोबारी का भाई दीपक अग्रवाल गिरफ्तार, भेजा गया जेल

भाई-भतीजे की हत्या का बदला लेने के आरोप में गिरफ्तारी, विवेचना में मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस की कार्रवाई

समाज जागरण

बड़ौत, संवाददाता। बड़ौत के बहुचर्चित हिस्ट्रीशीटर वरुण लुहारी हत्या कांड में पुलिस ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए टेंट कारोबारी स्वर्गीय सोहनलाल अग्रवाल के भाई दीपक अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने विवेचना के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंशु जैन ने बताया कि 11 जून को प्रमोद कुमार की तहरीर पर बड़ौत कोतवाली में वरुण पुत्र बाबूराम निवासी लुहारी की हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया

था। मामले की जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर नामजद आरोपी दीपक अग्रवाल को गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करते हुए जेल भेज दिया गया।

यह मामला 9 जून को हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड से जुड़ा है। उस दिन हिस्ट्रीशीटर वरुण लुहारी अपने साथियों के साथ टेंट कारोबारी सोहनलाल अग्रवाल की दुकान पर पहुंचा था। वहां हुई ताबड़तोड़ फायरिंग में सोहनलाल अग्रवाल और उनके बेटे विकास अग्रवाल की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस वारदात से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। पुलिस के अनुसार, आरोप है कि पिता-पुत्र की हत्या के बाद भाग रहे वरुण लुहारी को दीपक अग्रवाल ने गोली मार दी, जिससे उसकी भी मौत हो गई। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था, जिसमें घटनाक्रम कैद होने की बात सामने आई थी। घटना के बाद बड़ौत समेत पूरे जनपद में कई दिनों तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा। व्यापारी संगठनों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने पिता-पुत्र की हत्या के विरोध में प्रदर्शन करते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। वहीं, वरुण लुहारी की मौत के मामले में उसके परिजनों ने दीपक अग्रवाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग उठाई थी। इस बीच सोशल मीडिया पर दोनों पक्षों के समर्थन में लगातार पोस्ट और टिप्पणियां वायरल होती रहीं, जिससे माहौल और अधिक गर्मा गया। कुछ आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर भी विवाद पैदा हुआ।

पुलिस पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए रखे हुए थी। अब दीपक अग्रवाल की गिरफ्तारी के साथ इस चर्चित हत्याकांड की जांच में एक और महत्वपूर्ण कार्रवाई सामने आई है।

जलालाबाद को "श्री परशुरामपुरी" घोषित कराने पर बागपत के ब्राह्मण समाज ने केंद्रीय मंत्री जतिन प्रसाद का किया अभिनंदन

खेकड़ा से पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने पटका, पगड़ी, तुलसी माला और फरसा भेंटकर जताया आभार

समाज जागरण

खेकड़ा। जिला शाहजहानपुर के जलालाबाद नगर को "श्री परशु रामपुरी" घोषित कराए जाने पर बागपत जनपद के ब्राह्मण समाज के लोगों ने केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जतिन प्रसाद का अभिनंदन किया।खेकड़ा से ब्राह्मण समाज का एक प्रतिनिधिमंडल मंत्री जी के आवास पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में सर्व खाप चौधरी उमेश शर्मा, थाम्बेदार चौधरी राजेश शर्मा, पूर्व प्राचार्य रविदत्त शर्मा, सोनू शर्मा पहलवान बिजरौल, विश्व ब्राह्मण संघ के राष्ट्रीय महामंत्री सतवीर शर्मा, नगर अध्यक्ष खेकड़ा प्रवीण शर्मा सहित कई पदाधिकारी शामिल थे।प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय

मंत्री जतिन प्रसाद को पटका, पगड़ी, तुलसी माला, प्रतीक चिन्ह फरसा भेंटकर उनके प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रधान सर्व खाप ब्राह्मण समाज खेकड़ा 360 गांव चौधरी उमेश शर्मा ने कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जतिन प्रसाद जी लंबे समय से जलालाबाद को श्री परशुराम पुरी कराने के लिए प्रयासरत थे। जलालाबाद भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम जी का जन्म स्थान है। लोगों की भावनाओं को देखते हुए उनके अथक प्रयासों से अब जलालाबाद का नाम "श्री परशुरामपुरी"

हो गया है। इसके लिए प्रदेश और देश के समस्त सनातन धर्मी उनका आभार व्यक्त करते है। इस अवसर पर पंडित राकेश शर्मा, पंकज शर्मा, शिव नारायण शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

"क्या किसान परिवार को न्याय के लिए जान देनी पड़ेगी?" मलकपुर के पीड़ित परिवार ने रढ से लगाई सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की गुहार

31 मई को हमले में बेटी-बेटे समेत 4 घायल; छेड़छाड़ का विरोध करने पर धमकी, परिवार ने कहा- पहले भी शिकायत की, कार्रवाई नहीं हुई

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत तहसील क्षेत्र के गांव मलकपुर निवासी एक किसान परिवार ने गुरुवार को मीडिया के सामने अपनी पीड़ा रखते हुए न्याय और सुरक्षा की मांग की। परिवार का आरोप है कि वे पिछले कई दिनों से भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हैं। पीड़ित परिवार के अनुसार 31 मई 2026 को गांव के कुछ लोगों ने उन पर सरिया, लाठी और अन्य हथियारों से जानलेवा हमला किया। हमले में परिवार के कई सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। परिवार ने बताया कि बेटी प्रिया और बेटे के सिर में गंभीर चोटें आईं, जबकि शिवानी और मानसी के पैरों में चोट लगी। आरोप है कि हमलावरों ने महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों तक को नहीं बख्शा और हमला जान से मारने की नीयत से किया गया। परिवार का कहना है कि उनकी बेटी के साथ लंबे समय से छेड़छाड़ की जा रही थी। जब बेटे ने विरोध किया तो उसके साथ कई बार मारपीट की गई। इसके बाद लगातार धमकियां मिलीं कि बेटे की हत्या कर दी जाएगी और बेटी को जबरन उठा लिया जाएगा। इन्हीं धमकियों के चलते परिवार ने घर पर सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए, लेकिन फिर भी सुरक्षा का भरोसा नहीं मिल सका। पीड़ितों का आरोप है कि

उन्होंने पहले भी पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। अब परिवार पुलिस अधीक्षक के पास पहुंचा है और मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित धाराएं बढ़ाई जाएं तथा सभी आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान परिवार भावुक हो गया। उन्होंने कहा कि वे किसान हैं, किसी से दुश्मनी नहीं चाहते, सिर्फ परिवार की सुरक्षा और न्याय चाहते हैं। परिवार ने प्रदेश सरकार, पुलिस प्रशासन, मानवाधिकार संगठनों और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अंत में परिवार ने हाथ जोड़कर कहा, *"हम किसी से बदला नहीं चाहते, हमें सिर्फ न्याय चाहिए। हम अपने बच्चों को सुरक्षित देखना चाहते हैं। हमारा अपराध केवल इतना है कि हमने अपनी बेटी की इज्जत बचाने की कोशिश की। यदि आज भी हमें न्याय नहीं मिला, तो हमारा पूरा परिवार हमेशा डर के साये में जीने को मजबूर रहेगा। हमें कानून और प्रशासन पर भरोसा है, इसलिए हम न्याय की गुहार लगा रहे हैं।"*

नजीबाबाद विधानसभा के कई गांवों में खुर्शीद मंसूरी का जनसंपर्क, आजाद समाज पार्टी से जुड़ने का किया आह्वान

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो
शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मुस्सेपुर, जोगीरमपुरा एवं परमावाला में साहनपुर नगर पंचायत के चेयरमैन एवं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के मुरादाबाद मंडल प्रभारी खुर्शीद मंसूरी ने जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने गांवों के जिम्मेदार लोगों एवं ग्रामीणों से मुलाकात कर अधिक से अधिक लोगों से आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के साथ जुड़ने का आह्वान किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए खुर्शीद मंसूरी ने कहा कि आज दलित, मुस्लिम, पिछड़े एवं वंचित समाज की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य नगीना से सांसद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नजीबाबाद विधानसभा विकास के मामले में काफी पिछड़ चुकी है और अब क्षेत्र की जनता बदलाव चाहती

है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता एकजुट होकर आजाद समाज पार्टी को मजबूत करेगी और क्षेत्र के विकास का नया अध्याय शुरू होगा। जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों ने खुर्शीद मंसूरी का स्वागत करते हुए उन्हें अपना पूर्ण समर्थन देने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर जोगीरमपुरा के प्रधान हारून, नाज़िम, अशरफ, ताहिर,

परमावाला से अफजाल, अनवर, ध्यान सिंह, ताहिर मंसूरी, गुलजार, आबिद, मुस्सेपुर से सेक्टर अध्यक्ष जोगराज, विधानसभा महासचिव वीरेंद्र हिमांशु, तरुण गौतम, गौरव चित्रास सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विशेष सचिव दिव्या मित्तल ने विंध्यधाम में किए दर्शन, नए कलेक्ट्रेट निर्माण की समीक्षा

समाज जागरण

मीरजापुर /विशेष सचिव, राजस्व विभाग, उत्तर प्रदेश शासन दिव्या मित्तल ने अपने तीन दिवसीय जनपद भ्रमण के दूसरे दिन विश्वविख्यात मां विंध्यवासिनी धाम,विंध्याचल पहुंचकर विधिवत दर्शन-पूजन किया।

दर्शन-पूजन के उपरांत विशेष सचिव ने कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर वर्तमान कलेक्ट्रेट परिसर एवं चंदईपुर में प्रस्तावित नवीन कलेक्ट्रेट अनावासिय भवन के निर्माण के संबंध में बिंदुवार विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने प्रस्तावित भूमि की उपलब्धता, राजस्व अभिलेखों, पहुंच मार्ग, आधारभूत सुविधाओं, तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं सहित निर्माण कार्य से संबंधित सभी आवश्यक बिंदुओं की विस्तार से जानकारी प्राप्त की। विशेष सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नवीन कलेक्ट्रेट निर्माण की प्रक्रिया को शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्ता के साथ आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि परियोजना से जुड़े सभी आवश्यक अभिलेख एवं औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण करते हुए

कार्ययोजना के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जनपद को आधुनिक सुविधाओं से युक्त नवीन कलेक्ट्रेट भवन उपलब्ध कराया जा सके। बैठक के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों ने वर्तमान कलेक्ट्रेट परिसर की स्थिति तथा चंदईपुर में प्रस्तावित नवीन कलेक्ट्रेट निर्माण से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से प्रस्तुतीकरण देते हुए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई। विशेष सचिव ने विभिन्न पहलुओं पर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते हुए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यों को गति देने पर बल दिया। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 विनोद कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी भू0/रा0 देवेंद्र प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विजेता, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रेड क्रॉस सोसाइटी बागपत करेगी 10 हजार वृक्षों का रोपण, 12 जुलाई से होगा अभियान का शुभारंभ

समाज जागरण

जिलाधिकारी ने महासचिव अभिमन्यु गुप्ता को पौधा भेंट कर दी शुभकामनाएं

बागपत। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा बागपत 10,000 वृक्षारोपण का संकल्प लेकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा अभियान चलाएगी। अभियान के अवसर पर रेड क्रॉस समिति की अध्यक्ष एवं

जिलाधिकारी ने संस्था के महासचिव अभिमन्यु गुप्ता को पौधा भेंट कर अभियान के प्रति अपना समर्थन और शुभकामनाएं व्यक्त की। रेड क्रॉस समिति के कोषाध्यक्ष डॉ. मयंक गोयल ने बताया कि यह वृक्षारोपण अभियान 12 जुलाई 2026 को प्रातः 11:00 बजे वैदिक कन्या डिग्री/इंटर कॉलेज से शुरू होगा। अभियान का शुभारंभ बागपत के एडीएम द्वारा किया जाएगा। समिति का लक्ष्य जिले के विभिन्न स्थानों पर 10 हजार पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाना और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

धर्म परिवर्तन का झूठा आरोप लगाकर नौकरी छुड़वाने व पैतृक संपत्ति हड़पने की साजिश का आरोप

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो
शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

बिजनौर। जनपद के थाना बढ़ापुर क्षेत्र निवासी एक युवक ने अपने ताऊ, ताई और उनके पुत्रों पर पैतृक संपत्ति हड़पने की नीयत से धर्म परिवर्तन का झूठा आरोप लगाकर नौकरी छुड़वाने तथा लगातार उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष जांच कर मुकदमा दर्ज करने और दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित अंश कुमार ने आरोप लगाया कि उसके ताऊ मनोज कुमार, ताई रमा देवी तथा उनके पुत्र गौतम व वंश पैतृक संपत्ति पर कब्जा करना चाहते हैं। इसी उद्देश्य से पहले उसके साथ मारपीट की गई, घर में तोड़फोड़ की गई और लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि बाद में षड्यंत्र के तहत उसके होटल

मालिक पर धर्म परिवर्तन कराने का झूठा आरोप लगाकर शिकायत की गई। पीड़ित का कहना है कि शिकायत के बाद बने दबाव के कारण होटल मालिक ने उसकी नौकरी समाप्त कर दी। युवक के अनुसार उसका होटल मालिक से केवल मालिक-कर्मचारी का संबंध था और धर्म परिवर्तन का लगाया गया आरोप पूरी तरह निराधार है। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि बीती 8 जुलाई की रात उसका ताहेरा भाई वंश कमरे में घुस आया, उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए घर छोड़ने के लिए कहा। युवक ने अपनी सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। हालांकि, दूसरे पक्ष का क्या कहना है, इसकी पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है। मामले में लगाए गए आरोपों की सत्यता पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

"योगी के नेतृत्व में यूपी बना उत्तम प्रदेश, गुंडागर्दी और माफिया खत्म" - शौकेंद्र खोखर

बड़ौत में मीडिया से बोले विश्व हिंदू महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं से संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का आह्वान

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत नगर में बृहस्पतिवार को मेरठ तेजस्वी बिल्डर के डायरेक्टर एवं विश्व हिंदू महासंघ भारत शिक्षक बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शौकेंद्र खोखर बदरखा ने मीडिया से रूबरू होकर संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। शौकेंद्र खोखर ने कहा कि विश्व हिंदू महासंघ भारत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एक महत्वपूर्ण संगठन है जो राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। यह संगठन गांव-गांव में सक्रिय है और कार्यकर्ता प्रदेश के मुख्यमंत्री के बताए मार्ग व दिशा-निर्देशों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परम पूज्य संत एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के संगठन का पूरे भारत में विस्तार हो रहा है। जब से योगी आदित्यनाथ प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हैं तब से उत्तर प्रदेश "उत्तम प्रदेश" बन गया है। उनके नेतृत्व में प्रदेश से गुंडागर्दी समाप्त हुई और माफियाओं पर बुलडोजर की कार्रवाई हुई। आज प्रदेश में बहन-बेटियां सुरक्षित हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि विश्व हिंदू महासंघ के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता एकजुट होकर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों को और अधिक मजबूत करने का कार्य करें।

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन

कृषि मशीनीकरण के माध्यम से उत्पादकता में वृद्धि कृषि यांत्रि कीकरण पर सब-मिशन (एस एमएएम) के माध्यम से पूरे देश में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों तथा सामाजिक रूप से वंचित वर्गों की आधुनिक कृषि मशीनों तक पहुंच सुनिश्चित हो रही है। कृषि मशीनीकरण में क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के लिए विशेषकर पूर्वोत्तर राज्यों के साथ उन राज्यों एवं क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां कृषि यंत्रों का उपयोग अपेक्षाकृत कम है। योजना के शुरू होने से अब तक 9,404.47 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के माध्यम से देशभर के किसानों को 21.61 लाख कृषि मशीनें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। इसके अलावा, 52.5 करोड़ रुपये की सहायता से 40,918 हेक्टेयर क्षेत्र में 40,928 से अधिक ड्रोन प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। इन प्रदर्शनों ने किसानों के बीच आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कृषि यांत्रिकीकरण के माध्यम से खेती को सुदृढ़ बनाना

भारत में कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मशीनीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अंतर्गत फसल उत्पादन के पूरे चक्र में विभिन्न कृषि कार्यों के लिए मशीनों, उपकरणों और आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इनमें भूमि की तैयारी, बुआई, सिंचाई, फसल संरक्षण, कटाई एवं कटाई के बाद के प्रबंधन जैसे सभी प्रमुख कार्य शामिल हैं। कृषि मशीनीकरण से मानव और पशु श्रम पर निर्भरता कम होती है, जिससे कृषि कार्य समय पर, अधिक दक्षता व सटीकता के साथ पूरे किए जा सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप उत्पादन लागत घटती है, श्रम उत्पादकता बढ़ती है, कृषि कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा किसानों की आय और खेती की समग्र उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है। भारत में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 2014-15 में कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) शुरू किया गया। यह राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत केंद्र प्रायोजित एक प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य आधुनिक कृषि मशीनों एवं उपकरणों का लाभ उन किसानों और क्षेत्रों तक पहुंचाना है, जहां कृषि मशीनीकरण का स्तर अभी भी अपेक्षाकृत कम है। इस योजना का विशेष ध्यान छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों, अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) तथा ग्रामीण उद्यमियों पर है।

यह योजना कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) की स्थापना को बढ़ावा देती है। ये ऐसे केंद्र हैं

हर वर्ष जलभराव आखिर किसकी विफलता? एनसीएफ ने अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की उठाई मांग

पहली बारिश में डूबा नोएडा, सड़कों पर जलभराव से जनजीवन प्रभावित; प्राधिकरण की कार्यशैली पर उठे सवाल

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा, 9 जुलाई। मानसून की पहली तेज बारिश ने एक बार फिर नोएडा प्राधिकरण की मानसून पूर्व तैयारियों की पोल खोल दी। शहर की प्रमुख सड़कें, सर्विस रोड, चौराहे, आवासीय सेक्टर और औद्योगिक क्षेत्र जलभराव की चपेट में आ गए। कई स्थानों पर घंटों तक यातायात बाधित रहा, दोपहिया और चारपहिया वाहन पानी में फंस गए, जबकि लोगों को घुटनों तक भरे पानी से होकर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ा। इन हालात को लेकर सामाजिक संस्था नोएडा सिटीजन फोरम (एनसीएफ) ने प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

एनसीएफ की कार्यकारी अध्यक्षा शालिनी सिंह ने शहर के विभिन्न जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर नालियां ओवरफ्लो हो रही थीं, जबकि कुछ जगहों पर खुले नालों में बिजली के तार पड़े मिले, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन नालों की सफाई मानसून शुरू होने से पहले पूरी हो जानी चाहिए थी, वहां बारिश के दौरान ही मशीनों से सफाई कराई जा रही थी, जो प्रशासनिक लापरवाही का स्पष्ट प्रमाण है।

शालिनी सिंह ने कहा कि हर वर्ष नालों की सफाई, सीवेज व्यवस्था और जल निकासी पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन पहली ही बारिश में शहर जलमग्न हो जाता है। इससे साफ है कि कहीं न कहीं कार्यों की गुणवत्ता, निगरानी और जवाबदेही में गंभीर कमी है। केवल ठेकेदारों पर जुमार्ना लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि उन अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, जिनके ऊपर इन कार्यों की निगरानी की जिम्मेदारी थी।

उन्होंने कहा कि नोएडा देश के प्रमुख औद्योगिक और निवेश वाले शहरों में शामिल है, लेकिन हर मानसून में जलभराव की तस्वीरें पूरे प्रदेश की छवि को प्रभावित करती हैं। उद्योगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है और आम नागरिकों को रोजमर्रा की जिंदगी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

एनसीएफ की प्रमुख मांगें

नोएडा सिटीजन फोरम ने विधायक एवं प्राधिकरण से मांग की है कि मानसून पूर्व तैयारियों की विस्तृत रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, जल निकासी और नालों की सफाई करने वाली कंपनियों का विवरण एवं भुगतान सार्वजनिक किया जाए, लापरवाह एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट किया जाए तथा संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में जलभराव रोकने के लिए समयबद्ध और जवाबदेह कार्ययोजना तैयार कर उसे सार्वजनिक करने की भी मांग की गई। शालिनी सिंह ने कहा कि अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि जवाबदेही और प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो नागरिकों का प्रशासन पर विश्वास कमजोर होता जाएगा।

बारिश में मुस्तैद रहा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, जलभराव वाले क्षेत्रों में तैनात रहीं टीमें

सीईओ एनजी रवि कुमार ने खुद संभाली कमान, अधिकारियों को फील्ड में रहकर त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

समाज जागरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा, 9 जुलाई। बुधवार देर रात से गुरुवार सुबह तक हुई मूसलाधार बारिश के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पूरी तरह सक्रिय नजर आया। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एनजी रवि कुमार के निर्देश पर सभी वर्क सर्किलों की टीमें सुबह से ही फील्ड में उतर गईं और जहां-जहां जलभराव की सूचना मिली, वहां तत्काल पंप लगाकर पानी की निकासी कराई गई। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर ड्रेनेज सिस्टम और नालियों की सफाई भी कराई, जिससे यातायात और जनजीवन सामान्य बनाए रखने का प्रयास किया गया।

सीईओ एनजी रवि कुमार ने बारिश की संभावना को देखते हुए पहले ही सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए थे। उन्होंने स्पष्ट किया था कि जलभराव की शिकायत मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई थी। सीईओ के निदेर्शों का असर यह रहा कि सुपरवाइजर से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक सभी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी करते रहे।

अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों का किया निरीक्षण

जलभराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) श्रीलक्ष्मी वी.एस. ने ईकोटेक-2 और आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया, जबकि एसीईओ सुमित यादव ने ईकोटेक-3 तथा 130 मीटर रोड का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके अलावा महाप्रबंधक ए.के. सिंह, उपमहाप्रबंधक विजय कुमार रावल सहित अन्य अधिकारियों ने भी विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर जल निकासी कार्यों की निगरानी की।

विजय कुमार रावल ने बैनेट विश्वविद्यालय, सिरसा गोलचक्कर, ट्रकर्स प्वाइंट और आसपास के इलाकों का निरीक्षण किया। जहां कहीं भी पानी जमा मिला, वहां तत्काल पंप लगाकर निकासी कराई गई और नालियों में आई रुकावटों को दूर कराया गया।

नालों की सफाई का अभियान जारी

प्राधिकरण ने बताया कि जलभराव की समस्या से स्थायी राहत दिलाने के लिए वर्क सर्किल और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमें लगातार नालों और ड्रेनेज सिस्टम की सफाई में जुटी हैं। ग्रामवार निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सफाई अभियान चलाया जा रहा है ताकि बरसात के दौरान जल निकासी व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

हर क्षेत्र से ली गई पल-पल की जानकारी

प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार निम, नागेंद्र सिंह, नरोत्तम सिंह, प्रभात शंकर सहित सभी वर्क सर्किल प्रबंधक, सहायक प्रबंधक और सुपरवाइजर पूरे दिन फील्ड में तैनात रहे। सभी टीमें अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति की नियमित जानकारी कंट्रोल रूम और अधिकारियों को उपलब्ध कराती रहीं, जिससे शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि मानसून के पूरे सीजन में जलभराव की समस्या पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। किसी भी क्षेत्र में पानी जमा होने की सूचना मिलते ही संबंधित टीम मौके पर पहुंचकर तत्काल समाधान करेगी, ताकि नागरिकों को असुविधा का सामना न करना पड़े।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार

दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।

न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

नोएडा में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

Loan112 ऐप के जरिए लोगों को बनाते थे शिकार, फर्जी लोन अप्रूवल लेटर भेजकर खाते में मंगवाते थे रुपये

संदीप गर्ग / समाज जागरण

नोएडा, 9 जुलाई। नोएडा के थाना बिसरख पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए कॉल सेंटर के माध्यम से लोगों को अधिक लोन दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी में प्रयुक्त तीन मोबाइल फोन और एक डायरी (नोटबुक) बरामद की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

थाना बिसरख पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अजनारा ली गार्डन सोसाइटी स्थित एक फ्लैट में संचालित फर्जी कॉल सेंटर पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सागर चौहान (23) निवासी न्याय खंड-1, इंदिरापुरम, गाजियाबाद तथा कुलदीप (25) निवासी ग्राम बरौली, थाना बल्देव, जनपद मथुरा को गिरफ्तार कर लिया।

ऐसे बनाते थे लोगों को शिकार

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पहले उन लोगों का डाटा जुटाते थे, जिन्होंने पहले से किसी लोन ऐप के माध्यम से ऋण लिया होता था। इसके बाद उन्हें फोन कर Loan112 ऐप के जरिए अधिक राशि का लोन दिलाने का लालच दिया जाता था। विश्वास जीतने के लिए पीड़ितों को फर्जी लोन अप्रूवल लेटर भेजे जाते थे।

इसके बाद आरोपियों द्वारा पहले से चल रहे लोन को बंद कराने और नया लोन जारी कराने का झांसा देकर पीड़ितों से लोन की राशि अपने फर्जी बैंक खातों में ट्रांसफर करवा ली जाती थी। रकम मिलने के बाद आरोपी मोबाइल फोन और सिम कार्ड नष्ट कर देते थे, ताकि पुलिस तक उनकी पहचान न पहुंच सके।

फर्जी खाते और सिम उपलब्ध कराने वाला भी रडार पर

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि फर्जी बैंक खाते और सिम कार्ड उपलब्ध कराने वाला एक अन्य व्यक्ति भी इस गिरोह में शामिल है। वह अपनी 20 प्रतिशत कमीशन काटकर बाकी 80 प्रतिशत नकद राशि आरोपियों तक पहुंचाता था। संपर्क के लिए वह केवल व्हाट्सएप कॉल का इस्तेमाल करता था और हर बार अलग-अलग नंबरों से बात करता था, जिससे उसकी पहचान छिपी रहे।

पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है और गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66-डी के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस का कहना है कि बरामद मोबाइल फोन और डायरी की डिजिटल जांच कर ठगी के अन्य मामलों का भी खुलासा किया जाएगा।

बरामदगी

घटना में प्रयुक्त 03 मोबाइल फोन

01 डायरी (नोटबुक)

पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल, लोन ऑफर या फर्जी लोन अप्रूवल संदेश पर विश्वास न करें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी की आशंका होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

मिशन-2027 को लेकर सम्राट मिहिरभोज समाज पार्टी की बैठक, बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने पर जोर

राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी हरेंद्र गुर्जर ने कार्यकताओं का किया आह्वान, 20 जुलाई तक सभी बूथ समितियां गठित करने के निर्देश

समाज जागरण संवाददाता

बरेली, 9 जुलाई। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को लेकर सम्राट मिहिरभोज समाज पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को बरेली जनपद की आंवला विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गैनी में आयोजित की गई। बैठक में जिले भर से बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के मुख्य अतिथि पार्टी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी हरेंद्र गुर्जर (गुरुजी) रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी ओमप्रकाश गुर्जर, मंडल संयोजक बरेली ने की। कार्यक्रम का संचालन ग्राम प्रधान चौधरी सुजेंद्र सिंह गुर्जर ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी हरेंद्र गुर्जर ने कार्यकर्ताओं से मिशन-2027 को सफल बनाने के लिए तन, मन और धन से पार्टी के साथ जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में सफलता का आधार मजबूत बूथ संगठन होता है। इसलिए प्रत्येक बूथ पर सक्रिय कार्यकर्ताओं की 15 सदस्यीय समिति का गठन किया जाए और उसकी सूची पार्टी नेतृत्व को उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने बताया कि बरेली जिले में लगभग 70 प्रतिशत बूथ समितियों का गठन पूरा हो चुका है, जिसके लिए उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। साथ ही निर्देश दिए कि शेष सभी बूथों पर 20 जुलाई तक समितियों का गठन कर उनकी सूची पार्टी कार्यालय में जमा कराई जाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और संगठन की मजबूती के दम पर पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने आंवला विधानसभा से श्रीमती एकता सिंह तोमर, बिथरी चैनपुर से चौधरी देवीराम गुर्जर, बरेली शहर से श्रीमती सुषमा शर्मा तथा भोजीपुरा विधानसभा से चौधरी जगपाल सिंह यादव को पार्टी प्रत्याशी बताते हुए सभी कार्यकर्ताओं से इन उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाकर विधानसभा भेजने का आह्वान किया।

बैठक के दौरान संगठन विस्तार के तहत चौधरी जय इंदर गुर्जर को बरेली जिला अध्यक्ष, श्रीमती प्रीति सक्सेना को महिला मोर्चा का जिला अध्यक्ष तथा श्रीमती हेमा शर्मा को महिला मोर्चा का वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों का कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत किया।

बैठक में चौधरी वीरेंद्र सिंह गुर्जर (रफियाबाद) सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे। अंत में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और मिशन-2027 को सफल बनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया।

हनुमान वेश में कलाकार के डांस पर बढ़ा विवाद, विश्व हिंदू परिषद ने भी उठाए सवाल

वीएचपी नेता ने कार्रवाई की मांग की, विपक्ष पहले ही जता चुका है कड़ा विरोध

समाज जागरण संवाददाता

नई दिल्ली, 9 जुलाई। सोशल मीडिया पर भगवान हनुमान की वेशभूषा में एक कलाकार के भाजपा का झंडा लेकर नृत्य करने का वीडियो वायरल होने के बाद विवाद गहराता जा रहा है। विपक्षी दलों द्वारा इस घटना पर आपत्ति जताए जाने के बाद अब विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के एक पदाधिकारी ने भी इस पर सवाल उठाते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

वायरल वीडियो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के लखनऊ दौरे के दौरान आयोजित रोड शो का बताया जा रहा है। वीडियो में एक कलाकार भगवान हनुमान की वेशभूषा धारण कर भाजपा का झंडा हाथ में लेकर नृत्य करता दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं।

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री अंबरीश ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भगवान के स्वरूप का राजनीतिक कार्यक्रमों में इस प्रकार उपयोग उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में इस प्रकार के आयोजनों में तथाकथित इवेंट मैनेजरों की भूमिका पर भी गंभीरता से विचार किया जाए। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की भावनाओं का सम्मान करना सभी की जिम्मेदारी है।

इससे पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस घटना को लेकर भाजपा से माफी की मांग की थी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह तथा शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे सहित कई विपक्षी नेताओं ने भी इस वीडियो पर आपत्ति जताते हुए इसे धार्मिक भावनाओं से जुड़ा मामला बताया। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस ने भी भाजपा नेतृत्व से सार्वजनिक स्पष्टीकरण और माफी की मांग की है।

जानकारी के अनुसार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ आए थे। एयरपोर्ट से पार्टी कार्यालय तक निकाले गए रोड शो के दौरान एक स्थान पर भगवान हनुमान की वेशभूषा में कलाकार द्वारा स्वागत किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद यह मामला राजनीतिक और सामाजिक बहस का विषय बन गया है।

हालांकि, इस मामले में भाजपा की ओर से इस खबर लिखे जाने तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

टीएमयू के प्रो. राजुल रस्तोगी को 'इमर्जिंग क्लिनिकल लीडर ऑफ द ईयर' अवार्ड

केयरकॉन-2026 में स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार और उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए किया गया सम्मानित, मोरक्को में भी दिया विशेष प्रशिक्षण

समाज जागरण संवाददाता

मुरादाबाद, 9 जुलाई। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी (टीएमयू) के रेडियोडायग्नोसिस विभाग के वरिष्ठ फैकल्टी एवं कॉलेज रिसर्च कमेटी के चेयरमैन प्रो. राजुल रस्तोगी को एक और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान मिला है। नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित केयरकॉन-2026 समारोह में उन्हें 'इमर्जिंग क्लिनिकल लीडर ऑफ द ईयर' अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार, उत्कृष्ट नेतृत्व और आधुनिक चिकित्सा तकनीकों के प्रभावी उपयोग के लिए प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद प्रो. रस्तोगी ने कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, प्रभावी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में एक नई जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में वास्तविक बदलाव केवल नई तकनीकों को अपनाने से नहीं, बल्कि मरीजों तक सेवाएं पहुंचाने की पूरी व्यवस्था को बेहतर बनाने से संभव है।

प्रो. रस्तोगी ने बताया कि पैसिफिक वनहेल्थ ग्रुप द्वारा आयोजित केयरकॉन-2026 केवल एक सम्मेलन नहीं था, बल्कि स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियों के समाधान तलाशने का महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। सम्मेलन में डायग्नोस्टिक्स, हेल्थ टेक्नोलॉजी और स्वास्थ्य नीति से जुड़े विशेषज्ञों एवं निर्णयकताओं के साथ विचार-विमर्श का अवसर मिला, जिससे भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर नई सोच विकसित हुई।

मोरक्को में विशेषज्ञ ट्रेनर के रूप में दी सेवाएं

प्रो. राजुल रस्तोगी ने हाल ही में मोरक्को और फ्रांस के संयुक्त सहयोग से संचालित हॉस्पिटल यूनिवर्सिटेयर इंटरनेशनल शेख खलीफा, कैसाब्लांका (मोरक्को) में ड्यूल-एनर्जी कंप्यूटेड टोमोग्राफी (डीईसीटी) की उन्नत क्लीनिकल एप्लीकेशंस पर आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर विशेषज्ञ ट्रेनर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण भी दिया। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक तकनीकों के साथ मरीजों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। प्रो. रस्तोगी ने कहा कि प्रत्येक लाइव स्कैन में एएलएआरए सिद्धांत का पालन किया गया, ताकि न्यूनतम विकिरण के साथ उच्च गुणवत्ता वाली जांच सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने कहा कि आधुनिक रेडियोलॉजी का मूल उद्देश्य केवल बेहतर तकनीक उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि मरीजों की सुरक्षा के साथ अधिक सटीक और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को ड्यूल-एनर्जी सीटी तकनीक के माध्यम से विभिन्न जटिल रोगों के बेहतर एवं सटीक निदान की आधुनिक विधियों की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

टीएमयू परिवार ने प्रो. राजुल रस्तोगी की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उन्हें बधाई देते हुए भविष्य में भी चिकित्सा एवं शोध के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करने की शुभकामनाएं

सेक्टर-19बी में जलभराव और सीवेज ओवरफ्लो से लोग परेशान

आरडब्ल्यूए ने नोएडा प्राधिकरण से की तत्काल कार्रवाई की मांग 2018 में 2.30 करोड़ रुपये से बदली गई थी सीवेज लाइन, फिर भी हर मानसून में दोहराई जा रही समस्या

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा, 9 जुलाई। नोएडा के सेक्टर-19बी में मानसून की शुरूआत के साथ ही एक बार फिर जलभराव और सीवेज ओवरफ्लो की समस्या सामने आने से स्थानीय निवासियों में नाराजगी बढ़ गई है। क्षेत्र के निवासी एवं सामाजिक कार्यकर्ता अनिल के. गर्ग ने इस संबंध में नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पत्र भेजकर तत्काल हस्तक्षेप और स्थायी समाधान की मांग की है।

शिकायत पत्र में कहा गया है कि सेक्टर-19बी के निवासियों को प्रत्येक वर्ष बरसात के दौरान सड़कों और घरों के परिसरों में जलभराव तथा सीवेज ओवरफ्लो की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ता है। इससे लोगों की दैनिक दिनचर्या प्रभावित होती है और गंदे पानी के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2018 में नोएडा प्राधिकरण ने लगभग 2.30 करोड़ रुपये की लागत से पूरे क्षेत्र की सीवेज लाइन बदली थी। इसके बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ और हर मानसून में वही समस्या दोहराई जा रही है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इससे सीवेज नेटवर्क की तकनीकी खामियों और रखरखाव व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं।

मानसून पूर्व तैयारियों पर उठाए सवाल

अनिल के. गर्ग ने आरोप लगाया है कि मानसून शुरू होने से पहले सीवर लाइन और नालों की समय पर डिसिल्टिंग (गाद सफाई) नहीं कराई गई। साथ ही सीवेज नेटवर्क की नियमित निगरानी और रखरखाव में भी लापरवाही बरती गई, जिसके कारण पहली ही बारिश में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई।

मोटरसाइकिल समेत 8.4 लीटर झारखंड निर्मित शराब के साथ 1 गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद) नबीनगर प्रखंड के माली थाना पुलिस ने गश्त के दौरान ग्राम बेनी से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान विक्रम प्रजापति, पिता परसुराम प्रजापति, ग्राम बरियावां, थाना माली* के रूप में हुई है।पुलिस ने उसके पास से 1 स्पलेंडर प्लस मोटरसाइकिल और 8.4 लीटर झारखंड निर्मित देशी शराब बरामद की है। थानाध्यक्ष दीपक कुमार राय ने बताया कि शराब और बाइक जप्त कर थाना लाया गया है और मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नबीनगर: टंडवा थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कार से 300 लीटर देशी शराब बरामद, तस्कर फरार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर प्रखंड के टंडवा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार से 300 लीटर अवैध देशी शराब बरामद की है। हालांकि पुलिस को देखते ही तस्कर मौके से फरार हो गया।थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब तस्करी की गुप्त सूचना मिलने पर टंडवा थाना क्षेत्र के पिपराडीह गांव के समीप में वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक संदिग्ध कार को रोकने का इशारा किया गया। पुलिस को देखकर कार सवार तस्कर गाड़ी छोड़कर भाग निकला।तलाशी लेने पर कार से 40 पेटी में कुल 300 लीटर देशी टनाका शराब बरामद की गई। पुलिस ने कार और शराब को जब्त कर लिया है। बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत अज्ञात तस्कर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। फरार तस्कर की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शराब तस्करों पर नकेल कसने के लिए आगे भी अभियान जारी रहेगा।

JSSC PGT भर्ती के नाम पर 10 लाख की मांग का आरोप, संदिग्ध व्यक्ति पकड़ाया; भर्ती प्रक्रिया पर फिर उठे सवाल

दैनिक समाज जागरण, संवाददाता

चौका,चांडिलः झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) की PGT सहायक आचार्य भर्ती के दौरान एक कथित ठगी का मामला सामने आने के बाद भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने स्वयं को JSSC से जुड़ा बताते हुए एक अभ्यर्थी से नौकरी दिलाने के एवज में 10 लाख रुपये की मांग की।

बताया जा रहा है कि आरोपी ने अभ्यर्थी को फोन कर दावा किया कि यदि वह निर्धारित रकम देता है तो उसकी नियुक्ति सुनिश्चित कराई जा सकती है। इसके साथ ही उसने मूल शैक्षणिक प्रमाणपत्र और एक चेक भी मांगा तथा बाकी राशि चयन के बाद देने की बात कही।मामले की गंभीरता को देखते हुए अभ्यर्थी ने सतर्कता बरती और आरोपी को दस्तावेज लेने के बहाने मिलने बुलाया। जैसे ही वह तय स्थान पर पहुंचा, स्थानीय लोगों की मदद से उसे पकड़ लिया गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी के पास से कई अन्य अभ्यर्थियों के मूल दस्तावेज भी बरामद होने की बात सामने आई है। इससे आशंका जताई जा रही है कि वह लंबे समय से नौकरी दिलाने का झांसा देकर अभ्यर्थियों को अपने जाल में फंसा रहा था। हालांकि पुलिस ने बरामद दस्तावेजों और आरोपी की भूमिका की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की है। यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब राज्य में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और भर्ती प्रक्रियाओं की निष्पक्षता को लेकर पहले से सवाल उठ रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति आयोग का कर्मचारी बनकर खुलेआम नौकरी दिलाने का दावा कर रहा था, तो इसकी गहन जांच होनी चाहिए।

अब जांच एजेंसियों के सामने कई महत्वपूर्ण सवाल हैं। आरोपी की वास्तविक पहचान क्या है? उसके पास अन्य उम्मीदवारों के मूल प्रमाणपत्र कैसे पहुंचे? क्या वह अकेले काम कर रहा था या किसी बड़े गिरोह का हिस्सा है? यदि उसने खुद को JSSC का कर्मचारी बताया, तो इस दावे की सच्चाई क्या है? फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह केवल ठगी का मामला है या इसके पीछे कोई संगठित नेटवर्क सक्रिय था। इस मामले पर अब राज्य के हजारों प्रतियोगी अभ्यर्थियों की निगाहें टिकी हुई हैं और सभी को जांच रिपोर्ट व प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार है।

पटना के पालीगंज में लोजपा नेता ने किया नव चयनित बीडीओ को सम्मानित

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिला के पालीगंज विधान सभा के लोजपा नेता सुनील यादव ने पालीगंज प्रखण्ड के हेल्हा गांव निवासी चांदनी कुमारी को 70 वीं बीपीएससी प्रतियोगिता परीक्षा पास कर बीडीओ पद के लिए चयनित होने पर सम्मानित किया है।

जानकारी के अनुसार पालीगंज विधानसभा सह प्रखण्ड क्षेत्र के हेल्हा गांव निवासी रंजीत कुमार साव की पुत्री चांदनी कुमारी ने 70 वीं बीपीएससी प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। जिसकी चयन बीडीओ पद के लिए किया गया है। जिसकी सूचना मिलने के बाद ग्रामीणों के बीच खुशी का माहौल है। इसी बीच पालीगंज विधानसभा के लोकप्रिय लोजपा नेता सह पूर्व विधानसभा प्रत्यासी सुनील यादव ने संवाददाता पंकज कुमार के साथ नव चयनित चांदनी कुमारी के आवास पर पहुंचे। जहां अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ प्रदान करने के बाद मिठाई खिलाकर चांदनी कुमारी को सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने चांदनी कुमारी की उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। मौके पर उन्होंने कहा कि मात्र 22 वर्ष छह माह की आयु में चांदनी कुमारी को सफलता प्राप्त करना बहुत खुशी की बात है। साथ ही यह नए वर्ग की युवतियों के लिए भी प्रेरणा की स्त्रोत बनी है।

पटना में लाइनमैन की संदेहास्पद मौत मामले में एसडीओ पर हत्या का केस दर्ज

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के जक्कनपुर थाना क्षेत्र स्थित विद्युत (केटीपीएस) कॉलोनी में बुधवार रात हुई एक तीन वर्षीय बच्चे की मौत और उसके बाद लाइनमैन अनुराग राज की संदेहास्पद मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस दोहरे हादसे के बाद इलाके में भारी तनाव है। बुधवार को विद्युत कॉलोनी में स्कॉर्पियो से धक्का लगने के कारण तीन वर्षीय काव्यांश राज की इलाज के दौरान मौत हो गई। स्कॉर्पियो लाइनमैन अनुराग राज चला रहा था। बच्चे की मौत के बाद स्थिति बिगड़ गई और कुछ ही घंटों के भीतर लाइनमैन अनुराग का शव गार्ड रूम में फंदे से लटका मिला।मृतक लाइनमैन की पत्नी स्नेहा ने बिजली विभाग के एसडीओ अशोक कुमार सिन्हा और उनके सहयोगियों पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों का दावा है कि बच्चे के हादसे के बाद एसडीओ ने अनुराग को गार्ड रूम में बंद कर दिया था। अनुराग ने मौत से ठीक पहले अपने दोस्त को फोन कर अपनी जान को खतरा बताया था। परिजनों के मुताबिक, डायल 112 की टीम के सामने भी दरवाजा नहीं खोला गया और जब दरवाजा तोड़ा गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पत्नी का कहना है कि फंदे में इस्तेमाल की गई गमछी अनुराग की नहीं है और जिस तरह से शव पाया गया, उससे आत्महत्या का सवाल ही नहीं उठता। मृतक के सहकर्मियों ने एसडीओ पर गंभीर शोषण के आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि एसडीओ अनुराग से घर के काम और कार चलाने जैसे काम करवाते थे। नौकरी जाने के डर से अनुराग दवाब में काम करने को मजबूर था। फिलहाल, पुलिस ने एसडीओ और अन्य के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल की एफएसएल (FSL) टीम से भी जांच कराई गई है। सदर डीएसपी रंजन कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट हो पाएगी। उधर, आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने बेऊर थाने के बाहर जमकर प्रदर्शन किया।

हेल्प क्रॉस सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से की शिष्टाचार भेंट

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

रांची स्थित राजभवन में आज हेल्प क्रॉस सोसाइटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड के महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल महोदय को सोसाइटी द्वारा पिछले एक दशक से शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान, आपदा राहत, जरूरतमंदों की सहायता तथा विभिन्न जनकल्याणकारी क्षेत्रों में किए जा रहे सामाजिक कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल महोदय को बताया कि हेल्प क्रॉस सोसाइटी पिछले दस वर्षों से समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सेवा, सहयोग और मानवता के मूल्यों को केंद्र में रखकर निरंतर कार्य कर रही है। संस्था द्वारा समय-समय पर जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराने, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने तथा विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन जैसे कार्य किए जाते रहे हैं।

सोसाइटी के चेयरमैन कुलवंत सिंह बंटी ने राज्यपाल महोदय को जानकारी देते हुए बताया कि हेल्प क्रॉस सोसाइटी रक्तदान के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। संस्था द्वारा नियमित रूप से रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिसके माध्यम से सैकड़ों जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में सहायता मिलती है। इसके अतिरिक्त प्राकृतिक आपदाओं, दुर्घटनाओं और आपात परिस्थितियों के दौरान राहत सामग्री वितरण तथा प्रभावित परिवारों तक सहायता पहुंचाने का कार्य भी संस्था द्वारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाता रहा है।

उन्होंने बताया कि समाज के वंचित, गरीब एवं जरूरतमंद वर्गों की सेवा को संस्था ने अपना मुख्य उद्देश्य बनाया है। हेल्प क्रॉस सोसाइटी बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग के लोगों तक सहायता पहुंचाने का प्रयास करती है और सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने के लिए लगातार नई योजनाओं एवं कार्यक्रमों पर कार्य कर रही है। कुलवंत सिंह बंटी ने आगामी सामाजिक एवं जनहित कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए महामहिम राज्यपाल से मार्गदर्शन एवं सहयोग का अनुरोध भी किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एवं प्रशासन के सहयोग से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और सहायता पहुंचाने के उद्देश्य को और मजबूती प्रदान की जा सकती है। महामहिम राज्यपाल ने हेल्प क्रॉस सोसाइटी द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए समाजसेवा के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी से समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों तक सहायता पहुंचाना अधिक प्रभावी एवं सरल बनता है।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने राज्यपाल महोदय के साथ सामाजिक सरोकारों और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की तथा भविष्य में समाज सेवा के क्षेत्र में और अधिक सक्रिय योगदान देने का संकल्प दोहराया।

कुशल युवा कार्यक्रम संचालकों ने की पूर्व सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात, जल्द समाधान का मिला आश्वासन

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी 'सात निश्चय' योजना के अंतर्गत पिछले एक दशक से युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रहे 'कुशल युवा कार्यक्रम' (KYP) के संचालकों ने अपनी समस्याओं को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार से मुलाकात की है। हाल के दिनों में कार्यक्रम में आए ठहराव, नामांकन प्रक्रिया में देरी और केंद्रों के नवीनीकरण को लेकर संचालकों ने चिंता जताई है। गुरुवार को 'कुशल युवा स्टेकहोल्डर्स, बिहार' के एक प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मुख्यमंत्री के आवास पर उनसे शिष्टाचार भेंट की और अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में प्रभात कुमार सिन्हा, शशि रंजन सिंह, सत्यप्रकाश सिंह, प्रीतम सिंह, समीर, मसूद आलम, राहुल कुमार और विजय कृष्ण सहित विभिन्न जिलों के प्रतिनिधि शामिल थे। बातचीत के दौरान नीतीश कुमार ने संचालकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मामले में जल्द सकारात्मक हस्तक्षेप करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने जानकारी दी कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और विभागीय मंत्री अरुण शंकर प्रसाद से भी मिल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार से कार्यक्रम की निरंतरता सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। साथ ही, संचालकों ने आगामी 15 जुलाई को 'बिहार KYP DA ' मनाने की घोषणा की है। उन्होंने इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का औपचारिक आग्रह भी किया है। पिछले कुछ महीनों से नए नामांकन और केंद्रों के नवीनीकरण में हो रही देरी से संचालक, प्रशिक्षक और विद्यार्थी असमंजस की स्थिति में हैं। संचालकों का कहना है कि KYP के भविष्य को लेकर बनी यह अनिश्चितता न केवल उनके रोजगार, बल्कि हजारों युवाओं के कौशल विकास के लक्ष्य को भी प्रभावित कर रही है। अब सभी की नजरें राज्य सरकार द्वारा लिए जाने वाले आगामी निर्णय पर टिकी हैं।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी से की मुलाकात, टेल्को थाना की प्राथमिकी की निष्पक्ष समीक्षा की उठाई मांग

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर बंद के दौरान टेल्को थाना में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं पर दर्ज प्राथमिकी की निष्पक्ष समीक्षा, निराधार धाराओं को हटाने तथा शहर में बिगड़ती कानून-व्यवस्था के मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को पूर्वी सिंहभूम के वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. एहतेशाम वकारिब से मिला। भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए एक ज्ञापन भी सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने वरीय पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया कि शहर में लगातार बढ़ रहे अपराध, बिगड़ती कानून-व्यवस्था तथा बिष्टुपुर में हुए हिमांशु सिंह हत्याकांड के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने 3 जुलाई को लोकतांत्रिक और पूर्णतः शांतिपूर्ण तरीके से जमशेदपुर बंद का आह्वान किया था। पार्टी नेताओं ने कहा कि इस बंद को शहर के व्यापारियों, आम नागरिकों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ था और शहर के अधिकांश प्रतिष्ठान स्वेच्छा से बंद रहे।

भाजपा नेताओं ने कहा कि बंद का उद्देश्य शहर में बढ़ते अपराधों के खिलाफ जनभावनाओं को लोकतांत्रिक तरीके से अभिव्यक्त करना तथा प्रशासन का ध्यान कानून-व्यवस्था की ओर आकर्षित करना था। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने, कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा नागरिकों के बीच सुरक्षा का माहौल स्थापित करने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि बंद के उपरांत जमशेदपुर अक्षेस के एक पदाधिकारी की शिकायत के आधार पर टेल्को थाना में टेल्को मंडल अध्यक्ष, घोड़ाबांधा मंडल अध्यक्ष, जिला महामंत्री, राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष, पूर्व जिला पदाधिकारी सहित 18 भाजपा नेताओं एवं अन्य अज्ञात कार्यकताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। भाजपा नेताओं का आरोप है कि प्राथमिकी में लगाए गए गंभीर आरोप तथ्यों से परे तथा पूरी तरह निराधार हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि बंद के दौरान ऐसी किसी भी घटना की जानकारी न तो प्रशासनिक स्तर पर सामने आई और न ही किसी मीडिया रिपोर्ट में उसका उल्लेख किया गया। ऐसे में मामले की निष्पक्ष, वस्तुनिष्ठ और तथ्यपरक जांच आवश्यक है, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके और निर्दोष लोगों को अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से राहत मिल सके। मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों तथा संविधान सम्मत शांतिपूर्ण जनआंदोलनों में विश्वास रखने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा तथा शहर में लगातार बढ़ते अपराधों के विरोध में लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना किसी भी नागरिक और राजनीतिक दल का संवैधानिक अधिकार है।

उन्होंने आरोप लगाया कि दुर्भावनावश भाजपा नेताओं एवं कार्यकताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज कर लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन का प्रयास किया गया है। संजीव सिन्हा ने कहा कि भाजपा किसी भी प्रकार की हिंसा, अराजकता अथवा कानून को हाथ में लेने का समर्थन नहीं करती और पार्टी हमेशा लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक दायरे में रहकर जनहित के मुद्दों को उठाती रही है।

उन्होंने मांग की कि टेल्को थाना में दर्ज प्राथमिकी की निष्पक्ष समीक्षा करते हुए निराधार धाराओं को हटाया जाए और निर्दोष लोगों को न्याय प्रदान किया जाए। साथ ही उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वरीय पुलिस अधीक्षक पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर न्यायोचित निर्णय लेंगे। वहीं, वरीय पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मामले की निष्पक्ष समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और तथ्यों के आधार पर उचित निर्णय लिया जाएगा।

एसएसपी से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू, प्रदेश प्रवक्ता अभय सिंह, पोटका की पूर्व विधायक मेनका सरदार, पूर्व प्रत्याशी मीरा मुंडा, पूर्व जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, रामबाबू तिवारी, चंद्रशेखर मिश्रा, बिनोद सिंह, सुधांशु ओझा, जिला पदाधिकारी संजीव सिंह, प्रदीप महतो, बबुआ सिंह, रूबी झा, राजीव सिंह, तन्मय झा, रीना चौधरी, संजीत चौरसिया और प्रेम झा सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अयोध्या श्रीराम मंदिर में कथित वित्तीय अनियमितताओं की न्यायिक जांच की मांग को लेकर जमशेदपुर में झामुमो का प्रदर्शन

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर में गुरुवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर से जुड़े कथित करोड़ों रुपये की चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की न्यायिक जांच की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने साकची से उपायुक्त कार्यालय तक विरोध रैली निकालते हुए मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र जांच की मांग उठाई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता शामिल हुए, जिन्होंने हाथों में बैनर, तख्तियां और पार्टी के झंडे लेकर नारेबाजी की तथा कथित अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की।

प्रदर्शन का नेतृत्व झामुमो नेता बबन राय ने किया। रैली को जनसरोकारों से जोड़ने और आकर्षक स्वरूप देने के उद्देश्य से भगवान श्रीराम, माता सीता और वानर सेना की झांकियां भी शामिल की गईं। इन झांकियों ने राहगीरों और आम नागरिकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने विभिन्न नारों के माध्यम से आरोपों की निष्पक्ष जांच तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

साकची से शुरू हुई रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए उपायुक्त कार्यालय पहुंची। पूरे रास्ते झामुमो कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया। रैली को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क नजर आया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए थे तथा शहर के विभिन्न संवेदनशील स्थलों और प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे और यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो।

उपायुक्त कार्यालय पहुंचने के बाद झामुमो के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अयोध्या के श्रीराम मंदिर से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं और करोड़ों रुपये की चोरी के आरोपों की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराने की मांग की गई। साथ ही यह भी कहा गया कि यदि जांच में किसी प्रकार की वित्तीय गड़बड़ी, अनियमितता या भ्रष्टाचार के तथ्य सामने आते हैं तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

ज्ञापन में कहा गया कि देश के करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था श्रीराम मंदिर से जुड़ी हुई है। ऐसे में यदि किसी प्रकार के वित्तीय अनियमितताओं या भ्रष्टाचार के आरोप सामने आते हैं, तो उनकी निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र जांच होना अत्यंत आवश्यक है। इससे न केवल पूरे मामले की सच्चाई सामने आएगी, बल्कि आम लोगों का विश्वास भी कायम रहेगा और यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसे कानून के दायरे में लाया जा सकेगा।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए झामुमो नेताओं ने कहा कि किसी भी धार्मिक संस्था, ट्रस्ट या सार्वजनिक आस्था से जुड़े संस्थान को पारदर्शिता और जवाबदेही के उच्च मानकों का पालन करना चाहिए। उनका कहना था कि धार्मिक संस्थानों पर लोगों की गहरी आस्था और विश्वास होता है, इसलिए उनसे जुड़े किसी भी वित्तीय मामले की निष्पक्ष जांच लोकतांत्रिक व्यवस्था और जनविश्वास बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

झामुमो नेताओं ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी भी धर्म, धार्मिक संस्था या किसी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को आहत करना नहीं है, बल्कि कथित आरोपों की वास्तविकता सामने लाना है। उनका कहना था कि यदि आरोप निराधार हैं तो जांच के माध्यम से यह स्पष्ट हो जाएगा और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून सभी के लिए समान होना चाहिए और किसी भी मामले में निष्पक्ष जांच लोकतंत्र की मूल भावना है।

प्रदर्शन के दौरान झामुमो के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, विभिन्न प्रकोष्ठों के सदस्य तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता को अपनी बात शांतिपूर्ण तरीके से रखने और जवाबदेही की मांग करने का अधिकार है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति के नाम भेजे गए ज्ञापन पर उचित संज्ञान लिया जाएगा और मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी।

पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे और शांतिपूर्ण माहौल में प्रदर्शन संपन्न हुआ। रैली के समापन के बाद कार्यकर्ता शांतिपूर्वक वापस लौट गए। झामुमो नेताओं ने कहा कि उनकी मांग केवल कथित आरोपों की सच्चाई सामने लाने और सार्वजनिक संस्थाओं में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की है।

पार्टी ने अंत में उम्मीद जताई कि अयोध्या के श्रीराम मंदिर से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की निष्पक्ष और न्यायिक जांच कराई जाएगी, ताकि पूरे मामले की वास्तविकता देश के सामने आ सके और जनता का विश्वास एवं आस्था बनी रहे।

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत लाभुकों के बीच बकरी वितरण

समाज जागरण

ईचागढ़ : कुकड़ू प्रखंड कार्यालय परिसर में गुरूवार को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की ओर से मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत बकरी वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चयनित 14 लाभुकों के बीच बकरी का वितरण किया गया। प्रत्येक यूनिट में 10-10 बकरी प्रदान किए गए, जिससे ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल की गई।

कार्यक्रम प्रखंड प्रशासन की देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर लाभुकों को बकरी पालन से संबंधित आवश्यक जानकारियां भी दी गईं। अधिकारियों ने बतखों की देखभाल, संतुलित पोषण, रोगों से बचाव एवं वैज्ञानिक तरीके से पालन करने की विस्तृत जानकारी साझा की, ताकि लाभुक योजना का समुचित लाभ उठा सकें। प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. हरेलाल महतो ने कहा कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाना, पशुपालन को प्रोत्साहित करना एवं लाभुकों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से लाभुकों को समय-समय पर तकनीकी सहयोग एवं आवश्यक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख प्रतिमा बाला पातर, बीडीओ राजश्री ललिता बाखला, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष कृतिवास महतो सहित कई गणमान्य लोग एवं दर्जनों लाभुक उपस्थित थे।

रथ यात्रा की तैयारियों को लेकर चांडिल में शांति समिति की बैठक, सुरक्षा व मूलभूत सुविधाओं पर जोर

समाज जागरण, संवाददाता

चांडिलः आगामी रथ यात्रा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर चांडिल अनुमंडल कार्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में चांडिल रोड पर नालियों के बहते पानी की समस्या के समाधान, रथ यात्रा के साथ एम्बुलेंस की उपलब्धता, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव तथा पेयजल के लिए पानी के टैंकर की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर सहमति बनी। इसके अलावा स्वच्छता और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से रथ यात्रा के दिन सड़क किनारे अंडा, मांस एवं मछली की बिक्री नहीं करने का निर्णय लिया गया। बैठक में साधु बांध मठिया के स्वामी इंद्रानंद सरस्वती, प्रखंड विकास पदाधिकारी, पुलिस, अग्निशमन, बिजली विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सभी से आपसी सहयोग और सौहार्दपूर्ण वातावरण में रथ यात्रा संपन्न कराने की अपील की।

रास्ते की मांग को लेकर रेलवे स्टेशन पर ग्रामीणों का प्रदर्शन, बच्चों की सुरक्षा का मुद्दा बना बड़ा सवाल

समाज जागरण

फिरोजाबाद। शिकोहाबाद तहसील क्षेत्र के गांव हेंडल किशनपुर नगला भीमसेन के ग्रामीणों ने वर्षों से लंबित रास्ते की मांग को लेकर गुरुवार को शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। महिलाओं, पुरुषों और स्कूली बच्चों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण स्टेशन पहुंचे और रेलवे प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए स्थायी रास्ता उपलब्ध कराने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपकर जल्द समाधान कराने की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव की स्थिति ऐसी है कि एक ओर फरुर्खाबाद रेल मार्ग और दूसरी ओर कानपुर रेल मार्ग होने के कारण गांव का आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। रास्ता बंद होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक संकट स्कूली बच्चों के सामने है, जिन्हें स्कूल आने-जाने के लिए रेलवे ट्रैक पार करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार बच्चे मजबूरी में ट्रेनों के नीचे से निकलकर जान जोखिम में डालते हैं, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि वे कई दिनों से गांव में धरना देकर प्रशासन से रास्ता बनवाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। समस्या का समाधान न होने पर उन्होंने रेलवे स्टेशन पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया।

प्रदर्शन की सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया और स्थिति को शांतिपूर्ण बनाए रखा। इसके बाद ग्रामीण प्रतिनिधिमंडल ने स्टेशन मास्टर राजेश्वर को ज्ञापन सौंपा। स्टेशन मास्टर ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी मांग और ज्ञापन को रेलवे के उच्च अधिकारियों तक भेजा जाएगा, ताकि आवश्यक कार्रवाई कराई जा सके। धरने में शामिल महिलाओं ने कहा कि रास्ता न होने के कारण गांव के बुजुर्ग, महिलाएं और मरीज भी भारी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। वहीं स्कूली बच्चों ने भी जिलाधिकारी से अपील करते हुए सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि उन्हें अपनी जान जोखिम में डालकर रेलवे लाइन पार न करनी पड़े।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उनका कहना है कि यह केवल रास्ते की मांग नहीं, बल्कि गांव के सैकड़ों लोगों और बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है।

जिलाधिकारी की अनोखी पहल- 'जनता दर्शन' में आने वाले हर नागरिक को सौंपा गया 'हरित उपहार'

- समस्या निवारण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम - एक पौधा, एक जीवन- जब तक हम प्रकृति को नहीं सहेजेंगे, हमारा भविष्य सुरक्षित नहीं- जिलाधिकारी।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की संवेदनशीलता और दूरगामी सोच के चलते आज कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम एक बेहद खास और प्रेरणादायक अभियान में बदल गया। अपनी समस्याओं को लेकर दूर-दराज से आए प्रत्येक नागरिक को जिलाधिकारी द्वारा न केवल धैर्यपूर्वक सुना गया, बल्कि उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश देने के साथ-साथ एक अनोखा उपहार भी भेंट किया गया।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में आने वाले प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक एक-एक पौधा (वृक्ष) प्रदान किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जनपद वासियों के भीतर पर्यावरण के प्रति गहरी जागरूकता पैदा करना और उन्हें प्रकृति के महत्व से सीधे जोड़ना है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि ह्यजनता दर्शन में लोग अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर आते हैं, लेकिन आज मैं चाहता हूँ कि हर नागरिक यहाँ से अपने घर खुशहाली और जीवन का एक नया संकल्प लेकर जाए। यह पौधा महज एक उपहार नहीं है, बल्कि एक जिम्मेदारी है।

ह्यआज प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जिस तेजी से बढ़ रहे हैं,

उसे देखते हुए सिर्फ शासन प्रशासन के भरोसे बैठना काफी नहीं है। जब तक हर एक नागरिक पर्यावरण की रक्षा को अपना व्यक्तिगत कर्तव्य नहीं मानेगा, तब तक हम आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ कल नहीं दे पाएंगे। मेरी पूरी जनपद वासियों से अपील है कि इस मानसून सत्र में आप सब कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं, उसकी संतान की तरह देखभाल करें और इस धरती को हरा-भरा बनाने में अपना योगदान दें। जब एक पौधा बड़ा होकर वृक्ष बनेगा, तो वह सिर्फ ऑक्सीजन नहीं देगा, बल्कि आपके आँगन में खुशहाली और आशीर्वाद बनकर लहकेगा।

कलेक्ट्रेट में आए नागरिकों के लिए यह एक बेहद सुखद और विस्मयकारी अनुभव था। अपनी शिकायत लेकर आए ग्रामीणों और शहरी निवासियों ने जब जिलाधिकारी के हाथों में पौधे देखे, तो उनके चेहरों पर एक अलग ही चमक आ गई। सभी नागरिकों ने जिलाधिकारी को आश्वस्त किया कि वे इस पौधे को अपने घर, खेत या आँगन में पूरी श्रद्धा के साथ रोपेंगे और इसके बड़े होने तक इसकी पूरी देखरेख करेंगे। जिलाधिकारी का उददेश्य है कि प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ जन-जन को पर्यावरण संरक्षण की मुहिम से जोड़ना। एक नागरिक, एक पौधा के मंत्र के साथ पूरे जनपद को हरा-भरा बनाना। आने वाली पीढ़ी को शुद्ध हवा, जल और संतुलित पर्यावरण की सौगात देना।

रास्ते की मांग को लेकर रेलवे स्टेशन पर ग्रामीणों का प्रदर्शन, बच्चों की सुरक्षा का मुद्दा बना बड़ा सवाल

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। शिकोहाबाद तहसील क्षेत्र के गांव हेंडल किशनपुर नगला भीमसेन के ग्रामीणों ने वर्षों से लंबित रास्ते की मांग को लेकर गुरुवार को शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। महिलाओं, पुरुषों और स्कूली बच्चों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण स्टेशन पहुंचे और रेलवे प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए स्थायी रास्ता उपलब्ध कराने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपकर जल्द समाधान कराने की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव की स्थिति ऐसी है कि एक ओर फरुर्खाबाद रेल मार्ग और दूसरी ओर कानपुर रेल मार्ग होने के कारण गांव का आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। रास्ता बंद होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक संकट स्कूली बच्चों के सामने है, जिन्हें स्कूल आने-जाने के लिए रेलवे ट्रैक पार करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार बच्चे मजबूरी में ट्रेनों के नीचे से निकलकर जान जोखिम में डालते हैं, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि वे कई दिनों से गांव में धरना देकर प्रशासन से रास्ता बनवाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। समस्या का समाधान न होने पर उन्होंने रेलवे स्टेशन पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया।

प्रदर्शन की सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया और स्थिति को शांतिपूर्ण बनाए रखा। इसके बाद ग्रामीण प्रतिनिधिमंडल ने स्टेशन मास्टर राजेश्वर को ज्ञापन सौंपा। स्टेशन मास्टर ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी मांग और ज्ञापन को रेलवे के उच्च अधिकारियों तक भेजा जाएगा, ताकि आवश्यक कार्रवाई कराई जा सके। धरने में शामिल महिलाओं ने कहा कि रास्ता न होने के कारण गांव के बुजुर्ग, महिलाएं और मरीज भी भारी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। वहीं स्कूली बच्चों ने भी जिलाधिकारी से अपील करते हुए सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि उन्हें अपनी जान जोखिम में डालकर रेलवे लाइन पार न करनी पड़े।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उनका कहना है कि यह केवल रास्ते की मांग नहीं, बल्कि गांव के सैकड़ों लोगों और बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है।

एनडीआरएफ ने गंगा में डूब रहे युवक को बचाया

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। गंगा नदी के दांडी घाट पर पिकेट और पेट्रोलिंग ड्यूटी के दौरान 11वीं वाहिनी एनडीआरएफ की टीम ने आज प्रातः लगभग 07:30 बजे एक व्यक्ति को स्नान करते समय गहरे पानी में डूबते हुए देखा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए निकट तैनात एनडीआरएफ के बचावकर्मी तत्काल सक्रिय हुए और बिना समय गंवाए नदी में छलांग लगाकर बचाव अभियान प्रारंभ किया। एनडीआरएफ टीम ने बचावकर्मी ने तेजी और तत्परता से व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालकर नदी तट पर पहुंचाया। बचाए गए व्यक्ति की पहचान रिशुराज (20 वर्ष), पुत्र सतीश कुमार पटेल, निवासी नालंदा, बिहार के रूप में हुई। समय रहते किए गए इस त्वरित बचाव अभियान के कारण युवक की जान बचाई जा सकी। एनडीआरएफ द्वारा किए गए इस साहसिक बचाव कार्य को वाराही घाट सहित आसपास के अन्य घाटों पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रत्यक्ष रूप से देखा तथा बचाव दल की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस सफल रेस्क्यू ने एक बार फिर एनडीआरएफ की तत्परता, दक्षता एवं जनसेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

इस घटना पर एनडीआरएफ के उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने आमजन से अपील की कि वे नदियों एवं अन्य जलाशयों में स्नान अथवा अन्य गतिविधियों के दौरान जल सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। उन्होंने लोगों से गहरे पानी में जाने से बचने, चेतावनी संकेतों पर ध्यान देने तथा तैनात सुरक्षा कर्मियों के निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता एवं सतर्कता ही डूबने की घटनाओं को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है। विशेष रूप से मानसून के दौरान जलधाराओं का वेग एवं जलस्तर अप्रत्याशित रूप से बढ़ सकता है, इसलिए अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

हरहुआ ब्लाक के अमृत सरोवरों पर 580 बनारसी लंगड़ा आम के पौधे लगाए गए

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। विकास खण्ड के 25 ग्रामपंचायतों में स्थित 29 अमृत सरोवरों ,तालाब के किनारे पर बनारसी लंगड़ा आम के कुल 580 पौधे ब्लॉक कार्यालय से सचिवों ,प्रधानों के माध्यम से सम्बंधित गांवों में भेजकर अभियान के तहत लगाए गए।

बीडीओ छोटे लाल तिवारी व सहायक विकास अधिकारी पंचायत कमलेश कुमार सिंह ने अवगत कराया कि चयनित 29 सरोवरों पर 20-20 बनारसी लंगड़ा आम के पौधे सचिवों को दिए गए जो सरोवर पर लगा दिए गए। ब्लाक के उदयपुर ,अटेसुआ ,औसानपुर, गुरवट,कोईराजपुर ,मुर्दहा , राजापुर,औरा ,बेलवरिया , सुतबलपुर, मोहनपुर ,वीरापट्टी, प्रतापपट्टी सहित 25 ग्राम पंचायतों में आम के पौधे लगाए गए। पौधरोपण के दौरान हल्की बरसात हो जाने से पौधे जल्द ही पकड़ लेंगे। इन पौधों के देखरेख के लिए विशेष निगरानी रखी जायेगी।

चार दिन से लापता मासूम सिद्धार्थ का खेत में मिला क्षत-विक्षत शव

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर
समाज जागरण

गाजीपुर जनपद के भांवरकोल थाना क्षेत्र के गोड़ी खास गांव में चार वर्षीय मासूम सिद्धार्थ की दर्दनाक मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। सोमवार को घर के बाहर खेलते समय रहस्यमय ढंग से लापता हुए मासूम का शव गुरुवार सुबह घर से महज 40-45 मीटर दूर चरी के खेत में क्षत-विक्षत अवस्था में बरामद हुआ। शव काफी हद तक सड़ चुका था, जिससे आसपास के क्षेत्र में तेज दुर्गंध फैल रही थी। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे गांव में मातम और सनसनी का माहौल है।

परिजनों के अनुसार सोमवार को सिद्धार्थ घर के बाहर खेल रहा था, तभी वह अचानक लापता हो गया। देर शाम पिता जामवंत कुशवाहा ने भांवरकोल थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस, ग्रामीण और परिजन लगातार बच्चे की तलाश में जुटे रहे, लेकिन तीन दिनों तक कोई सुराग नहीं मिला। गुरुवार सुबह खेत की ओर गई महिलाओं को चरी के खेत से तेज दुर्गंध महसूस हुई। पास जाकर देखा तो एक बच्चे का क्षत-विक्षत शव पड़ा था। सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। पहचान होने पर शव सिद्धार्थ का निकला। मासूम का शव देखकर परिजनों की चीख-पुकार से पूरा गांव गमगीन हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद सुधाकर पांडेय, थानाध्यक्ष रोहित कुमार मिश्रा, फॉरेंसिक टीम तथा भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। घटनास्थल को सील कर फॉरेंसिक टीम ने बारीकी से निरीक्षण करते हुए आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जांच के दौरान पुलिस जब परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही थी, तभी मृतक की दादी कबूतरी देवी घर छोड़कर चली गईं। पुलिस ने उन्हें लगभग तीन किलोमीटर दूर से पकड़कर हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए थाने ले गई। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी को आरोपी घोषित नहीं किया है और मामले की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है।

मृतक के माता-पिता ने अपनी बयान में सिद्धार्थ की हत्या का आरोप दादी कबूतरी देवी पर लगाया है। वहीं पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक रिपोर्ट और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हत्या के कारणों और घटना की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

चार वर्षीय मासूम की इस दर्दनाक मौत ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। ग्रामीणों ने घटना का शीघ्र खुलासा कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

उप जिलाधिकारी राजातालाब ने लेखपाल का किया निलंबन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। उप जिलाधिकारी राजातालाब शांतनु कुमार सिनसिनवार ने तहसील के लेखपाल अनिल पाल को निलंबित कर दिया है।निलंबन की करवाई 8 जुलाई को की गई। जिसकी सूचना लेखपाल तथा लेखपाल संघ को बृहस्पतिवार को मिली। निलंबन की कार्रवाई से लेखपाल संघ में गहरी नाराजगी है। लेखपाल संघ के तहसील ईकाई के अध्यक्ष राजेश मौर्य का कहना है कि झूठा आरोप लगाकर लेखपाल को निलंबित किया गया है। राजेश मौर्य ने कहा कि लेखपाल संबंधित कार्यों के प्रति सदा सक्रिय रहते हैं और समय से काम करते हैं।तहसील के उप जिलाधिकारी को लिखे पत्र के माध्यम से लेखपाल संघ ने कई बिंदुओं पर निलंबन के आधार की जानकारी मांगी है। लेखपाल संघ ने इस मामले को लेकर जिलाधिकारी को भी पत्र लिखा है।लेखपाल अनिल पाल को निलंबित किए गए आदेश पत्र में उप जिलाधिकारी राजातालाब ने आइजीआरएस पोर्टल पर की गई शिकायत को सरसरी तौर पर निपटाए जाने का कारण बताया है।

ट्रेन से कट कर युवक की मौत

समाज जागरण रंजीत तिवारी रामेश्वर वाराणसी

जंसा थाना क्षेत्र में सजोई गांव के पास गुरुवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। जंसा पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है। उसने काले रंग का लोअर और चेकदार शर्ट पहन रखी थी। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास जारी है। इसके साथ ही, पुलिस घटना के कारणों की भी जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि शव की पहचान होने के बाद परिजनों को सूचित कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फार्मर रजिस्ट्री एवं फैमिली आईडी बनाने के कार्य में तेजी लाये

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार की अध्यक्षता में ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, उपायुक्त श्रम रोजगार एवं समस्त खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने फार्मर रजिस्ट्री एवं फैमिली आईडी बनाने की धीमी गति पर असंतोष व्यक्त किया। संबंधित अधिकारियों को अवशेष कृषक की सूची खंड विकास अधिकारीगण को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपरोक्त कार्य सहायक पंचायत के माध्यम से 30 जुलाई तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए गए की पंचायत सहायक के वेतन देने से पूर्व उनके द्वारा कराए गए कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करें जीरो पॉवर्टी की समीक्षा करते हुए खंड विकास अधिकारी गण को निर्देश दिए की पॉवर्टी सूची में दर्ज पात्र परिवारों का नियमानुसार मुख्यमंत्री आवास योजना में रजिस्ट्रेशन करें। समूह गठन की प्रगति पर भी असंतोष व्यक्त करते हुए खंड विकास अधिकारियों को शासन से प्राप्त लक्ष्य समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कांकलपुर ग्राम में बिजली विभाग का विशेष काम्बिंग अभियान चला,किया गया कार्यवाही

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। शासन के निदेर्शानुसार प्रदेश में सभी उपकेन्द् पर हाई लाइन लॉस फीडर पर कार्यवाही करने का आदेश दिया गया था, जिसके अन्तर्गत काकलपुर ग्राम में विशेष काम्बिग अभियान चलाया गया। जिसमें मुख्य रूप से खराब मीटर को बदलने , खराब सर्विस केबलों को आर्मड केबल में बदला गया। 15 घरों पर मीटर लगाया गया तथा पांच विद्युत संयोजनों की भार वृद्धि की गई।उपखंड अधिकारी अभिषेक मल्ल ने उपभोक्ताओं से खराब मीटर को बदलवाने पर विशेष जोर देते हुए विभागीय कार्रवाई से बचने का निर्देश दिया।

इस अभियान में उपखंड अधिकारी अभिषेक मल्ल ,जे ई पंकज चौहान ,टीजी2 जय यादव ,राजेंद्र लाइनमैन तथा जेएमआर की टीम शामिल रही।

मौर्य बस्ती में मगरमच्छ से मचा हड़कंप, वन विभाग ने की टीम ने बांध मे छोड़ा।

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया क्षेत्र के महादेव मजरा, के मौर्या बस्ती में गुरुवार की सुबह मे मगरमच्छ निकलने से हड़कंप मच गया ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को सुरक्षित पड़कर मेजा ददरी बांध में छोड़ दिया हलिया ग्राम सभा के महादेव मोहल्ले में अदवा नहर से निकलकर पाँच फिट लंबा मगरमच्छ ग्रामीणों के घर के पास पहुंच गया।कुत्तों के भौंकने पर ग्रामीणों ने टॉर्च जलाकर देखा तो मगरमच्छ चहल कदमी करते हुए पक्के मकान में घुस रहा था गृह स्वामी तथा पास पड़ोस के लोगों ने डंडे की सहायता से मगरमच्छ को सिढी के नीचे बने अर्ध निर्मित शौचालय के अंदर बंद कर दिया हल्ला गुल्ला सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने मगरमच्छ निकलने की सूचना क्षेत्रीय वनाधिकारी को दिया।क्षेत्रीय वनाधिकारी ने मौके पर पहुंचे। वनरक्षक अंकुर शुक्ला शिवम सिंह शीतला बक्स सिंह ने ग्रामीणों के सहयोग से घंटो कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़कर मेजा ददरी बांध के गहरे जलाशय में छोड़ दिया गया मगरमच्छ के सुरक्षित पकड़े जाने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली ग्रामीणों ने बताया कि मगरमच्छ नाले से निकलकर नहर से होते हुए बस्ती तक पहुंच गया गृह स्वामी राम अकबाल ने बताया कि समय रहते लोगों की नींद खुल गई अन्यथा मगरमच्छ बड़ी घटना को अंजाम दे सकता था। बस्ती में पहुँचे मगरमच्छ को पकड़कर सुरक्षित मेजा ददरी बांध मे छोड़ दिया गया है

राज्य मंत्री उमेश कुमार राय के प्रथम गृह आगमन पर पलिया बुजुर्ग में भव्य स्वागत

बिकास राय
ब्यूरो गाजीपुर समाज जागरण

पश्चिम बंगाल की हावड़ा उत्तर (170) विधानसभा क्षेत्र से विधायक एवं पश्चिम बंगाल सरकार में संसदीय कार्य विभाग तथा नगर विकास एवं नगरपालिका मामलों के राज्य मंत्री बने पलिया बुजुर्ग जनपद गाजीपुर के मूल निवासी निवासी उमेश कुमार राय के प्रथम गृह आगमन पर गुरुवार को भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया।

सलारपुर मेन रोड से लेकर पलिया बुजुर्ग तक ग्रामीणों, क्षेत्रवासियों एवं समर्थकों ने फूल-मालाओं, पुष्पवर्षा और जयघोष के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। गांव पहुंचने पर आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सांस्कृतिक रंग देते हुए भोजपुरी अभिनेता एवं लोकगायक गोपाल राय ने अपनी शानदार प्रस्तुति से उपस्थित लोगों को झूमने पर विवश कर दिया। उनके गीतों पर लोगों ने जमकर आनंद लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि एक साधारण ग्रामीण परिवार से निकलकर राज्य मंत्री बनने से पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ा है। उन्होंने विश्वास जताया कि उमेश कुमार राय जनहित एवं विकास कार्यों को नई गति देंगे।

कार्यक्रम में चौसा प्रमुख प्रतिनिधि गुडडु राय पूर्व विधायक सुनीता सिंह, शंकर राय, वीरेंद्र यादव, बिनोद राय, अवधेश राय, दीनबंधु उपाध्याय, राजसिंहासन राय, पारस राय, सतीश राय, राजेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर निगम फिरोजाबाद

पत्रांक : 345/पी०डब्ल्यू०डी०/ई-निविदा सूचना/2026-27 दिनांक : 09/07/2026

-: पुनः ई-निविदा सूचना :-

नगर निगम फिरोजाबाद द्वारा नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (N-CAP) के अन्तर्गत 05 कार्यों हेतु अर्ह ठेकेदारों से उनकी श्रेणी के अनुसार डबल बिड पद्धति द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। आंमत्रित कार्य हेतु फर्म द्वारा उनकी श्रेणी अनुसार प्रतिभाग किया जायेगा। ई-निविदा अधिकृत बेबसाइट www.etender.up.nic.in पोर्टल पर निम्नांनुसार आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	विवरण	तिथि व समय
1.	ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि / समय	13-07-2026
2.	ई-निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	13-07-2026
3.	ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि / समय	24-07-2026 03:00 PM
4.	तकनीकी निविदा खोली जाने की तिथि / समय	24-07-2026 04:00 PM

नोटः- शेष नियम व शर्ते www. etender.up.nic.in पोर्टल पर देखी जा सकेगी।

अधिशासी अभियन्ता
नगर निगम, फिरोजाबाद

पानी भरने के दौरान कुएं में गिरी विवाहिता हुई मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

समाज जागरण

मीरजापुर /ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मड़वा धनावल गांव में गुरुवार सुबह सात बजे के करीब संदिग्ध परिस्थितियों में तीस फीट गहरे कुएं में गिरने से विवाहिता की मौत हो गई। घटना से स्वजनों में चीख पुकार मच गई। परिजनों की सूचना पर दोपहर में पहुंची पुलिस ने घटना की जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षेत्र के मड़वा धनावल गांव निवासी वीरेंद्र पाल की 25 वर्षीया पत्नी अर्चना देवी गुरुवार सुबह अपने घर के सामने स्थित कुएं पर पानी भरने के लिए गई थी कि उसी दौरान पैर फिसलने से संदिग्ध परिस्थितियों में कुएं गिर पड़ी। घटना की जानकारी होने पर परिजनों के होश उड़ गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आनन-फानन में कुएं से विवाहिता को बाहर निकाला लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंचे।वहीं मड़वा धनावल गांव निवासी मृतका की भाभी पुष्पा देवी के पिता अशोक पाल ने ससुराल पक्ष पर हत्या कर शव को कुएं में फेंके जाने का आरोप लगाते हुए तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि बेटी की ननद अर्चना देवी को पति,सास व दोनों देवर दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। चारों लोग मारपीट कर बेटी की ननद की हत्या कर शव को छिपाने के लिए कुएं में डाल दिया। वहीं मृतका के पति वीरेंद्र पाल ने बताया कि पानी भरते समय पैर फिसलने से पत्नी कुएं में गिर पड़ी जिससे उसकी मौत हो गई। मृतका की चार वर्ष पूर्व शादी हुई थी।मृतका को तीन वर्षीया एक पुत्री और दो वर्षीय एक पुत्र है।

खराब सड़क की पोस्ट पर बवाल: देवरा सरपंच पर ग्रामीण को फोन पर गाली - गलौज और धमकी देने का आरोप , ऑडियो वायरल

सोशल मीडिया पर सड़क की बदहाली उठाने के बाद विवाद, ग्रामीण बोले – आवाज उठाने की सजा मिली; ग्रामीणों ने खुद संभाली सड़क मरम्मत की जिम्मेदारी

समाज जागरण उमरिया।
विशेष प्रतिनिधि।

उमरिया जिले के चंदिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरा में वर्षों से खराब पड़ी सड़क का मुद्दा अब सोशल मीडिया से निकलकर विवाद का विषय बन गया है। गांव की जर्जर सड़क का वीडियो और फोटो फेसबुक पर साझा करने के बाद एक ग्रामीण ने ग्राम पंचायत के सरपंच पर फोन पर गाली-गलौज, अभद्र भाषा का प्रयोग करने तथा जान से मारने और घर में घुसकर मारपीट करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इस कथित फोन बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में मामले की चर्चा है।

जानकारी के अनुसार, देवरा निवासी पंकज यादव ने गांव की लंबे समय से खराब पड़ी सड़क की स्थिति को उजागर करते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो और तस्वीरें साझा की थीं। उनका कहना है कि उद्देश्य केवल प्रशासन और संबंधित विभाग का ध्यान समस्या की ओर आकर्षित करना था, ताकि सड़क का निर्माण शीघ्र कराया जा सके। लेकिन पोस्ट वायरल होने के बाद उन्हें कथित रूप से ग्राम पंचायत के सरपंच बबन सिंह का फोन आया, जिसमें उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया और गंभीर धमकियां दी गईं।

पंकज यादव का आरोप है कि उन्होंने बातचीत के दौरान शांतिपूर्वक अपनी बात रखी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें लगातार अपशब्द कहे गए और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उनका कहना है कि यदि कोई नागरिक सार्वजनिक समस्या को लोकतांत्रिक तरीके से उठाता है और उसके बदले उसे धमकियां मिलती हैं, तो यह चिंता का विषय है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

इधर, सड़क की बदहाल स्थिति से परेशान ग्रामीणों का धैर्य भी जवाब देता नजर आया। बारिश के मौसम में सड़क कीचड़ और गड्ढों में तब्दील होने से लोगों का पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि कई वर्षों से सड़क निर्माण अधूरा पड़ा है और जिम्मेदार विभाग की ओर से कोई प्रभावी पहल नहीं की गई। स्थिति से मजबूर होकर गांव के लोगों ने स्वयं फावड़ा और अन्य उपकरण लेकर सड़क की अस्थायी मरम्मत शुरू कर दी, ताकि आवागमन कुछ हद तक सुगम हो सके। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सड़क लंबे समय से अधूरी है। बरसात में स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, मरीजों और किसानों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद अब तक स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। इस बीच, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कथित ऑडियो को लेकर भी विभिन्न तरह की चचाएं हो रही हैं। हालांकि, इस ऑडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है और इसकी सत्यता की आधिकारिक पुष्टि होना अभी शेष है। ग्रामीणों का कहना है कि वे किसी व्यक्तिगत विवाद में नहीं पड़ना चाहते, बल्कि उनकी प्राथमिक मांग केवल सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराए जाने की है, ताकि वर्षों से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

पक्ष जानना शेष:

समाचार प्रकाशित किए जाने तक ग्राम पंचायत देवरा के सरपंच बबन सिंह का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

*हलफल-भदार नदी पर पुल नहीं, पांच गांवों की जिंदगी ठप; 18 से 20 किमी अतिरिक्त सफर को मजबूर छात्र-छात्राएं

समाज जागरण

उमरिया। जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत ग्राम पड़वार स्थित हलफल-भदार नदी पर पुल का अभाव बारिश के मौसम में क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक बन गया है। नदी में जलस्तर बढ़ते ही बचहा, मुडगुड़ी, सलैया, कुंडी, भरौली और पड़वार सहित आसपास के गांवों का आवागमन प्रभावित हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से पुल निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। सबसे अधिक परेशानी छात्र-छात्राओं को उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों के अनुसार, मुडगुड़ी, सलैया, कुंडी, बचहा और भरौली के विद्यार्थी पड़वार स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययन करते हैं। सामान्य दिनों में विद्यालय की दूरी मात्र 4 से 5 किलोमीटर है, लेकिन बरसात में नदी पार नहीं होने के कारण उन्हें अमरपुर होकर लगभग 18 से 20 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ता है। इससे विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई प्रभावित हो रही है और कई बार विद्यालय पहुंचना भी संभव नहीं हो पाता। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दौरान नदी में जलभराव के कारण पूर्व में भी कई अप्रिय घटनाएं हो चुकी हैं। उनका कहना है कि छात्र-छात्राओं ने अपनी पढ़ाई सुचारु रूप से संचालित कराने और पुल निर्माण की मांग को लेकर 'नदी बचाओ आंदोलन' का समर्थन किया था। ग्रामीणों के अनुसार, इस घटनाक्रम के बाद जिला प्रशासन द्वारा कुछ शिक्षकों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की गई थी।

ग्रामीणों का आरोप है कि हलफल-भदार नदी के संगम क्षेत्र में जलभराव पहले की तुलना में अधिक हो रहा है। कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ग्राम कुंडी के पास बने स्टॉप डेम में किए गए अवरोध के कारण बरसात के दौरान पानी का भराव बढ़ा है। उनका कहना है कि इससे आवागमन प्रभावित होने के साथ-साथ नदी किनारे स्थित किसानों की कृषि भूमि का कटाव भी बढ़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि हलफल-भदार नदी से जुड़े रेत समूहों से शासन को राजस्व प्राप्त होता है। ऐसे में जिला खनिज प्रतिष्ठान (DMF) मद अथवा अन्य उपयुक्त योजना से पुल निर्माण कराया जाना चाहिए, ताकि क्षेत्र के हजारों लोगों और विद्यार्थियों को स्थायी राहत मिल सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित विभागों, जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को मौखिक एवं लिखित आवेदन देकर पुल निर्माण की मांग की है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षकों पर कार्रवाई तो हुई, लेकिन पुल के अभाव में हर वर्ष हजारों छात्र-छात्राओं की प्रभावित होती पढ़ाई और भविष्य की चिंता प्रशासन ने नहीं की। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से बरसात के दौरान

मौके का निरीक्षण कर शीघ्र पुल निर्माण की प्रक्रिया शुरू कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो क्षेत्रीय नागरिकों के साथ लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन एवं धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र में छोटे कार्यों के आवंटन पर उठे सवाल, पारदर्शिता को लेकर ठेकेदारों में नाराजगी

करीब दो लाख रुपये तक के कार्यों में पक्षपात के आरोप, ठेकेदारों ने निष्पक्ष ऑडिट और रिकॉर्ड सार्वजनिक करने की उठाई मांग

समाज जागरण बिरसिंहपुर पाली। उमरिया जिले स्थित संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र (एसजीटीपीएस) बिर सिंहपुर पाली में छोटे कार्यों और सीमित राशि की इंक्वायरी के माध्यम से होने वाले कार्य आवंटन को लेकर इन दिनों चचाओं का दौर तेज है। स्थानीय ठेकेदारों के बीच यह सवाल उठ रहे हैं कि लगभग दो लाख रुपये तक के कार्यों के आवंटन में पारदर्शिता और निष्पक्षता का पूरी तरह पालन हो रहा है या नहीं।

कुछ ठेकेदारों ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर आरोप लगाया कि छोटे कार्यों के आवंटन में एक अधिकारी, जिन्हें लोग "शर्मा जी" के नाम से जानते हैं, का प्रभाव देखने को मिलता है। उनका दावा है कि अधिकांश कार्य उन्हीं ठेकेदारों को मिलते हैं जिन्हें संबंधित अधिकारी की पसंद माना जाता है, जबकि अन्य पात्र ठेकेदारों को अवसर नहीं मिल पाता। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

ठेकेदारों का कहना है कि यदि किसी कार्य के आवंटन में वास्तविक प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करनी है तो पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और सभी इच्छुक पक्षों के लिए समान अवसर वाली होनी चाहिए। उनका मानना है कि वर्तमान व्यवस्था को लेकर लगातार उठ रहे सवालों से विभाग की कार्यप्रणाली पर संदेह की स्थिति बन रही है। सूत्रों के हवाले से यह भी चर्चा है कि कुछ कार्यों में अपेक्षित स्तर पर काम नहीं होने के बावजूद पूर्ण भुगतान किए जाने की बातें सामने आ रही हैं। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और इनकी सत्यता केवल सक्षम एवं निष्पक्ष जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा प्रश्न विद्युत केंद्र के प्रबंधन की भूमिका को लेकर भी उठ रहा है। यदि कार्य आवंटन पूरी तरह नियमों और वित्तीय प्रक्रियाओं के अनुरूप किया गया है, तो संबंधित इंक्वायरी, कायार्देश, निविदा प्रक्रिया, माप पुस्तिका (एमबी), भुगतान संबंधी अभिलेख और गुणवत्ता परीक्षण का विवरण सार्वजनिक किए जाने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। इससे सभी प्रकार की आशंकाओं और चचाओं पर स्वतः विराम लग सकता है। कई ठेकेदारों ने मांग की है कि पिछले कुछ वर्षों में दो लाख रुपये तक के कार्यों का तकनीकी और वित्तीय ऑडिट कराया जाए। उनका कहना है कि इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि किन-किन ठेकेदारों को बार-बार कार्य मिले, कार्य आवंटन का आधार क्या था, कार्य की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप रही या नहीं तथा भुगतान और वास्तविक कार्य में कितना सामंजस्य था। फिलहाल यह मामला आरोपों और चचाओं तक सीमित है तथा इनकी पुष्टि किसी सक्षम जांच एजेंसी द्वारा ही की जा सकती है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र का प्रबंधन इन सवालों पर क्या स्पष्टीकरण देता है और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आगे क्या कदम उठाता है।

चौकी प्रभारी के बदलते ही बदलने लगी कानून व्यवस्था की फिजा

पहले अवैध उत्खनन फिर अवैध शराब व्यवसाय पर कंसा शिंकजा

समाज जागरण

बिरसिंहपुर पाली --- जिले के पाली थाना के घुनघुटी चौकी प्रभारी के बदलते ही कानून व्यवस्था को व्यवस्थित करने में नये चौकी प्रभारी ने बिसात बिछा दी है। मालुम होवे की जिले के पुलिस अधीक्षक ने जिले में अपराधिक गतिविधियों में लगाम लगाने के लिए थाना प्रभारियो और चौकी प्रभारियों को सख्त निर्देश दिये गये हैं की कही भी किसी भी सूरत में अपराधिक गतिविधियों का संचालन नहीं होना चाहिए। पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में घुनघुटी चौकी प्रभारी शैलेंद्र चतुर्वेदी ने अपनी जमीन तैयार कर अपराधियों पर लगाम लगाना शुरू कर दिया है। मालुम होवे की चौकी प्रभारी ने पहले दिन अवैध उत्खनन पर कार्यवाही करते हुए एक टेक्टर जो की बिना रायल्टी के गिट्टी ओदरी गाँव में पकड़ा गया था, बताया जाता है कि टेक्टर क्र एम पी -54 ए 7604 को जब्त कर नियमानुसार कार्यवाही की गयी थी, की आज घुनघुटी से चौरी पैकारी के लिए अनुमानित कीमत मशरूका लगभग 1,0 6,610 रुपए की जिसमें 50 पाव देशी मदिरा, 06 नग जीनियस, 12 पाव गोवा, 06 मदिरा मशाला और 05 ब्यूली चिप की खेप ले जाते मोटर साइकल क्र एम पी -54 जेड बी 2804 के साथ जब्त कर वैधानिक कार्यवाही की गयी है। विदित होवे की जब से नये चौकी प्रभारी शैलेंद्र चतुर्वेदी ने कमान संहाली है, अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अवांछित तत्वों में हडकंप मची हुई है, श्री चतुर्वेदी की कार्य शैली से आमजनों में कानून पर विश्वास बनता जा रहा है। लोगों ने उनके इस कार्य शैली की खुले मन से सराहना की है। चौकी प्रभारी के इस कार्य कुशलता के साथ उनकी टीम में गणेश सिंह परस्ते ,प्रधान आरक्षक, आदर्श सिंह बघेल प्रधान आरक्षक और दिलीप सिंह राठौर आरक्षक की भूमिका प्रशंसनीय रही।

रेलवे निर्माण कार्यों में जांच के नाम पर खानापूर्ति !

बंधवावारा-घुनघुटी सेक्शन में करोड़ों के निर्माण कार्यों पर उठे गंभीर सवाल, भ्रष्टाचार और रेल संरक्षा से समझौते के आरोप

समाज जागरण

उमरिया -- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के अंतर्गत कटनी-बिलासपुर मुख्य रेलखंड पर बंधवावारा-घुनघुटी सेक्शन (किमी 922 से 924) के बीच करोड़ों रुपये की लागत से कराए जा रहे नाली निर्माण एवं सेस रिपेयर कार्यों में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आने के बाद भी जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। स्थानीय नागरिकों, रेलवे कर्मचारियों एवं तकनीकी जानकारों का आरोप है कि स्पष्ट शिकायतों, समाचार प्रकाशन एवं उपलब्ध साक्ष्यों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने न तो निर्माण सामग्री की निष्पक्ष जांच कराई और न ही कार्य की तकनीकी गुण वत्ता का वास्तविक परीक्षण कराया जा रहा है।

मिट्टीयुक्त रेत, बिना कम्पेक्शन और कागजों में पूरा काम

आरोप है कि रेलवे ट्रैक के समानांतर बनाई जा रही नाली में स्वीकृत गुणवत्ता वाली साफ रेत के स्थान पर मिट्टीयुक्त एवं निम्न गुणवत्ता की रेत का उपयोग किया गया। वहीं इसी स्थान पर हुए सेस रिपेयर कार्य में भी निर्धारित मानकों के अनुरूप कम्पे क्शन नहीं किया गया। कई स्थानों पर केवल औपचारिक रूप से मिट्टी डालकर कार्य पूर्ण दर्शा दिया गया, जबकि वास्तविक गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की गई। आरोप यह भी है कि जिन कार्यों का निष्पादन पूर्ण रूप से नहीं हुआ, उनका भी मापन पुस्तिका (एमबी/एमडीओ) के आधार पर भुगतान कर दिया गया।

अवैध रेत उत्खनन और राजस्व की क्षति के आरोप

स्थानीय लोगों के अनुसार निर्माण कार्य में उपयोग की गई रेत बाजार से नहीं खरीदी गई, बल्कि आसपास के बरसाती नालों जो की रौगढ बीट के क्षेत्र में आते हैं उन नालो से रात के समय अवैध उत्खनन कर सीधे निर्माण स्थल तक पहुंचाई गई। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं तो यह केवल सरकारी राजस्व की हानि ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय नियमों और खनिज अधिनियम का भी गंभीर उल्लंघन माना जाएगा।

रेल संरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

विशेषज्ञों का कहना है कि रेलवे ट्रैक के समीप होने वाले प्रत्येक निर्माण कार्य में उच्च गुणवत्ता की सामग्री एवं निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन अनिवार्य होता है। कमजोर निर्माण, अपर्याप्त कम्पेक्शन अथवा घटिया सामग्री के उपयोग से वर्षा के दौरान कटाव, धंसान एवं ट्रैक की स्थिरता प्रभावित हो सकती है, जिससे भविष्य में रेल परिचालन और यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है।

जांच के नाम पर केवल औपचारिकता?

सूत्रों का दावा है कि शिकायतों और समाचार प्रकाशन के बाद अधिकारियों द्वारा जांच तो की गई, लेकिन न तो सामग्री के नमूने लिए गए, न प्रयोगशाला परीक्षण कराया गया और न ही स्वतंत्र तकनीकी एजेंसी से गुणवत्ता का मूल्यांकन कराया गया। आरोप है कि जांच केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रही, जिससे पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

विजिलेंस की भूमिका भी सवालों के घेरे में

रेलवे में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी इंजीनियरिंग विभाग, गुणवत्ता नियंत्रण इकाई तथा विजिलेंस तंत्र की होती है। इसके बावजूद यदि इतने गंभीर आरोपों के बाद भी प्रभावी कार्रवाई नहीं होती, तो संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली भी स्वतः संदेह के घेरे में आ जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा तथा रेल संरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है। उच्च स्तरीय स्वतंत्र जांच की मांग क्षेत्रीय नागरिकों एवं रेलवे कर्मचारियों ने रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड, तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक से मांग की है कि पूरे मामले की किसी स्वतंत्र एवं उच्च स्तरीय तकनीकी समिति से जांच कराई जाए। साथ ही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, कम्पेक्शन टेस्ट, मापन पुस्तिकाओं, भुगतान अभिलेखों एवं अवैध रेत उत्खनन के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधि कारियों एवं संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

"निलंबन के बाद फूटा उपयंत्री का गुस्सा: 'नीचे से ऊपर तक जाता है कमीशन', सोशल मीडिया पर विभाग पर लगाए गंभीर आरोप"

सतना में निलंबित उपयंत्री सतीश समेले का वीडियो और पोस्ट चर्चा में, कहा—'उपयंत्री सिर्फ एजेंट है'; विभागीय कार्यप्रणाली पर उठे नए सवाल, आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं।

समाज जागरण

सतना। जिला पंचायत सतना में पदस्थ रहे निलंबित उपयंत्री सतीश समेले का एक सोशल मीडिया पोस्ट और वीडियो इन दिनों सुर्खियों में है। बुधवार को निलंबित किए गए उपयंत्री ने निलंबन के बाद अपने ही विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि विकास कार्यों में "नीचे से ऊपर तक चंदा और कमीशन" का खेल चलता है तथा उपयंत्री केवल एक "एजेंट" की भूमिका निभाता है। उनके इन आरोपों के बाद विभागीय व्यवस्था और विकास कार्यों की पारदर्शिता को लेकर नई बहस शुरू हो गई है।

जानकारी के अनुसार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) शैलेन्द्र सिंह ने उपयंत्री सतीश समेले को निलंबित कर दिया है। उन पर सरकारी कार्यों के निरीक्षण के दौरान बंदूक लेकर चलने तथा कार्यशैली को लेकर शिकायतें सामने आई थीं। इसके अलावा विकास कार्यों में कथित कमीशनखोरी की शिकायतें भी विभाग तक पहुंची थीं, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।

निलंबन के तुरंत बाद सतीश समेले सोशल मीडिया पर मुखर हो गए। उन्होंने अपने पोस्ट और वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि विकास कार्यों में होने वाले लेन-देन का लाभ केवल निचले स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी व्यवस्था इससे प्रभावित है। उनका कहना है कि उपयंत्री निर्णय लेने वाला अधिकारी नहीं, बल्कि केवल माध्यम होता है और वास्तविक व्यवस्था कहीं ऊपर से संचालित होती है। समेले के इन आरोपों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि उनके दावे सही हैं तो यह केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था की निष्पक्ष जांच का विषय बन सकता है। वहीं यदि आरोप निराधार हैं तो विभाग के लिए इन दावों का तथ्यात्मक खंडन करना भी आवश्यक माना जा रहा है। फिलहाल उनके आरोपों की किसी सक्षम एजेंसी या प्रशासन द्वारा स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि अक्सर विभागीय कार्रवाई के बाद संबंधित कर्मचारी चुप्पी साध लेते हैं, लेकिन इस मामले में निलंबित उपयंत्री ने खुलकर अपनी बात सार्वजनिक मंच पर रखी है। सोशल मीडिया पर उनके वीडियो तेजी से साझा किए जा रहे हैं और लोग इन दावों पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

अब निगाहें जिला प्रशासन और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पर टिकी हैं कि क्या इन गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी या मामला केवल निलंबन तक ही सीमित रहेगा। यदि समेले के पास अपने आरोपों के समर्थन में ठोस साक्ष्य हैं, तो उन्हें संबंधित जांच एजेंसियों के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। दूसरी ओर, प्रशासन के लिए भी यह आवश्यक होगा कि पूरे मामले पर पारदर्शी और तथ्यपरक स्थिति स्पष्ट करे, ताकि जनता के बीच उठ रहे सवालों का जवाब मिल सके।

नवागत पुलिस अधीक्षक ने किया पदभार ग्रहण

समाज जागरण विजय तिवारी

शहडोल। जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। ज्ञात हो कि उत्कृष्ट सेवाओं के लिए श्री अग्रवाल को मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2017 एवं 2018 का के.एफ. रुस्तम पुरस्कार तथा वर्ष 2020 में भारत सरकार द्वारा सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

सब जेल बुढ़ार में व्यवस्थाएं दुरुस्त: केंद्रीय जेल अधीक्षक के आकस्मिक निरीक्षण में सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधाओं की सराहना

समाज जागरण विजय तिवारी बुढ़ार

सब जेल बुढ़ार में मंगलवार को केंद्रीय जेल रीवा के अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय ने आकस्मिक निरीक्षण कर जेल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा प्रबंधन, स्वच्छता, बंदियों के रखरखाव तथा शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का विस्तृत अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान केंद्रीय जेल अधीक्षक ने जेल परिसर की व्यवस्थाओं को संतोषजनक पाया और कहा कि सब जेल बुढ़ार में सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्था नियमानुसार संचालित हो रही है। उन्होंने बंदियों को उपलब्ध कराई

जा रही सुविधाओं की जानकारी लेते हुए जेल प्रशासन के कार्यों की सराहना की तथा व्यवस्थाओं को इसी प्रकार बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर तथा जेल मुख्यालय, भोपाल के निर्देशों के अनुरूप तैयार किए गए तीन नवीन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) कक्षों का भी शुभारंभ किया गया। इन अत्याधुनिक कक्षों के माध्यम से बंदियों की न्यायालयीन पेशी अब अधिक सुरक्षित, सुगम और समयबद्ध तरीके से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संपन्न हो सकेगी, जिससे न्यायिक प्रक्रिया को भी गति मिलेगी। निरीक्षण के दौरान सब जेल बुढ़ार के जेलर विकास सिंह बघेल सहित जेल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। केंद्रीय जेल अधीक्षक ने जेल प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए बेहतर प्रबंधन के लिए पूरी टीम की सराहना की।

भारतीय किसान संघ ने मूंग-उड़द उपार्जन की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन, किसानों के हित में रखीं चार प्रमुख मांगें

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

भारतीय किसान संघ, महाकौशल प्रांत जिला दमोह के पदाधिकारियों ने खरीफ विपणन सीजन में मूंग एवं उड़द की समर्थन मूल्य पर खरीदी के दौरान किसानों को आ रही सम स्याओं के निराकरण की मांग को लेकर तहसीलदार हटा के माध्यम से केंद्र सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में किसान संघ ने बताया कि वर्तमान में मूंग एवं उड़द की खरीदी व्यवस्था में कई व्यावहारिक कठि नाइयां सामने आ रही हैं, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने इन समस्याओं के समाधान के लिए चार प्रमुख मांगें रखीं। पहली मांग में प्रति एकड़ खरीदी की सीमा बढ़ाने की बात कही गई। ज्ञापन के अनुसार वर्तमान में मूंग की खरीदी मात्र 2 क्विंटल प्रति एकड़ निर्धारित है, जबकि वास्तविक उत्पादन 4 से 5 क्विंटल प्रति एकड़ तक होता है। किसान संघ ने इसे बढ़ाकर कम से कम 5 क्विंटल प्रति एकड़ करने की मांग की।

दूसरी मांग में खरीदी केंद्र किसानों की सुविधा के अनुसार स्थापित किए जाने की बात कही गई। संगठन का कहना है कि वर्तमान खरीदी केंद्रों की दूरी और व्यवस्था किसानों के लिए असुविधाजनक है। तीसरी मांग में जिन किसानों का अभी तक गिरदावरी अथवा पंजीयन नहीं हो पाया है, उनके लिए विशेष पंजीयन प्रक्रिया निर्धारित कर उन्हें खरीदी में शामिल करने की मांग की गई।

चौथी मांग में किसानों की उपज का 100 प्रतिशत मूंग एवं उड़द समर्थन मूल्य पर उपार्जन सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई, ताकि किसानों को अपनी पूरी उपज का उचित मूल्य मिल सके। भारतीय किसान संघ ने शासन से मांग की है कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए इन सभी बिंदुओं पर तत्काल निर्णय लेकर आवश्यक आदेश जारी किए जाएं। ज्ञापन पर तहसील अध्यक्ष अनिल पटेल, तहसील मंत्री विनोद पटेल सहित संगठन के अन्य पदाधिकारियों एवं किसानों के हस्ताक्षर दर्ज हैं।

तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन का संयुक्त वक्तव्य

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री एंथनी अल्बनीज के निमंत्रण पर तीसरे ऑस्ट्रेलिया-भारत वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए 8-10 जुलाई, 2026 तक ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया। यह शिखर सम्मेलन मेलबर्न, नार्म में आयोजित किया गया था। यह शिखर सम्मेलन कुलिन राष्ट्र के वुरुंडजेरी वॉई-वुरुंग और बुनुरोंग/बून वुरुंग लोगों की पारंपरिक भूमि है।

दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता, ऐतिहासिक संबंधों, जन-जन के बीच संपर्कों, साझा रणनीतिक हितों और एक-दूसरे के लिए आपसी सम्मान को याद करते हुए, दोनों नेताओं ने तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक वातावरण में उभरती चुनौतियों का समाधान करने और शांति के लिए परस्पर लाभकारी

सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने के लिए भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी) को और मजबूत और विस्तारित करने के लिए हमारी समृद्धि और स्थिरता को लेकर प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

राष्ट्रीय कौशल योग्यता समिति (एनएसक्यूसी) की 50वीं बैठक (प्रथम चरण) एमएसडीई की सचिव और एनसीवीईटी की अध्यक्ष श्रीमती देबाश्री मुखर्जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई

राष्ट्रीय कौशल योग्यता समिति (एनएसक्यूसी) की 50वीं बैठक (प्रथम चरण) 8 जुलाई 2026 को कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) की सचिव और राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) की अध्यक्ष श्रीमती देबाश्री मुखर्जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। एनसीवीईटी राष्ट्रीय कौशल योग्यता समिति (एनएसक्यूसी) की 50वीं बैठक का आयोजन चरणबद्ध तरीके से कर रही है। बैठक का प्रथम चरण 8 जुलाई 2026 को आयोजित किया गया, जबकि द्वितीय चरण 15 जुलाई 2026 को समिति की ऐतिहासिक 50वीं बैठक के उपलक्ष्य में एक विशेष समारोह के रूप में आयोजित किया जाएगा। 50वीं बैठक (प्रथम चरण) में एनसीवीईटी के कार्यकारी सदस्य प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार गाबा; एनसीवीईटी के निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल विक्रम सिंह भाटी; ग्रामीण विकास मंत्रालय और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय सहित केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले एनएसक्यूसी के सदस्य; पुरस्कार प्रदान करने वाली संस्थाओं, क्षेत्रीय कौशल परिषदों, उद्योग विशेषज्ञों और अन्य प्रमुख हितधारकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में विचार-विमर्श का मुख्य उद्देश्य कौशल योग्यताओं की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और जवाबदेही को सुदृढ़ करना था, साथ ही उद्योग की जरूरतों, उभरती प्रौद्योगिकियों और

राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ तालमेल सुनिश्चित करना था। इस बैठक के दौरान, समिति ने योग्यताओं, राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनओएस) और सूक्ष्म प्रमाण पत्रों (एमसी) की समीक्षा और अनुमोदन, योग्यता मानदंडों के संशोधन, कौशलवर्स के माध्यम से अनुमोदित योग्यताओं के सत्यापन, पुरस्कार प्रदान करने वाले निकायों द्वारा योग्यताओं को अपनाने, सरकारी योजनाओं के तहत योग्यताओं की वैधता बढ़ाने और

उभरती प्रौद्योगिकियों को राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा (एनएस क्यूएफ) में एकीकृत करने की पहलों से संबंधित प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया। समिति ने पिछली एनएसक्यूसी बैठकों में लिए गए निर्णयों पर कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) की भी समीक्षा की। समिति के समक्ष प्रमुख एजेंडा दूरसंचार उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक हितधारक परामर्श के बाद दूरसंचार क्षेत्र कौशल परिषद की 25 योग्यताओं के लिए योग्यता मानदंडों का संशोधन था। समिति ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र कौशल परिषद से संबंधित प्रस्तावों, विभिन्न पुरस्कार प्रदान करने वाले निकायों द्वारा प्रस्तुत योग्यताओं को अपनाने और पुष्टि करने, पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत योग्यताओं की वैधता

बढ़ाने, एनसीवीईटी परितंत्र के भीतर भू-स्थानिक और ड्रोन नीति ढांचों को एकीकृत करने और एनएसक्यूएफ-संरेखित योग्यताओं में मिश्रित शिक्षण को बढ़ावा देने पर भी विचार किया। समिति ने एनएसक्यूएफ (राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क) के अनुरूपता हेतु कौशलवर्स पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत 100 योग्यताओं, राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनओएस) और सूक्ष्म प्रमाण पत्रों (एमसी) पर भी विचार किया।

दुद्धी में बिना पंजीयन संचालित हो रहे दर्जनों कोचिंग सेंटर, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़

- परीक्षा की तैयारी के नाम पर बड़े-बड़े दावे, अभिभावकों से वसूली जा रही भारी-भरकम फीस, जांच की उठी मांग

समाज जागरण/ उपेन्द्र कुमार तिवारी

दुद्धी/ सोनभद्र। दुद्धी कस्बा में और आसपास के क्षेत्रों में बिना पंजीयन के दर्जनों कोचिंग सेंटर संचालित होने का मामला सामने आ रहा है। स्थानीय लोगों और अभिभावकों का आरोप है कि कई कोचिंग संस्थान बिना किसी वैधानिक अनुमति के छात्रों को प्रतियोगी एवं बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कराने के नाम पर आकर्षक विज्ञापन और बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं। जिसे लोकल व्हाट्सऐप और सोशल मीडिया ग्रुप में साफ तौर पर देखा जा सकता है। अभिभावकों का कहना है कि बेहतर परिणाम और चयन का भरोसा देकर छात्रों से भारी भरकम रुपये की फीस वसूली जा रही है, लेकिन अधिकांश संस्थानों में न तो मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं और न ही योग्य शिक्षकों की व्यवस्था है। इससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होने के साथ-साथ उनके भविष्य पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा हो रहा है। प्रबुद्धजनों का आरोप है कि कई कोचिंग सेंटर निर्धारित मानकों का पालन किए बिना ही संचालित हो रहे हैं। ऐसे में इन संस्थानों की गुणवत्ता, सुरक्षा व्यवस्था और शैक्षणिक स्तर की जांच आवश्यक है। अभिभावकों एवं सामाजिक लोगों ने जिला प्रशासन और संबंधित शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि क्षेत्र में संचालित सभी कोचिंग सेंटरों की जांच कराई जाए। बिना पंजीयन या नियमों के विपरीत संचालित पाए जाने वाले संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि छात्रों के भविष्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ न हो।

दुद्धी में फिर लौटा अतिक्रमण, एक दिन का अभियान साबित हुआ बेअसर

- तहसील गेट से शिवाजी तालाब मार्ग पर फिर जाम, राहगीर और वाहन चालक परेशान

समाज जागरण/ उपेन्द्र कुमार तिवारी

दुद्धी/ सोनभद्र। दुद्धी तहसील गेट से शिवाजी तालाब जाने वाले मुख्य मार्ग पर कुछ दिन पहले उपजिलाधिकारी निखिल यादव के नेतृत्व में चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान बेअसर होता दिखाई दे रहा है। अभियान के अगले ही दिन से सड़क किनारे और फुटपाथ पर फिर से दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया, जिससे यातायात व्यवस्था दोबारा चरमरा गई है।

गुरुवार को इस मार्ग पर हालात ऐसे रहे कि पैदल चलने वाले राहगीरों के साथ-साथ दोपहिया और चारपहिया वाहन भी लंबे समय तक जाम में फंसे रहे। सड़क के दोनों ओर दुकानदारों द्वारा सामान फैलाकर किए गए अतिक्रमण के कारण सड़क संकरी हो गई, जिससे आवागमन बाधित रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन द्वारा केवल एक दिन कार्रवाई करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। यदि नियमित निगरानी और सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो अतिक्रमण की समस्या लगातार बनी रहेगी। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि तहसील गेट से शिवाजी तालाब मार्ग पर नियमित अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया जाए तथा दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए,

ताकि आमजन को जाम की समस्या से राहत मिल सके और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

नाबालिग लड़की को बहला- फुसला कर भगा ले जाने की तहरीर देकर लगायी न्याय की गुहार

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज थाना कोतवाली क्षेत्र के पलिया कला गांव में बीते दिवस एक नाबालिक लड़की को कुछ परिवार के लोगों के शह पर एक लड़के द्वारा बहला-फुसला कर अन्यत्र भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में लड़की के परिवार वालों ने पता चलने पर विपक्षीगणों के ऊपर राबर्ट्सगंज थाना कोतवाली में लिखित तहरीर देकर न्याय की गुहार लगायी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दिए गये तहरीर में कोतवाली थाना क्षेत्रांतर्गत आने वाले पलिया कला गांव निवासी अब्बास अली पुत्र समई ने कहा है कि पीड़ित की नाबालिक लड़की नूरी फातिमा बीते दिवस सात जुलाई को अपने घर से दवा लेने के लिए निकली परंतु सायंकाल तक घर वापस नहीं आयी। जिसके बाद परिजनों काफी खोज बीन शुरू किया लेकिन किसी रिश्तेदारी में पता नहीं चला अंततः पता चला कि लड़की करमा थाना क्षेत्र के खैराही गांव निवासी साहे आलम पुत्र हकीमुद्दीन शाह अपने भाई अबरार अहमद, पप्पू, सहरे आलम एवं अपने भांजा खुर्शीद एवं अन्य परिवार के सहमति पर कहीं अन्यत्र भगा ले गया है। पता चलने पर जब सहरे आलम से पीड़ित व्यक्ति ने बात की तो उपरोक्त बातों को स्वीकारते हुए लड़की को वापस करने से इनकार कर दिया जिससे लेकर पुत्री के पिता मुहम्मद अब्बास अली पुत्र समई ने थाना कोतवाली में लिखित तहरीर देकर न्याय की गुहार लगायी है तथा लड़की को खैराही गांव के उपरोक्त लोगों से मुक्त कराते हुए उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस बाबत सिटी सदर कोतवाल ने बताया की तहरीर पीड़ित की तरफ से मिली है जांचोंपरांत आवश्यक विधिक कार्र वाई की जायेगी।

सावधान! " सावधानी हटी, दुर्घटना घटी " बैढ़न जिला मुख्यालय की बदहाल स्थिति में है सड़के

•~ बालकों और राहगीरों समेत स्कूल के बच्चो को प्रतिदिन कठिनाइयों का करना पड़ रहा है सामना

समाज जागरण/ अकबर अली

सोनभद्र। "सावधानी हटी, दुर्घटना घटी"जी हां! यह कहावत बैढ़न जिला मुख्यालय स्थित सड़कों पर शत-प्रतिशत चरितार्थ हो रहा है। जिला मुख्यालय बैढ़न की सड़कें इन दिनों काफी बदहाल स्थिति में हैं। अंबेडकर चौक से लेकर इंडस्ट्रियल एरिया बिंधनगर, गनियारी, सहित शहर के कई प्रमुख मार्ग गड्ढों में तब्दील हो चुके हैं। बरसात के कारण गड्ढों में पानी भर जाने से आवागमन अत्यंत जोखिम भरा हो गया है और दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बढ़ रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लंबे समय से सड़कों की मरम्मत नहीं करायी गयी है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को स्कूल के बच्चो को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इससे लोगों में तीव्र आक्रोश व्याप्त है। लोगों का आरोप है कि जर्जर सड़कों के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं।बरसात की प्रथम शुरुआत है इतनी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा। पूरी बरसात अभी बाकी है। ऐसा नहीं है कि उच्च अधिकारियों का इस मार्ग से आना-जाना नहीं होता है, आए दिन ही उच्चा धिकारी आवागमन करके अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचते हैं। बावजूद इसके मूकदर्शक, निष्क्रिय बने, हाथ पर हाथ धरे चैन की बंसी बजाने में मशगूल हैं। राहगीर पूरी तरह से उब चुके हैं। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही मार्ग का मरम्मत नहीं करवाया गया तो वह जन आंदोलन करने के लिए पूर्ण रूप से विवश होंगे। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी आला अफसरों की होगी।

कोच्चि में ब्रिक्स महिला मंत्रिस्तरीय बैठक संपन्न

इस वर्ष महिला मंत्रिस्तरीय बैठक में महिला ट्रैक में ऐतिहासिक रूप से पहली बार संयुक्त वक्तव्य

महिला सशक्तिकरण के लिए ज्ञान साझाकरण, सहपाठी-शिक्षा और क्षमता निर्माण सुदृढ़ीकरण हेतु भारत की दो नई पहल भारत की वर्ष 2026 में ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत आयोजित ब्रिक्स महिला मंत्रिस्तरीय बैठक आज केरल के कोच्चि में संपन्न हो गई, जो महिला नेतृत्व वाले विकास पर ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 6 से 9 जुलाई 2026 तक चले चार दिनों के सम्मेलन में ब्रिक्स महिला कार्य समूह और ब्रिक्स महिला मंत्रिस्तरीय बैठक हुई। इस अवसर पर ब्रिक्स सदस्य देशों के मंत्रियों, उपमंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की साझा प्राथमिकताओं पर विमर्श किया। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने मंत्रिस्तरीय बैठक के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रिक्स सदस्य देश विभिन्न भौगोलिक, सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं, पर उनमें महिला सशक्तिकरण से संबंधित कई समान चिंताएं साझा हैं। उन्होंने कहा कि ये साझा चिंताएं ब्रिक्स महिला मंत्रिस्तरीय ट्रैक जैसे मंचों के महत्व को दर्शाती हैं, जो सदस्य देशों के बीच संवाद को बढ़ावा देने और सहयोग सुदृढ़ करने में सहायक हैं। महिला एवं बाल विकास सचिव श्री अनिल मलिक ने समापन संबोधन में भारत की अध्यक्षता के दौरान हुए विमर्श के महत्व का उल्लेख किया।

स्वस्थ शरीर ही सुखी एवं समृद्ध जीवन की आधारशिला है- आर पी सिंह

हिंडालको रेनुसागर में प्राकृतिक, एक्यूप्रेशर एवं सुजोक चिकित्सा शिविर का आयोजन

संवाददाता अकबर अली/ समाज जागरण

अनपरा/ सोनभद्र। थाना अनपरा परिक्षेत्र में स्थित हिंडालको रेनुसागर के तत्वावधान में कर्मचारियों, उनके परिजनों के स्वास्थ्य संवर्धन के उद्देश्य से प्राकृतिक, एक्यूप्रेशर एवं सुजोक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। हिंडालको रेनुसागर के पैराडाइज प्रेक्षागृह में आयोजित प्राकृतिक, एक्यूप्रेशर एवं सुजोक चिकित्सा शिविर काशुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह , मानव संसाधन विभाग के हेड आशीष पांडेय ,रेनुसागर चिकित्सा प्रभारी डॉ मुकुल बृंदा एवं डॉ. गुलाबराम एम.डी. एक्यूप्रेशर सुजोक विशेषज्ञ ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर. पी. सिंह ने बताया कि स्वस्थ शरीर ही सुखी एवं समृद्ध जीवन की आधारशिला है। प्राकृतिक चिकित्सा, एक्यूप्रेशर एवं सुजोक जैसी उपचार पद्धतियाँ व्यक्ति को बिना दुष्प्रभाव के स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते तनाव और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के बीच ऐसी चिकित्सा पद्धतियाँ लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। शिविर में प्राकृतिक चिकित्सा, एक्यूप्रेशर एवं सुजोक चिकित्सा के अनुभवी विशेषज्ञ डॉ. गुलाबराम द्वारा विभिन्न रोगों के उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किए गए। लाभार्थियों को बिना दवा के प्राकृतिक तरीकों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, संतुलित आहार, योग, नियमित व्यायाम तथा एक्यूप्रेशर एवं सुजोक तकनीकों के माध्यम से अनेक रोगों से बचाव और उपचार की जानकारी दी गई।

शिविर के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारियों, उनके परिवारजनों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार का लाभ उठाया। हिंडालको रेनुसागर हेड एच आर आशीष पांडेय ने बताया कि कंपनी अपने कर्मचारियों के बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण के लिए समय-समय पर

ऐसे जनहितकारी स्वास्थ्य शिविरों एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती है। शिविर के सफल आयोजन में सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग रहा।कार्यक्रम को सफल बनाने में हिंडालको रेनुसागर ईआर हेड मृदुल भारद्वाज के नेतृत्व में रोहित सक्सेना, राजेश राय, नाऊष त्रिपाठी, आर के बर्मा एवं सुशील श्रीवास्तव का सराहनीय सहयोग रहा।

चोपन पुलिस का बड़ा खुलासा, चोरी की 7 पशुओं के साथ दो चोर गिरफ्तार

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/ सोनभद्र। पुलिस ने पशु चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान एक बाल अपचारी को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई तीन भैंसें, तीन पड़िया और एक पड़वा बरामद किया है।

यह कार्रवाई चोपन थाना पुलिस द्वारा की गई। दरअसल, वादी ने थाना चोपन में भैंसों की चोरी के संबंध में तहरीर दी थी। इसके आधार पर मु.अ.सं. 263/2026, धारा 303 (2), 317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया गया था। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत, 8 जुलाई 2026 को चोपन पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली। सूचना के आधार पर, ग्राम पटेहरा, थाना घोरावल क्षेत्र में विनोद सिंह के खेत के पास पहाड़ी के नीचे नाले के किनारे जंगल से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया और बाल अपचारी को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान, पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई तीन भैंसें, तीन पड़िया और एक पड़वा बरामद किया। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि उन्होंने इन पशुओं को चोरी कर जंगल में छिपा रखा था और मौका मिलने पर उन्हें बेचने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने बरामद पशुओं को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अमर राज उर्फ अमृत (22 वर्ष), पुत्र राधेश्याम, निवासी ग्राम ओदार, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र और बबुन्दर विश्वकर्मा उर्फ बल्लू (27 वर्ष), पुत्र जितेन्द्र प्रसाद, निवासी ग्राम ओदार, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र के रूप में हुई है। पुलिस अभिरक्षा में लिए गए बाल अपचारी की उम्र लगभग 15 वर्ष बताई गई है।

एसपी अभिषेक वर्मा ने सुनी जनसमस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा ने आज (09.07.2026) पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता और

संवेदनशीलता के साथ सुना गया।जनसुनवाई में राजस्व संबंधी प्रकरणों और अन्य पुलिस मामलों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक मामले का व्यक्तिगत रूप से संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, गुणवत्तापूर्ण और तथ्यपरक जांच करने के लिए भी कहा गया। पुलिस अधीक्षक ने यह भी निर्देशित किया कि पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। जिन मामलों में तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है, उनमें त्वरित विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान तेज, स्वच्छता और जागरूकता पर प्रशासन का जोर

समाज जागरण/ शिव प्रताप सिंह

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश पर जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत विशेष स्वच्छता और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के अंतर्गत ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में व्यापक साफ-सफाई की गई। इसमें नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, खराब हैंडपंपों का चिन्ही करण और उनकी मरम्मत जैसे कार्य शामिल थे। उच्च जोखिम वाले ग्रामों में माइक्रो प्लान के अनुसार विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। सफाई कर्मियों, पंचायत सहायकों, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों तथा ग्राम प्रधानों ने मिलकर आमजन को संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान जनपद के विभिन्न विद्यालयों में संचारी रोगों के प्रति जागरूकता रैलियां निकाली गईं। इसके अतिरिक्त, प्रभात फेरियां और ग्राम पंचायतों में एवं जागरूकता सभाओं का भी आयोजन किया गया। गांवों में नालियों की सफाई, कई स्थानों पर झाड़ियों की कटाई और हैंडपंपों तथा उनके चबूतरों की मरम्मत कराई गई। शौचालयों का निर्माण भी किया गया। नगर पंचायत क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर नालियों की सफाई और वार्डों में फॉगिंग की गई। पशुपालकों को भी जागरूक किया गया और कृंतक (चूहे आदि) नियंत्रण के संबंध में बैठकें आयोजित कर संचारी रोगों की रोकथाम हेतु आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

उर्वरक वितरण मे नियमबद्धता और पारदर्शिता रखेंः निर्मल कुमार मौर्य

•~ एडीसीओ सदर ने किया बीपैक्स सजौर का निरीक्षण

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। उपायुक्त एवं उपनिबंधक सहकारिता सोनभद्र अमित कुमार पांडेय के निर्देश पर एडीसीओ सदर निर्मल कुमार मौर्य ने बीपैक्स सजौर का आकस्मिक निरीक्षण किया।निरीक्षण मे कैशबुक व सप्लीमेंट्री बुक अद्यतन नही पायी गयी।एडीसीओ ने सचिव कमलेश शर्मा को निर्देशित किया कि

अभिलेख प्रतिदिन लिखे व अद्यतन रखना सुनिश्चित करें। एडीसीओ द्वारा उर्व रक स्टाक, पी ओएस मशीन तथा संबंधित अभि लेखो का अव लोकन किया गया।उन्होंने सचिव को उर्वरक वितरण मे पारदर्शिता और नियमबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एडीसीओ सदर ने कहा कि बगैर फार्मर रजिस्ट्री के किसी को भी उर्वरक न दी जाये तथा किसी को अनुमन्य मात्रा से अधिक उर्वरक न दी जाये। उर्वरक वितरण मे कहीं भी अनियमितता की शिकायत पायी जाती है तो संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्यवाई अमल मे लायी जाएगी।

अज्ञात टेलर ने बाइक को मारी टक्कर, ड्यूटी से लौट रहे बाइक सवार युवक की मौत

समाज जागरण/ अकबर अली

म्योरपुर/सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के आश्रम मोड़ से रन टोला के बीच जंगल मार्ग पर गुरुवार की शाम एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गयी।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दुद्धी थाना क्षेत्र के ग्राम सरडीहा महुअरिया

निवासी कमलदेव यादव (27 वर्ष) पुत्र गोरख यादव रेणुकूट से ड्यूटी समाप्त कर अपनी सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल सं० यू.पी. 64 ए पी/4972 से घर लौट रहे थे कि शाम करीब 4 बजे म्योरपुर थाना क्षेत्र में आश्रम मोड़ और रनटोला के बीच जंगल के पास पीछे से आ रहे एक अज्ञात ट्रेलर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस सड़क दुर्घटना में बाइक सवार कमलदेव यादव गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और उनकी मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुट गयी।

मीना बाजार गुरमा से रात के अंधेरों में खड़ी ट्रक से दो बैटरी तथा टर्मिनल चोरी

•~ पीड़ित चालक ने पुलिस को तहरीर देकर की कार्रवाई की मांग

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के गुरमा पुलिस चौकी अन्तर्गत मारकुंडी मुख्यमार्ग मीनाबाजार में 8 जुलाई की मध्यरात्रि में चालक चंद्र भारती पुत्र रामनाथ भारती निवासी मारकुंडी मीनाबाजार अपनी 22 चक्का ट्रक खड़ा करके घर खाना खाने गया हुआ था। इसी दौरान चोरों ने मीनाबाजार स्थित रामजानकी गुप्ता कोटेदार के दुकान के समीप सटे मार्ग खड़ी ट्रक नंबर यू. पी.62 सी टी/87 28 से दो बैट्री और टर्मिनल निकाल कर फरार हो गये थे। इसकी जानकारी होने पर पीड़ित चालक ने गुरमा पुलिस चौकी प्रभारी श्री प्रकाश भारती को प्रार्थना पत्र देकर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

बताते हैं कि कुछ माह से मारकुंडी मुख्य राजमार्ग वाराणसी- शक्तिनगर पर मारकुंडी घाटी से लेकर सलखन फासिल्स पार्क मुख्य राजमार्ग पर चोरों की सक्रियता काफी थम सी गई थी लेकिन पुनः बरसात शुरू होते ही रात के अंधेरों में चोरों की सक्रियता बढ़ जाने से वाहन स्वामियों और चालकों में दहशत फैल गई है।

काल बनकर दौड़ा ट्रेलरः तीन युवकों की मौके पर ही गई जान, मातम में डूबा इलाका

समाज जागरण/ अकबर अली

पिपरी/ सोनभद्र। जनपद के पिपरी थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां पलभर में छीन लीं। मड़ैया कुरलीहवा गांव के समीप तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार तीन युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए तथा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पिपरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक मृतकों की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस उनकी शिनाख्त कराने के प्रयास में जुटी हुई है, ताकि परिजनों को सूचना दी जा सके। दुर्घटना की खबर से क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस ने ट्रेलर और हादसे से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच शुरू कर दी है। साथ ही दुर्घटना के कारणों का पता लगाते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मृतकों की पहचान होने के बाद आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियो मे युवती ने लगाई फांसी, जांच मे जुटी पुलिस

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

जुगैल/ सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के नेवारी गांव मे गुरुवार की सुबह घर मे ही पंखे के सहारे संदिग्ध परिस्थितियो मे एक युवती ने फांसी लगाकर अपनी इहलिला समाप्त कर ली सुचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने

शव को कब्जे मे लेकर अग्रीम कार्यवाही मे जुट गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ज्योति पत्नी नितेश पाठक उम्र लगभग 35 वर्ष गुरुवार की सुबह घर मे ही पंखे के सहारे फांसी लगाकर अपनी इहलिला समाप्त कर ली। जैसे ही इस बात की जानकारी परिजनो को हुई तो अफरा तफरी मच गई परिजनों ने घटना की सुचना पुलिस को दी जिसके बाद जुगैल प्रभारी निरिक्षक सी पी वर्मा अपने मातहतो के साथ मौके पर पहुंच गये और शव को कब्जे मे लेकर अग्रीम कार्यवाही मे जुट गये।

कांधला पालिका के सफाई कर्मचारी यूनियन का गठन, सन्नी बने अध्यक्ष

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)
नगर पालिका परिषद कांधला के सफाई कर्मचारियों ने संगठन की एकता और कर्मचारियों के हितों को मजबूत करने के उद्देश्य से नई यूनियन का गठन किया। सर्वसम्मति से आयोजित बैठक में सन्नी पुत्र कल्लू को सफाई कर्मचारी यूनियन का अध्यक्ष चुना गया। इस दौरान कर्मचारियों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर और ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया। कस्बे के मोहल्ला माजरा के वाल्मीकि मंदिर परिसर में नगर पालिका के सफाई

कर्मचारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कर्मचारियों ने यूनियन की एकता एवं अखंडता बनाए रखने पर जोर देते हुए सर्वसम्मति से सन्नी को अध्यक्ष नियुक्त करने का निर्णय लिया। बैठक में मौजूद सभी सफाई कर्मचारियों ने उनके नाम का समर्थन किया।यूनियन के गठन के बाद दर्जनों सफाई कर्मचारी और समर्थक नगर पालिका परिषद पहुंचे, जहां नव नियुक्त अध्यक्ष सन्नी का ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों ने संगठन को मजबूत बनाने तथा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।इस दौरान नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष नजमुल इस्लाम ने नवनियुक्त अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में सभी सफाई कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने नगरवासियों से भी साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। वहीं वार्ड सभासद कय्यूम जंग का भी सफाई कर्मचारियों ने फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया।इस दौरान रोहित, राजेश, राजकुमार, राहुल, विनोद, अजय, राजन, धीरज,

रीता, सागर, सचिन, सुमित, राम किशन, विनय, विकास, रोशनलाल, लक्ष्मी, कृष्ण पाल, मनोज, विशाल, बिजेंद्र, ओम, ओमप्रकाश, दिनेश, तरुणा, रमेशचंद सहित बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी एवं यूनियन से जुड़े सदस्य मौजूद रहे।

महिला से दुष्कर्म के आरोपी को क पुलिस ने दबोचा, घर में घुसकर वारदात को दिया था अंजाम

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)
थाना क्षेत्र में महिला के घर में घुसकर दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। थाना क्षेत्र के एक गांव में आरोपी ने महिला के घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी महिला को धमकी देते हुए फरार हो गया था। घटना के बाद पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह ने घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे।इसी क्रम में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दुष्कर्म के आरोपी को

गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपी की पहचान राहुल पुत्र प्रमोद कुमार निवासी गंगेरू के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद उसे जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि आरोपी ने एक महिला के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था पुलिस ने पहले ही मुकदमा दर्ज कर लिया था आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

सड़क निर्माण में खामी से वार्ड-13 में जलभराव, व्यापारियों ने डीएम से लगाई गुहार

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)
नगर पालिका परिषद के वार्ड-13 में निमार्णाधीन सड़क के कारण जल निकासी व्यवस्था प्रभावित होने से क्षेत्र में जलभराव की समस्या गहरा गई है। लगातार बारिश के चलते दुकानों और मकानों के बाहर पानी भरने से व्यापारियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारियों ने पालिका प्रशासन और निर्माण कार्य कर रहे ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग की है।पालिका

कार्यालय के निकट वार्ड-13 में सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण के दौरान मुख्य सड़क से पानी निकालने वाले नालों का स्तर सड़क की अपेक्षा ऊंचा कर दिया गया है। इसके चलते बारिश का पानी नालों में जाने के बजाय दुकानों और मकानों के सामने जमा हो रहा है। जलभराव के कारण लोगों का आवागमन प्रभावित हो गया है, वहीं दुकानों में पानी घुसने की आशंका से व्यापारी आर्थिक नुकसान को लेकर चिंतित हैं।व्यापारियों का कहना है कि जल निकासी बाधित होने से क्षेत्र में गंदा पानी जमा है, जिससे संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ गया है।समस्या से परेशान व्यापारियों और क्षेत्रवासियों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र भेजकर जल निकासी की तत्काल व्यवस्था कराने तथा सड़क निर्माण कार्य की जांच कराने की मांग की है।इस दौरान सतीश कुमार, प्रवीण कुमार गोयल, संजय कुमार, रामबाबू धीमान, तेज सिंह मित्तल सहित दर्जनों व्यापारी शामिल हैं। पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम ने बताया कि वार्ड-13 की समस्या को गंभीरता से लिया गया है।

संबंधित गली के निर्माण का टेंडर जल्द जारी किया जाएगा। साथ ही जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त कर जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराया जाएगा।

भाजपा के पश्चिम क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर का जोरदार स्वागत

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त पश्चिम क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर और जिला अध्यक्ष डॉ. राम जीलाल कश्यप के नगर आगमन पर कार्यकताओं ने दिल्ली बस स्टैंड पर भव्य स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और फूल-मालाओं के साथ दोनों नेताओं का अभिनंदन किया गया।स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष डॉ. रश्मिकांत जैन और मंडल उपाध्यक्ष प्रतिभा उर्फ सिमरन ने किया। बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकताओं ने संगठन के पक्ष में नारे लगाते हुए नेताओं का स्वागत किया।नवाब सिंह नागर ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता है। उन्होंने कांधला

मंडल के पदाधिकारियों और कार्य कताओं के उत्साह व संगठन के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि इसी एकजुटता से संगठन और मजबूत होगा। जिला अध्यक्ष डॉ. रामजीलाल कश्यप ने कार्य कताओं से जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने और पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया।इस दौरान प्रतिभा उर्फ सिमरन, कुशांक चौहान, दीपक गुप्ता, विनीत शर्मा, अशोक चौहान, मनुव्वर चौहान, वीरेंद्र जैन, सतवीर कश्यप, राजीव शर्मा, अंकित शर्मा समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने ओलंपिक खेलों के लिए सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) को 15 जुलाई तक लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक योग्यता और एथलीट चयन प्रक्रिया प्रकाशित करने का निर्देश दिया

खेल मंत्रालय ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों के लिए ओलंपिक योग्यता और चयन मानदंडों के पारदर्शी प्रकाशन का आह्वान किया युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) को लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों के लिए एथलीटों के चयन हेतु अपनाए जाने वाले मानदंडों और प्रक्रिया सहित ओलंपिक योग्यता और चयन विधि प्रकाशित करने का निर्देश दिया है। खेल मंत्रालय ने दोहराया है कि ओलंपिक, पैरालंपिक, एशियाई खेल, पैरा एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों जैसे बड़े खेल आयोजनों के लिए चयन नीति और मानदंड को अच्छी तरह से प्रचारित किया जाना चाहिए और संबंधित खेलों के प्रारंभ होने से कम से कम दो साल पहले संबंधित एनएसएफ की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जाना चाहिए। चयन नीति और मानदंड को राष्ट्रीय खेल संघों की सदस्य इकाइयों और भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ भी साझा किया जाना चाहिए। लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेल 14 जुलाई से 30 जुलाई 2028 तक आयोजित होने वाले हैं।

मध्य प्रदेश

बालाकोट क्षेत्र में भालू के हमले में युवक गंभीर, शासन उठाएगा इलाज का पूरा खर्च

कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने जंगल से लगे क्षेत्रों के लोगों से सतर्क रहने की अपील

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी
दमोह। जिले के बालाकोट क्षेत्र में गुरुवार को जंगल से गुजर रहे एक व्यक्ति पर तीन भालुओं ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और वन विभाग सक्रिय हो गया। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने वनमण्डलाधिकारी से संपर्क कर घायल के उपचार की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित कराई।

जानकारी के अनुसार, बालाकोट क्षेत्र निवासी माधव सिंह गौड़ जंगल से गुजर रहे थे, तभी तीन भालुओं ने उन पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले प्राथमिक उपचार दिया गया, जिसके बाद बेहतर इलाज के लिए सागर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। प्रशासन के अनुसार घायल की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने बताया कि घायल के इलाज का पूरा खर्च शासन द्वारा वहन किया जाएगा। इसके साथ ही अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि के दौरान प्रतिदिन 500 रुपये की आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि परिवार पर आर्थिक बोझ कम हो सके। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के हमले से संबंधित गंभीर मामलों में शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार मुआवजा भी प्रदान किया जाता है। कलेक्टर ने जंगल से लगे क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि रात्रि के समय जंगल में जाने से बचें। यदि दिन में जंगल या उसके आसपास जाना आवश्यक हो तो पूरी सतर्कता रखें, क्योंकि वर्षा ऋतु में घने पेड़-पौधों और झाड़ियों के कारण दृश्यता कम हो जाती है। साथ ही इस समय कई वन्यजीवों का प्रजनन काल होने से वे अपने शावकों की सुरक्षा के लिए अधिक आक्रामक हो सकते हैं।
प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमला करने वाली मादा भालू अपने दो शावकों के साथ थी, जिसके कारण उसने आक्रामक व्यवहार किया। कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की कि जंगलों एवं वन क्षेत्रों में अनावश्यक आवाजाही से बचें तथा किसी भी वन्यजीव के दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना दें और विभाग द्वारा जारी सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

आरक्षक से सब इंस्पेक्टर बने सुनील सिंह लोधी, मेहनत और लगन से हासिल की सफलता

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी
दमोह। दमोह जिले के मडियादो थाना में आरक्षक के पद पर पदस्थ सुनील सिंह लोधी का मध्यप्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर (एसआई) पद पर चयन होने से पुलिस विभाग सहित जिले में खुशी का माहौल है। उनके चयन पर अधिकारियों, सहकर्मियों, मित्रों और शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सुनील सिंह लोधी ने पुलिस विभाग में आरक्षक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन किया। व्यस्त ड्यूटी के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य से कभी समझौता नहीं किया और नियमित रूप से अध्ययन जारी रखा। कठिन परिश्रम,

अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने मध्यप्रदेश पुलिस की सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपने परिवार, विभाग और जिले का नाम गौरवान्वित किया। उनकी इस उपलब्धि को युवाओं के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है। पुलिस सेवा में रहते हुए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करना आसान नहीं होता, लेकिन सुनील सिंह लोधी ने यह साबित कर दिया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर की जाए तो सफलता अवश्य मिलती है।
सुनील सिंह लोधी के एसआई पद पर चयन होने पर पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, संबंधित एसडीओपी, मडियादो थाना प्रभारी सहित पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। साथ ही उनके परिजनों, मित्रों और समाज के लोगों ने भी मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सुशासन की मंशा के अनुरूप राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करें: कलेक्टर प्रताप नारायण यादव

नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख सुधार एवं भू-अर्जन प्रकरणों की समीक्षा, लापरवाही पर कार्रवाई के निर्देश

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी
दमोह। जिले में सुशासन की भावना के अनुरूप आमजन को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न राजस्व प्रकरणों की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख सुधार, भूमि चिन्हांकन, भू-अर्जन, आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर समीक्षा की गई।
बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी राजस्व प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा, पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

15 दिन में पटवारियों की रिपोर्ट, देरी पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर श्री यादव ने आरसीएमएस पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की खंडवार समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि पटवारियों की रिपोर्ट अधिकतम 15 दिनों के भीतर प्राप्त कराई जाए। उन्होंने अधीनस्थ अमले की नियमित निगरानी करने तथा समय-सीमा का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

रोवर मशीन से होगा सटीक सीमांकन

भूमि विवादों को कम करने के उद्देश्य से कलेक्टर ने सीमांकन प्रकरणों में आधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रोवर मशीन के माध्यम से सटीक एवं पारदर्शी सीमांकन किया जाए, जिससे भविष्य में भूमि विवादों की संभावना कम हो। साथ ही "जिसका आवेदन पहले, उसका निराकरण पहले" के सिद्धांत का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए।

फार्मर आईडी बनाने में लाएं तेजी

बैठक में कलेक्टर ने बताया कि जिले में किसानों के लिए खाद एवं यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन किसानों की फार्मर आईडी अभी तक नहीं बनी है, उनकी आईडी शीघ्र तैयार कराई जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य में फार्मर आईडी भूमि और कृषि से संबंधित विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का प्रमुख आधार बनेगी।

भू-अर्जन और पीएम किसान योजना की समीक्षा

भू-अर्जन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को स्वामित्व का विधिवत सत्यापन कर नियमानुसार पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा में तेन्दूखेड़ा तहसील का कार्य शत-प्रतिशत एवं संतोषजनक पाया गया, जबकि दमोह नगर, हटा एवं जबेरा तहसीलों में अपेक्षाकृत कम प्रगति पर नाराजगी जताते हुए शीघ्र सुधार लाने के निर्देश दिए।

जनहित सर्वोपरि: कलेक्टर

बैठक के अंत में कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा कि राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण ही सुशासन की पहचान है। उन्होंने सभी अधिकारियों को संवेदनशीलता, जवाबदेही और जनहित की भावना के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र हितग्राही को समय पर न्याय एवं राजस्व सेवाओं का लाभ मिलना चाहिए।

रनेह थाना से बंदी फरार प्रकरण में एसपी का बड़ा एक्शन, तीन पुलिसकर्मी निलंबित

थाना प्रभारी और विवेचक को शोकॉज नोटिस, फरार आरोपी की तलाश में पुलिस टीमें लगातार दे रही दबिश

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी
रनेह थाना की हवालात से हथकड़ी तोड़कर बंदी के फरार होने की घटना ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है। सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूक सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी ने तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। वहीं थाना प्रभारी और विवेचक से जवाब तलब करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, पुलिस अभिरक्षा में बंद लीलाधर चौधरी सोमवार मंगलवार की रात्रि करीब 3 से 4 बजे के बीच रनेह थाना की हवालात से हथकड़ी तोड़कर फरार हो गया था। घटना के दूसरे दिन बुधवार को भी पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश में जुटी रहीं, लेकिन देर रात तक आरोपी का कोई सुराग नहीं लग सका। आरोपी की फरारी ने थाना स्तर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा
एसपी आनंद कलादगी ने बताया कि मामले में थाना स्टाफ की लापरवाही सामने आने पर एचसीएम शिवराज सिंह, नाइट ड्यूटी ऑफिसर केवल नारायण मिश्रा तथा बंदी सुरक्षा में तैनात आरक्षक श्रीराम प्रजापति को

तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। वहीं थाना प्रभारी चंदन निरंजन और विवेचक एएसआई मुफीस अहमद खान को शोकॉज नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। यदि उनका स्पष्टीकरण संतोष जनक नहीं पाया

गया तो उनके विरुद्ध भी कठोर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

इधर, प्रभारी एसडीओपी हटा सौरभ त्रिपाठी ने बताया कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस आरोपी के परिजनों के भी संपर्क में है और उन्हें समझाइश दी जा रही है कि वे किसी प्रकार का संरक्षण न दें तथा आरोपी के संपर्क में आने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। हालांकि बुधवार देर रात तक पुलिस के हाथ खाली रहे। इस घटना ने पुलिस अभिरक्षा की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। विभागीय जांच के बाद यह तय होगा कि इस बड़ी चूक के लिए और कौन जिम्मेदार है। वहीं पुलिस का दावा है कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं और उसे जल्द हिरासत में ले लिया जाएगा।

वन श्रमिक पर हमला करने वाली बाघिन का किया गया रेस्क्यू

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी
दमोह। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के मोहली परिक्षेत्र में रविवार को एक श्रमिक को बाघ ने घायल करने के बाद वन अमले ने उसकी पहचान और तलाश करते हुए गुरुवार को उसे ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू किया गया। परीक्षण के दौरान बाघिन का पेट लगभग खाली था और उसके पैरों में सूजन मिली जिसके चलते आगामी विस्तृत परीक्षण एवं उपचार हेतु उसे सेंटर फॉर वाइल्डलाइफ हेल्थ एंड फॉरेंसिक जबलपुर रवाना किया गया है। वन अमले ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना के बाद गश्त पर उपस्थित महिला वनरक्षक के द्वारा बताये गये विवरण के बाद सर्च कार्यवाही में दिनांक 7-7.2026 को एक बाघिन मिली थी जिसकी आयु लगभग 15 से 18 महीने थी और अनुमान था कि संभवतः यह वही बाघिन है जिसके द्वारा उक्त कर्मचारी पर हमला किया गया था। उक्त बाघिन के व्यवहार को समझने के लिए हाथियों के द्वारा सतत गस्त कर बाघिन के व्यवहार का निरीक्षण किया जा रहा था।

निरीक्षण में सामने आई भूख और चोट

हाथियों के महावत के द्वारा एवं बाद में स्थानीय अधिकारियों द्वारा अवलोकन में प्रतीत हुआ कि उक्त बाघ शावक कुछ दिनों से भूखा है और संभवतः उसके पिछले पैरों मे कोई चोट आदि है जिसके कारण उसके चलने की शैली सामान्य नहीं है इस संबंध में मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक को अवगत कराया जिनके द्वारा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के वन्य प्राणी विशेषज्ञ एवं चिकित्सक, डॉ. गुरुदत्त शर्मा को एवं सेंटर फॉर वाइल्ड लाइफ हेल्थ एंड फारेंसिक जबलपुर को वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व सागर आकर उक्त बाघ के परीक्षण हेतु निर्देशित किया गया जिसके बाद गुरुवार को उसे ट्रेंकुलाइज कर भेजा गया है। कार्यवाही में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के वन्य प्राणी विशेषज्ञ एवं चिकित्सक, डॉ. गुरुदत्त शर्मा सहित वन अमले की भूमिका रही।

स्वामी नितानन्द सेवा समिति द्वारा 11 जुलाई को झज्जर में दिव्य वाणी,सत्संग एवं आरती, नशा मुक्त साइकिल यात्रा एवं पौधा वितरण कार्यक्रम

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी। स्वामी नितानन्द जी महाराज की पावन प्रेरणा से तपोभूमि जटेला धाम आश्रम के पीठाधीश्वर महंत श्री राजेंद्र दास महाराज के परम सानिध्य में स्वामी नितानन्द सेवा समिति, झज्जर के तत्वावधान में 11 जुलाई को झज्जर में एक दिव्य आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें दिव्य वाणी,सत्संग एवं आरती, नशा मुक्त साइकिल यात्रा एवं पौधा वितरण कार्यक्रम शामिल हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 02:30 बजे नशा मुक्त साइकिल यात्रा से होगा। यह यात्रा जवाहरलाल स्टेडियम से अनाज मंडी, झज्जर तक निकाली जाएगी। इस यात्रा का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है।

इसके उपरांत सायं 03:30 बजे दिव्य वाणी सत्संग का आयोजन किया जाएगा। सत्संग में श्रद्धालुओं को जीवन जीने की आध्यात्मिक प्रेरणा दी जाएगी।

सायं 05:00 बजे संध्या आरती के साथ-साथ पौधे वितरण का कार्यक्रम भी रखा गया है। समिति का संदेश है - "अधिक से अधिक पौधे लगाएं, पर्यावरण बचाएं"।

इस पावन अवसर पर तपोभूमि जटेला धाम माजरा दू, झज्जर के पीठाधीश्वर श्री महंत स्वामी राजेंद्र दास जी महाराज का विशेष सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त होगा। समिति ने सभी श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस पुण्य कार्य का हिस्सा बनें।

मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान को लेकर बहल में शिविर आयोजित

एसडीएम मनोज दलाल ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा, समय पर एसआईआर फॉर्म जमा कराने की अपील

पंचायत घर में आयोजित शिविर में जनप्रतिनिधियों, बीएलओ व कर्मचारियों ने अभियान को सफल बनाने का लिया संकल्प

दैनिक समाज जागरण। जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

बहल। ग्राम पंचायत बहल के तत्वावधान में पंचायत घर में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत शिविर आयोजित किया गया। शिविर में एसडीएम मनोज दलाल ने पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधार शिला है, इसलिए प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सूची में सही तरीके से दर्ज होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि जिन मतदाताओं ने अभी तक अपना एसआईआर फॉर्म जमा नहीं कराया है, वे आज और कल के भीतर संबंधित बीएलओ के पास अनिवार्य रूप से फॉर्म जमा करें, ताकि पुनरीक्षण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जा सके।

उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटने न पाए तथा पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न हो।

इस अवसर पर सरपंच साधुराम पनिहार ने कहा कि बहल में एसआईआर अभियान पूरी पारदर्शिता, सुनियोजित व्यवस्था और तय समय के अनुसार संचालित किया जा रहा है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की कि वे समय रहते अपने आवश्यक दस्तावेज एवं फॉर्म संबंधित बीएलओ के पास जमा कर अभियान को सफल बनाएं।

शिविर में सभी वार्ड पंच, आशा वर्कर्स, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बीएलओ, नंबरदार तथा क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने एसआईआर अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

कल से शुरू होगा काले कंबल वाले बाबा का सात दिवसीय आरोग्य शिविर , सभी तैयारियां पूरी

पार्किंग , पेयजल, टेंट, स्टेज और विभिन्न श्रेणी के मरीजों के लिए अलग पंडाल तैयार, आयोजकों ने समय पर पहुंचने की अपील की

नई अनाज मंडी में सुबह 11 बजे से होगा शुभारंभ, मरीजों व श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

बहल। बहल की नई अनाज मंडी में काले कंबल वाले बाबा के नाम से प्रसिद्ध श्री गणेश यादव के सान्निध्य में आयोजित होने वाले सात दिवसीय आरोग्य शिविर की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह शिविर 10 जुलाई से 16 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन नई अनाज मंडी परिसर में आयोजित होगा। शिविर का शुभारंभ शुक्रवार सुबह 11:00 बजे से होगा।

शिविर के आयोजक रामचन्द्र टांडी (वाइस चेयरमैन, मार्केट कमेटी बहल) ने बताया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और मरीजों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं। आने वाले वाहनों के लिए पार्किंग की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

आयोजकों ने बताया कि शिविर में लकवा के मरीजों, छोटे बीमार बच्चों, महिलाओं तथा सामान्य श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग पंडाल और बैठने के स्थान निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा पीने के स्वच्छ पानी की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है। आयोजन स्थल पर टेंट और मुख्य स्टेज का निर्माण कार्य भी पूरा कर लिया गया है।

आयोजकों के अनुसार शिविर में गठिया, सर्वाइकल, उच्च रक्तचाप (बीपी), शुगर, लकवा, पोलियो ,निसंतान तथा जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं से पीड़ित लोगों के उपचार का दावा किया गया है। क्षेत्र सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। प्रवीन गोदारा, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवक, हांसी ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की।

वहीं आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं और मरीजों से अनुरोध किया है कि वे सुबह 11 बजे से पहले समय पर पहुंचें, अपने निर्धारित स्थान पर शांतिपूर्वक बैठें तथा आयोजन स्थल पर व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें, ताकि शिविर का संचालन सुचारु रूप से किया जा सके।

अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों हेतु छात्रावास निर्माण, विस्तार एवं मरम्मत के लिए आवेदन आमंत्रित

-प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के अंतर्गत सरकारी, अर्धसरकारी शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को मिलेगा वित्तीय सहयोग

समाज जागरण

सिरसा/कालांवाली 09 जुलाई (सुरेश जोरासिया) अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित एवं बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के तहत पात्र शैक्षणिक संस्थाओं से नए छात्रावासों के निर्माण, मौजूदा छात्रावासों के विस्तार तथा मरम्मत एवं नवीनीकरण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विभाग ने सभी पात्र संस्थाओं से निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप शीघ्र आवेदन करने की अपील की है। विभाग का मानना है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तभी प्रभावी रूप से संभव है, जब विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए सुरक्षित, अनुशासित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध हो। विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले अनुसूचित जाति वर्ग के अनेक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षण संस्थानों तक पहुंचने के लिए छात्रावास सुविधाओं की आवश यकता होती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए योजना के माध्यम से छात्रावासों की संख्या बढ़ाने और पहले से संचालित छात्रावासों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

यह है पात्रता

योजना के अंतर्गत पात्र सरकारी एवं अर्धसरकारी शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा अन्य पात्र संस्थाओं को अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए नए छात्रावासों के निर्माण, मौजूदा भवनों के विस्तार, मरम्मत, नवीनीकरण तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए बजट उपलब्धता अनुसार वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इससे विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय वातावरण, स्वच्छ परिसर, अध्ययन कक्ष, पेयजल, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। जिला कल्याण अधिकारी राकेश कुमार ने जिले की सभी पात्र संस्थाओं से आह्वान किया कि यदि उनके परिसर में अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास उपलब्ध नहीं है अथवा वर्तमान छात्रावास क्षमता से कम पड़ रहा है या उसकी मरम्मत एवं नवीनीकरण की आवश्यकता है, तो वे योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार आवश्यक दस्तावेजों सहित अपना प्रस्ताव समयबद्ध रूप से प्रस्तुत करें। प्राप्त प्रस्तावों पर जांच के बाद नियमानुसार आगे स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा।

यह बरतें सावधानी

विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रस्ताव तैयार करते समय सभी आवश्यक दस्तावेज, तकनीकी विवरण तथा योजना के दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। अपूर्ण अथवा निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने वाले प्रस्तावों पर नियमानुसार निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि छात्रावासों का निर्माण और सुदृढ़ीकरण केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य अनुसूचित जाति विद्यार्थियों के लिए ऐसा शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है, जहां वे बिना किसी आवासीय कठिनाई के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। बेहतर छात्रावास सुविधाएं विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, परीक्षा परिणाम और उच्च शिक्षा में भागीदारी बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होंगी। इससे सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिलेंगे। योजना से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा अन्य आवश्यक जानकारी आधिकारिक वेबसाइट https:// pmajay.d osje.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इच्छुक संस्थाएं किसी भी कार्य दिवस में जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर योजना से जुड़ी जानकारी तथा आवेदन प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त कर सकती हैं।

नागरिक अस्पताल में मरीज के परिजन पर छत का मलबा गिरा, सिर में गंभीर चोट

बेटी का इलाज कराने आए पिता को लगे 10-12 टांके, जर्जर भवन पर उठे सवाल

स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया, जांच कमेटी गठित कर भवन की मरम्मत के लिए भेजा प्रस्ताव

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी। भिवानी स्थित चौधरी बंसी लाल नागरिक अस्पताल में गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया। बेटी का इलाज कराने आए एक व्यक्ति के ऊपर वार्ड की छत का मलबा गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। घायल जितेंद्र, निवासी हनुमान ढाणी, भिवानी, अपनी बेटी भाविका का उपचार कराने अस्पताल आए थे। परिजनों के अनुसार भाविका पेट दर्द, पीलिया और लीवर में सूजन की समस्या के चलते अस्पताल के वार्ड नंबर-8 में भर्ती है।

घायल की पत्नी आरती ने बताया कि गुरुवार को उनके पति वार्ड में बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक छत के लैंटर का मलबा उनके ऊपर आ गिरा। हादसे में जितेंद्र के सिर और शरीर पर चोटें आईं तथा सिर पर करीब 10 से 12 टांके लगाने पड़े। आरती ने बताया कि उनके पति परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य हैं। हादसे के कारण अब परिवार आर्थिक संकट में आ गया है। उन्होंने प्रशासन से

आर्थिक सहायता देने और अस्पताल की जर्जर इमारत की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो।

अस्पताल के पीएमओ डॉ. बलवान ने बताया कि वर्ष 2022 में भवन की मरम्मत करवाई गई थी, लेकिन बाद में लोक निर्माण विभाग ने इस भवन को असुरक्षित घोषित किया था। उन्होंने बताया कि छत का एक हिस्सा गिरने से जितेंद्र के सिर में चोट लगी है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और उपचार जारी है।

घटना के बाद सीएमओ ने मौके का निरीक्षण किया तथा मामले की जांच के लिए एक समिति गठित कर उच्च अधिकारियों को भवन की समस्या का शीघ्र समाधान कराने के लिए पत्र भेजा है।

उपराष्ट्रपति ने खुले समुद्रों में मत्स्य पालन के सतत दोहन हेतु प्राधिकार पत्र और ओडिशा डीप सी फिशिंग मिशन दस्तावेज का शुभारंभ किया

सशक्त मत्स्य किसान उत्पोादक संगठनों, मत्स्य पालन सहकारी समितियों और डिजिटलीकरण के माध्यम से मत्स्य पालन क्षेत्र के समावेशी विकास को बढ़ावा केन्द्र सरकार के मत्स्य पालन विभाग ने 9 जुलाई 2026 को ओडिशा के भुवनेश्वर में खुले समुद्रों में मत्स्य पालन के सतत दोहन हेतु प्राधिकरण पत्र (एलओए) का राष्ट्रीय शुभारंभ आयोजित किया। उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने गहरे समुद्रों में मत्स्य पालन के सतत दोहन हेतु प्राधिकार पत्र का शुभारंभ किया। उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर ओडिशा डीप सी मिशन दस्तावेज का भी शुभारंभ किया। इस राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम में ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी और पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह, केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी और पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, ओडिशा के मत्स्य पालन एवं एआरडी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गोकुलानंद मल्लिक और कंधमाल के सांसद श्री सुकांत पाणिग्रही की गरिमामय उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में लगभग 1,000 मछली किसानों और मछुआरों, जिनमें महिला मछली किसान और मछुआरों शामिल थीं, के साथ-साथ विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों तथा संबंधित मंत्रालयों एवं विभागों के अधिकारियों ने प्रत्यक्ष रूप से भागीदारी की।

दहेज के लिए पत्नी की हत्या के मामले में पति को आजीवन कारावास

सास-ससुर को 7 साल की सजा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दानापुर व्यवहार न्यायालय की अपर जिला व सत्र न्यायाधीश-द्वितीय अंजलि ने दहेज हत्या के एक मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए मुख्य आरोपी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामले में दोषी पाए गए सास और ससुर को भी सात-सात साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। मामला सिंगोड़ी थाना क्षेत्र का है, जहाँ धनरूआ थाना क्षेत्र के अहरपुरा गांव निवासी विनोद बिंद ने अपनी पुत्री सोनी कुमारी की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। मृतका के पिता के अनुसार, उन्होंने अपनी बेटी की शादी वर्ष 2018 में करहरा ढिबरापार निवासी राजदेव बिंद के पुत्र कामेंद्र बिंद के साथ की थी। आरोप था कि ससुराल पक्ष के लोग लगातार दहेज में बाइक की मांग कर रहे थे और इसके लिए सोनी के साथ मारपीट की जाती थी। 7 नवंबर 2021 को ससुराल वालों ने सोनी की हत्या कर उसका शव गायब कर दिया। जब मायके वाले वहां पहुंचे, तो आरोपी घर से फरार मिले और सोनी का कहीं पता नहीं चला। प्रभारी अपर लोक अभियोजक रामकेश्वर प्रसाद ने बताया कि सिंगोड़ी थाना कांड संख्या 141/21 और सेशन ट्रायल संख्या 721/23 के तहत चले इस मुकदमे में अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुनाया। साक्ष्यों के आधार पर मुख्य आरोपी पति कामेंद्र बिंद को दोषी करार देते हुए आजीवन सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई गई।

वहीं, मृतका के ससुर राजदेव बिंद और सास जासो देवी को दोषी पाते हुए सात साल सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये जुमार्ने का दंड दिया गया। न्यायालय के इस सख्त फैसले से दहेज लोभियों में हड़कंप मच गया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जुमार्ना न भरने पर दोषियों को अतिरिक्त सजा काटनी होगी।

पटना के पत्रकार नगर में रिटायर्ड बैंक अधिकारी के बंद घर में चोरी

ताला तोड़कर कीमती सामान ले उड़े बदमाश

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी के पत्रकार नगर थाना क्षेत्र स्थित हनुमाननगर इलाके में चोरों ने एक रिटायर्ड बैंक अधिकारी के बंद घर को अपना निशाना बनाया है। चोरों ने मुख्य द्वार समेत घर के सभी कमरों के ताले तोड़कर अंदर रखे कीमती सामानों पर हाथ साफ कर दिया। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। घटना पत्रकार नगर के हनुमाननगर, द्वारिकापुरी रोड नंबर-3 की है। घर के मालिक त्रिवेणी प्रसाद पांडे पेशे से रिटायर्ड बैंक अधिकारी हैं। परिजनों के मुताबिक, त्रिवेणी प्रसाद अक्सर बाहर रहते हैं और उनका परिवार दिल्ली में स्थित है। वे समय-समय पर पटना आकर कुछ दिनों के लिए इस घर में रहते हैं, जिसके कारण अधिकांश समय घर बंद ही रहता है।चोरी की जानकारी तब हुई जब उनके रिश्तेदार, महेंद्रू निवासी डॉ. चितरंजन प्रसाद वहां पहुंचे। उन्होंने देखा कि घर का मुख्य गेट और अंदर के सभी कमरों के ताले टूटे पड़े हैं। भीतर का सामान पूरी तरह बिखरा हुआ था। डॉ. चितरंजन ने तुरंत इसकी सूचना पत्रकार नगर थाने को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस के अनुसार, घर के मालिक के बाहर होने के कारण अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि चोरी में कितने का नुकसान हुआ है और कौन-कौन से सामान गायब हैं। पुलिस का कहना है कि मालिक के लौटने के बाद ही चोरी हुए सामान की सूची और नुकसान का सही आकलन किया जा सकेगा। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है ताकि बदमाशों की पहचान हो सके। बंद घरों को निशाना बनाना पेशेवर चोरों की पुरानी रणनीति रही है। पुलिस ने स्थानीय लोगों

को सलाह दी है कि घर लंबे समय के लिए बंद छोड़ने पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें या पड़ोसियों को इसकी सूचना जरूर दें। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

टेंडर घोटाला में ठेकेदार रिशु श्री की नियमित जमानत याचिका खारिज

तारिणी दास की जमानत पर आदेश सुरक्षित

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार के बहुचर्चित टेंडर घोटाला मामले में गुरुवार को निगरानी की विशेष अदालत ने एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। विशेष न्यायाधीश अतुल कुमार सिंह की अदालत ने जेल में बंद ठेकेदार रिशु श्री की नियमित जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने बुधवार को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रखा था, जिसे गुरुवार को सुनाया गया। इसी मामले में जेल में बंद भवन निर्माण विभाग के अवकाश प्राप्त मुख्य अभियंता तारिणी दास की नियमित जमानत याचिका पर भी अदालत में सुनवाई हुई। विशेष लोक अभियोजक आनंदी सिंह ने जमानत का पुरजोर विरोध किया। दोनों पक्षों की ओर से पेश किए गए तर्कों को सुनने के बाद अदालत ने इस मामले में भी आदेश को सुरक्षित रख लिया है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि कोर्ट इस पर क्या रुख अपनाती है। इस घोटाले के आरोपी आईएएस अधिकारी संजीव हंस की अग्रिम जमानत याचिका पर भी सुनवाई होनी थी, लेकिन गुरुवार को इस पर सुनवाई टल गई। अदालत ने अब इस मामले के लिए अगली तारीख 10 जुलाई निर्धारित की है।विशेष निगरानी इकाई (SVU) ने राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों में ठेकेदारी प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और धांधली के आरोप में यह मुकदमा दर्ज किया था। गहन अनुसंधान के बाद, निगरानी इकाई ने आईएएस संजीव हंस सहित कुल सात लोगों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल किया है। मामला सरकारी टेंडर आवंटन में नियमों की अनदेखी और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है, जिसकी जांच अभी भी जारी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट का हर फैसला बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पटना के सचिवालय हार्डिंग रोड पर मिला अज्ञात अधेड़ का शव

गला दबाकर हत्या की आशंका

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी के पॉश इलाके सचिवालय हार्डिंग रोड पर गुरुवार सुबह एक 45 वर्षीय अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव को फुटपाथ पर इस तरह रखा गया था कि दूर से देखने पर वह सोता हुआ प्रतीत होता था, लेकिन पास जाने पर मौत की पुष्टि हुई। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। मृतक ने नीली शर्ट और काला पैंट पहन रखा था। शव मिलने की सूचना पर पहुंची सचिवालय थाना पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, अधेड़ के गले पर गहरा निशान मिला है, जो स्पष्ट रूप से गला दबाकर हत्या किए जाने की ओर इशारा कर रहा है। शुरूआती जांच में पुलिस को यह मामला खुदकुशी का नहीं, बल्कि हत्या कर शव को ठिकाने लगाने का लग रहा है। पुलिस का मानना है कि कहीं और हत्या करने के बाद बदमाशों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाकर शव को यहां लाकर रख दिया होगा।घटनास्थल पर पहुंची एफएसएल (FSL) की टीम ने सबूतों का नमूना लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाल रही है ताकि बदमाशों की पहचान की जा सके। आसपास के थानों को भी मृतक की फोटो भेजी गई है ताकि उसकी पहचान सुनिश्चित की जा सके। गौरतलब है कि इससे पहले भी गर्दनीबाग इलाके में इसी तरह अज्ञात शव बरामद किए जा चुके हैं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा।

पटना के फतुहा में 162 ग्राम हेरोइन के साथ कुख्यात तस्कर गिरफ्तार

बड़ी मात्रा में तस्करी के उपकरण बरामद

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले की नदी थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को भारी मात्रा में हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गुलमहियाचक निवासी रमेश कुमार (28 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके के नशा कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस को 8 जुलाई 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी हो रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी के घर पर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने 337 डिबिया हेरोइन (कुल 131 ग्राम) बरामद की और आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। छापेमारी के बाद से ही मुख्य आरोपी फरार चल रहा था। 9 जुलाई को नदी थाना पुलिस ने एक विशेष जाल बिछाकर फरार चल रहे रमेश कुमार को टेढ़ी पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 86 डिबिया हेरोइन

(31 ग्राम) और बरामद हुई। इस प्रकार कुल 162 ग्राम हेरोइन जब्त की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपये बताई जा रही है। तस्करी के नेटवर्क का खुलासा करते हुए पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में संदिग्ध सामग्री जब्त की है। इसमें 1500 खाली प्लास्टिक डिबिया, 4 प्लास्टिक कुप्पी, 5 कीपैड फोन, एक एंड्रॉयड मोबाइल, कैंची, साबुनदानी और लाइटर शामिल हैं। ये उपकरण हेरोइन की पैकिंग और उसकी पुड़िया बनाने में इस्तेमाल किए जाते थे। थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन ने बताया कि गिरफ्तार रमेश कुमार एक आदतन अपराधी है। उसके विरुद्ध पूर्व से ही आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं। इस पूरी छापेमारी में पुलिस अवर निरीक्षक विवेक कुमार, एएसआई संतोष कुमार व पप्पू पासवान समेत जिला बल और महिला पुलिस बल के जवान शामिल थे। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने में जुटी है।

पटना के मनेर में जुआ खेलने के लिए रुपये नहीं देने पर पिता और बहन को पीटा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के मनेर थाना क्षेत्र के ब्रह्मचारी गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ जुआ खेलने की लत के चलते एक युवक ने अपने ही पिता और बहन पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना गुरुवार देर शाम की है। मिली जानकारी के अनुसार, ब्रह्मचारी गांव निवासी अर्जुन राय का पुत्र टुनटुन कुमार घर पर अक्सर अपनी बुरी आदतों के कारण विवाद करता था। गुरुवार को उसने अपने पिता अर्जुन राय और बहन रीता देवी से जुआ खेलने के लिए पैसों की मांग की। पिता और बहन ने जब उसे गलत कामों के लिए रुपये देने से साफ इनकार कर दिया, तो टुनटुन आपा खो बैठा। गुस्से में आकर उसने लाठी-डंडों से अपने पिता और बहन पर हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और लहूलुहान हो गए। पिटाई के बाद घायल अवस्था में ही पिता-पुत्री किसी तरह मनेर थाना पहुँचे और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी देते हुए न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फौरन दोनों घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ उनका उपचार चल रहा है। मनेर पुलिस ने बताया कि शिकायत दर्ज कर ली गई है। आरोपी युवक की तलाश की जा रही है और घटना के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है। इस घटना से पूरे गांव में आक्रोश है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा और कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।